Page 11 · खेल
हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित
Page 09 · देश

19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस विमेंस वर्ल्डकप जीता, वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली...

स्कूल हादसा : राजस्थान में खस्ताहाल स्कूलों पर बुलडोजर चलाएगी सरकार

शुक्ल पक्ष, उत्तर फाल्गुनी, विक्रम संवत् 2082
• औरंगाबाद • मंगलवार • 29 जुलाई 2025 • वर्ष 27 • अंक 228 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 99,930	₹ 1,16,000

आज का इतिहास

1941 : द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के घटक जापान ने चीन और भारत पर अधिकार करने के लिए अपने सैनिक इस क्षेत्र के दक्षिणी तट पर उतारे।

1996 : भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाली अरुणा आसफ अली का निधन हुआ।

न्यूज बाइट्स

अगस्त में बैंक 14 दिन रहेंगे बंद

नई दिल्ली (ए.)। अगले महीने यानी अगस्त में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे। 5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 7 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा। 15 से 17 अगस्त तक लगातार 3 दिन बैंक बंद 15 से 17 अगस्त तक देश के ज्यादातर जगहों पर लगातार 3 दिन बैंकों में कारोबार नहीं होगा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 16 अगस्त को जन्माष्टमी/कृष्ण जयंती और 17 अगस्त को रविवार के चलते बैंक बंद रहेंगे। वहीं असम में 23 से 25 अगस्त तक बैंकों में कामकाज नहीं होगा।

रेलवे ने 2.5 करोड़ आईआरसीटीसी यूजर आईडी की बंद

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय रेलवे ने 2.5 करोड़ से ज्यादा आईआरसीटीसी यूजर्स आईडी को डीएक्टिवेट यानी बंद कर दिया है। ऑनलाइन टिकट बुकिंग सिस्टम में गड़बड़ियों को रोकने के लिए रेलवे ने यह कदम उठाया है।

अपडेट नहीं कराने पर बंद हो सकता है आधार कार्ड

नई दिल्ली (ए.)। कल की बड़ी खबर आधार कार्ड से जुड़ी रही। यूआईडीएआई (यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया) के मुताबिक 7 साल की उम्र के बाद बायोमेट्रिक अपडेट नहीं करवाई गई, तो बच्चे का आधार नंबर डी-एक्टिवेट हो सकता है। अगर आपके बच्चे की उम्र 5 साल हो चुकी है, तो उसके आधार कार्ड की बायोमेट्रिक डिटेल्स (उंगलियों के निशान, आंखों की स्कैनिंग और फोटो) अपडेट करवाना जरूरी है।

बढ़ रही विवाह निबंधन के प्रति जागरूकता

पटना (नि.सं.)। बिहार में विवाह निबंधन को लेकर जोड़ों के बीच जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अनुसार, विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत इस वर्ष जनवरी से अप्रैल तक राज्यभर में कुल 869 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ, जबकि 02 हजार 821 जोड़ों ने विवाह का पंजीकरण कराकर इसे कानूनी मान्यता दी।

ऑपरेशन महादेव में हाशिम मूसा का मारा जाना पहलगाम और सोनमर्ग हमलों के खिलाफ बड़ी जीत, पाकिस्तान से ही आए थे पहलगाम हमले के आतंकी

पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड समेत तीन आतंकी ढेर

- पाकिस्तान की स्पेशल सर्विस ग्रुप का कमांडो रह चुका, सेना ने ऑपरेशन महादेव में मार गिराया

एजेंसी | नई दिल्ली

सोमवार को सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन महादेव में उन तीन आतंकियों को ढेर कर दिया जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शामिल थे। मारे गए ये तीनों ही आतंकी पाकिस्तान के रहने वाले थे। हमले का मास्टरमाइंड हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान पाकिस्तान के रावलकोट का रहने वाला था। वहीं अबू हमजा उर्फ हैरिस पाकिस्तान के सियालकोट का और मोहम्मद यासिर भी पाकिस्तान का ही रहने वाला था।

पाक सेना का कमांडो था मूसा उर्फ सुलेमान

हमले का मास्टरमाइंड सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, हाशिम मूसा पाकिस्तानी सेना के स्पेशल सर्विस ग्रुप (एसएसजी) में पैरा कमांडो के रूप में ट्रेनिंग ले चुका था। उसके बाद उसने लश्कर-ए-तैयबा में शामिल होकर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देना शुरू किया। बताया जाता है कि उसने सितंबर 2023 में भारत में प्रवेश किया और फिर से दक्षिण कश्मीर में अपने आतंकवादी अभियान शुरू किए। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, हाशिम मूसा पाकिस्तानी सेना के स्पेशल सर्विस ग्रुप (एसएसजी) में पैरा कमांडो के रूप में ट्रेनिंग ले चुका था। उसके बाद उसने लश्कर-ए-तैयबा में शामिल होकर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देना शुरू किया।

जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे

हमले के बाद हुई जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे। 24 अप्रैल को अनंतनाग पुलिस ने 3 स्केच जारी किए। इसमें तीन आतंकियों के नाम थे, अनंतनाग का आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली उर्फ तल्हा भाई। मूसा और अली पाकिस्तानी हैं। मूसा पाकिस्तान के स्पेशल सर्विस ग्रुप में कमांडो रह चुका है। इन पर 20-20 लाख रुपए का इनाम भी रखा गया है। फिलहाल यह साफ नहीं हुआ है कि एनएआई ने जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था, उन्होंने इन्हीं तीन आतंकियों के नाम उजागर किए या किन्हीं और आतंकियों के।

2023 में आया भारत

बताया जाता है कि उसने सितंबर 2023 में भारत में प्रवेश किया और फिर से दक्षिण कश्मीर में अपने आतंकवादी अभियान शुरू किए। पहलगामा आतंकी हमले के अलावा मूसा कुछ और आतंकी गतिविधियों में भी शामिल रहा। एजेंसियों के मुताबिक, मूसा घाटी में हुई कम से कम छह आतंकी घटनाओं में शामिल रहा था। मूसा हाईली ट्रेंड आतंकी था, जिसे जंगलों में रहने और मुश्किल हालात सर्वाइव करने में महारत हासिल थी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद हाशिम मूसा की तलाश के लिए दक्षिण कश्मीर के जंगलों में लगातार ऑपरेशन चलाए जा रहे थे।- जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उसके ऊपर 20 लाख रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पाकिस्तानी आतंकियों मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पुलिस-प्रशासन इस बारे में पूरी जानकारी देगा। मैं सेना, पुलिस और इस ऑपरेशन में शामिल सभी लोगों को बधाई देता हूं। आतंकियों के पास से अमेरिकी एम4 कार्बाइन, एके-47, 17 राइफल और ग्रेनेड मिले हैं। कुछ और संदिग्ध सामान भी बरामद हुआ है।

बिहार वोटर लिस्ट केस : सुप्रीम कोर्ट से एसआईआर पर डबल मौखिक राहत

निज संवाददाता | पटना

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को बिहार की मतदाता सूची के चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर लंबी सुनवाई नहीं हुई। कोर्ट ने मंगलवार को अगली सुनवाई और बहस की तारीख तय करने की बात कही है। कोर्ट ने आज मौखिक रूप से दो आदेश दिया है जो चुनाव आयोग और याचिका दायर करने वाले विपक्षी नेताओं के लिए राहत की बात है। सुप्रीम कोर्ट ने 1 अगस्त को मतदाता सूची का मसौदा (ड्राफ्ट वोटर लिस्ट) जारी करने पर रोक नहीं लगाई है जो आयोग के लिए राहत की बात है। एक पक्षकार ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का प्रकाशन रोकने की अपील की लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर इस मांग को ठुकरा दिया कि अगर बहस के दौरान कोर्ट उनकी दलीलों से संतुष्ट होता है तो पूरी प्रक्रिया को भी रद्द कर सकता है। कोर्ट द्वारा ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर रोक नहीं लगाने से चुनाव आयोग वोटर लिस्ट रिवीजन का काम निर्धारित कार्यक्रम के तहत जारी रख सकता है।

सुप्रीम कोर्ट से दूसरी राहत याचिका दायर करने वाले विपक्षी नेताओं और दूसरे संगठनों को भी मिली है।

15 देशों के भिक्षु आएंगे बिहार

आज मुख्यमंत्री वैशाली में बुद्ध स्मृति स्तूप का करेंगे उद्घाटन

निज संवाददाता | पटना

बिहार के ऐतिहासिक जिले वैशाली में बौद्ध धर्म की विरासत को सहेजते हुए एक भव्य 'बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप' का निर्माण पूरा हो चुका है। आज सीएम नीतीश कुमार इसके लोकार्पण समारोह में शामिल होंगे। इस मौके पर दुनियाभर से 15 देशों के बौद्ध भिक्षु और अनुयायी वैशाली पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर लिखा यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप, वैशाली का आज लोकार्पण होने जा रहा है। इस लोकार्पण समारोह में दुनिया भर के करीब 15 देशों के बौद्ध धर्मावलंबी और बौद्ध भिक्षु बिहार आ रहे हैं।

इस स्तूप के पहले तल पर भगवान बुद्ध का पावन अस्थि कलश प्रतिष्ठापित किया गया है, जो वैशाली के प्राचीन मड स्तूप से उत्खनन के दौरान प्राप्त हुआ था।

विधायकों की अनुशंसित योजनाओं में खर्च की मॉनिटरिंग हुई और सख्त

अब 60 प्रतिशत राशि खर्च और हिसाब देने के बाद ही शेष राशि होगी जारी

निज संवाददाता | पटना

माननीयों की अनुशंसित योजनाओं की मानिटरिंग और कड़ी कर दी गयी है। पहले दी गयी राशि का हिसाब देने का बाद ही आगे की राशि मिलेगी। योजना एवं विकास विभाग ने इस संबंध में निर्देश भी जारी किया है। इसके दतह पहले दी गयी 60 फीसदी राशि खर्च करनी होगी और उनका विधिवत रूप से हिसाब भी देना होगा। इसके बाद ही शेष 40 फीसदी राशि दी जाएगी। विभाग के अनुसार मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के लिए मानक तय किया गया है। इसके तहत पहले विधायकों की अनुशंसित योजना के लिए तय प्राक्कलन के आधार पर जो राशि मिवेगी उसे खर्च करना है।

जब 60 फीसदी राशि खर्च कर ली जाएगी और उसका उपयोगिता प्रमाण पत्र दिया जाएगा तब शेष राशि जारी की जाएगी। दरअसल, विभाग को यह जानकारी मिली थी कि पूरी राशि मिलने के बाद भी वह खर्च नहीं होती। न ही उनका उपयोगिता प्रमाण पत्र मिलता है। इससे योजनाएं आधी-अधूरी रह जाती है। यही नहीं उनके पूरा होने में बेवजह काफी समय भी लगता है।

पिछले दिनों 55 शहरों की योजना को मिली है मंजूरी

पिछले दिनों राज्य सरकार ने 55 शहरों में बुनियादी नागरिक सुविधा से जुड़ी योजनाओं को हरी झंडी दे दी है। इसके लिए योजना एवं विकास विभाग ने 320 करोड़ की योजना मंजूर की है। यह राशि वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित की गयी है। इसके साथ ही चयनित शहरों में बुनियादी सुविधाओं के विकसित होने का रास्ता साफ हो गया है। इन शहरों में छोटी सड़कें, नाले, फुटपाथ, पार्क, सामुदायिक भवन, गली-मोहल्ले की सड़कों, पेयजल योजना समेत बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा।

वैश्य समाज के देव पूजन महाकुंभ की तैयारी, 24 अगस्त को महाराजा घाट मैदान में होगा आयोजन

निज संवाददाता | पटना

पटना सिटी चौक स्थित भामाशाह भवन परिसर में वैश्य की तीस उपजातियां के प्रतिनिधियों की बैठक डॉ अजय प्रकाश की अध्यक्षता में हुई, वैश्य समाज के महानविभूति जिनके द्वारा समाज के उत्थान में अतुलनीय कार्य किया गया साथ ही कई आराध्य देव हैं जिनकी पूजा वैश्य समाज के द्वारा की जाती है, वैसे देव के पूजन का कार्यक्रम का आयोजन 24 अगस्त को महाराजा घाट मैदान, पटना सिटी में सामूहिक रूप से आयोजित करने का निर्णय बैठक में सर्वसम्मति लिया गया।

बैठक के अध्यक्षता करते हुए डॉ अजय प्रकाश ने बताया कि पूजन कार्यक्रम विहंगम होगा ।कई उपजातियां की आयोजन समिति गठित कर ली गई है , आज इस पूजन महाकुंभ के प्रसार हेतु स्टिकर का विमोचन भी किया गया। समस्त वैश्य समाज एक साथ मिलकर इस पूजन आयोजन में योगदान देते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजन करेंगे जैसे वैश्य देव पूजन, विभिन्न क्षेत्र में कार्य किए हुए समाजसेवी, शिक्षाविद, व्यवसायी को सम्मानित किया जाएगा। वैश्य समाज के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति होगी , प्रसाद स्वरूप विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा। बैठक को विकास कुमार मौड़ीवाल, शिव प्रसाद मोदी, मुकेश नंदन, राकेश कुमार, शशिशेखर रस्तोगी, लल्लू शर्मा, सुनंदा केशरी, वासुदेव पंकज, रत्नेष कुमार, मनीष कुमार, विनोद किसलय, संतोष गुप्ता ने भी संबोधित किया। नवीन रस्तोगी, मनीष कांस्यकार, अजय कुमार शाह, राजू गुप्ता, सर्व प्रकाश ,विकास कुमार गुप्ता, लव कुमार गुप्ता, संजय केशरी, भारती अखिल, मनोज कुमार, मोहित कुमार मौड़ीवाल, बब्लू कुमार, विशाल गुप्ता, मुन्ना जायसवाल, कृष कुमार मौड़ीवाल आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

बिहार के पांच प्रतिशत लोग हेपटाइटिस बी और सी से पीड़ित

पटना (नि.सं.)। बिहार की जनसंख्या का लगभग पांच प्रतिशत आबादी हेपेटाइटिस बी और सी से ग्रस्त है। वहीं देश में लगभग 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी और लगभग 60 लाख से एक करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी बीमारी से ग्रस्त है। ये बातें सोमवार को इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) में गैस्ट्रो विभाग के प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार झा ने विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में कही। इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी बिहार-झारखंड चैप्टर के तहत गैस्ट्रो मेडिसिन विभाग में आयोजित हेपेटाइटिस जन-जागरूकता कार्यक्रम और हेपेटाइटिस बी एवं सी की मुफ्त जांच शिविर में उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन द्वारा हेपेटाइटिस बी को प्रभावी तरीके से कंट्रोल किया जा सकता है।

एलआईसी और ग्रामीण मंत्रालय में बीमा सखी योजना को लेकर समझौता

एजेंसी | मुंबई

ग्रामीण भारत की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने और बीमा क्षेत्र में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण विकास विभाग के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता गोवा में 8 से 10 जुलाई 2025 के बीच आयोजित राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन सम्मेलन 'अनुभूति' के दौरान हुआ।

बीमा सखी योजना, खास तौर पर ग्रामीण इलाकों की महिलाओं को बीमा एजेंसी क्षेत्र में बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को न केवल एलआईसी एजेंसी करियर की शुरुआत करने का मौका मिलेगा, बल्कि उन्हें एलआईसी एजेंट के रूप में सभी विशेष लाभ और सुविधाएं भी प्राप्त होंगी। योजना के तहत बीमा सखी एजेंटों को पहले वर्ष में 7000, दूसरे वर्ष में 6000 और तीसरे वर्ष में 5000 प्रतिमाह वजीफा प्रदान किया जाएगा। ये सुविधाएं कुछ नियमों और शर्तों के अधीन होंगी। इसका उद्देश्य महिलाओं को दीर्घकालिक वित्तीय स्वतंत्रता दिलाना और ग्रामीण उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है। यह समझौता दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों की घरेलू आय में सुधार लाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। बीमा सखी योजना इसी दिशा में एक बड़ा कदम है, जिससे न केवल महिलाओं को सशक्त किया जा सकेगा बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

मारपीट में जख्मी वृद्ध की हुई मौत, 10 नामजद

वजीरगंज। वजीरगंज थाना अंतर्गत तरवां के टिपौ व भलुआही के दो पक्षों के बीच मारपीट में एक घायल की मौत शनिवार की देर रात एएनएमसीएच में इलाज के दौरान हो गई। थानाध्यक्ष वेंकटेश्वर ओझा ने बताया कि मृतक के परिजन फिरोज खान के बयान पर 10 नामजद सहित अन्य के विरूद्ध मारपीट व हत्या का मामला दर्ज किया गया है। त्वरित कार्रवाई में तीन लोगों को पूछताछ के लिए थाना लाया गया है, उनकी संलिप्तता होने पर गिरफ्तार कर जेल भेजा जायगा। भलुआही निवासी मृतक के परिजन अफताब खान ने बताया कि साजिश के तहत घटना को अंजाम दिया गया है।

नहा रहे युवक की डूबने से मौत

बिहारशरीफ| चंडी थाना अंतर्गत गिलानीचक गांव में शनिवार की शाम पानी भरे पईन में नहा रहे युवक की डूबकर मौत हो गई। मृतक स्व. केदार मांझी के 30 वर्षीय पुत्र अजय मांझी हैं। परिवार ने बताया कि शाम में युवक नहाने के लिए पईन की ओर गया था। देर तक नहीं लौटने पर उसकी खोजबीन की जाने लगी। उसी दौरान पईन किनारे युवक का गमछा मिला। जिसके बाद पईन में उसकी तलाश की जाने लगी। उसी दौरान युवक की लाश मिली। अंदेशा है कि नहाने के दौरान डूबकर युवक की जान गई। थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार के हवाले कर दिया गया।

यूजीसी नेट में नालंदा कॉलेज के 5 छात्रों को मिली सफलता

बिहारशरीफ। देश के विश्वविद्यालयों में शोध और प्रोफेसर नियुक्ति पात्रता के लिए आयोजित प्रतिष्ठित यूजीसी नेट परीक्षा में नालंदा कॉलेज के पांच छात्रों ने सफलता हासिल कर कॉलेज और जिले का नाम रोशन किया है। एनटीए द्वारा आयोजित इस परीक्षा में राजनीति विज्ञान विषय से अंकित कुमार और अभिषेक कुमार ने असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए योग्यता प्राप्त की है। हिंदी विषय से प्रिंस कुमार ने असिस्टेंट प्रोफेसर की पात्रता हासिल की है। वहीं, खुशबू कुमारी (हिंदी) और रोशनी कुमारी (भूगोल) ने पीएचडी प्रवेश के लिए क्वालीफाई किया है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आरपी. कच्छवे ने छात्रों की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल नालंदा कॉलेज ही नहीं, बल्कि पूरे नालंदा जिला और पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि इतने अधिक छात्र देश की प्रतिष्ठित परीक्षा में सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज के शिक्षक छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को संवारने में लगातार मेहनत कर रहे हैं। आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. बिनीत लाल ने कहा कि पीजी छात्रों के लिए नेट परीक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि इसके माध्यम से वे देश के किसी भी विश्वविद्यालय में शिक्षक बनने की पात्रता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, अब पीएचडी प्रवेश के लिए भी इसका क्वालीफाई होना आवश्यक है। नेट उत्तीर्ण करने वाले छात्र केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न एजेंसियों से मिलने वाली फेलोशिप के भी पात्र हो जाते हैं। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. चंपा कुमारी, डॉ. श्याम सुंदर प्रसाद, राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ. श्रवण कुमार, डॉ. जगमोहन, डॉ. राहुल, भूगोल विभाग की डॉ. भावना, डॉ. प्रीति रानी, डॉ. मो. अली, डॉ. रामानुज चौधरी, शिक्षक संघ की अध्यक्ष डॉ. मंजु कुमारी और सचिव डॉ. रत्नेश ने सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

निःशुल्क 228 मरीजों की जांच

बिहारशरीफ। रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित किया जा रहा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर गरीब और असहाय लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है। शहर के प्रख्यात चिकित्सक यहां निःशुल्क इलाज और दवाओं की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। समाज सेवा की भावना रखने वाले नए चिकित्सक भी इस शिविर से जुड़कर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। रविवार को आयोजित शिविर में कुल 228 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें मुफ्त में दवाएं उपलब्ध कराई गईं। इस सप्ताह शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज कुमार द्वारा 43 बच्चों का इलाज किया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव कुमार सिंह ने 85 मरीजों की जांच की। हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ. सुबोध कुमार ने 31 मरीजों को देखा।फिजिशियन डॉ. इंद्रजीत कुमार, डॉ. अखिलेश, डॉ. दीनानाथ वर्मा और डॉ. वीरेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से 75 मरीजों का इलाज किया। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि कुमार ने 19 मरीजों का उपचार किया। इसके अलावा, होम्योपैथिक चिकित्सा में डॉ. गौतम कुमार ने 43 लोगों का इलाज किया। शिविर में 24 लोगों की मधुमेह की जांच भी की गई।शिविर को सफल बनाने में सोसाइटी के सचिव राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष अरविंद पंडित, कार्यकारिणी सदस्य मनोज कुमार, मो. अखलाक अहमद, चंद्रमणि प्रसाद, बृज बिहारी प्रसाद, राकेश कुमार पंकज, दिनेश कुमार, रवि भूषण और संजय कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अब तक 25 यूनिट रक्त किया दान

बिहारशरीफ। बिहारशरीफ सरकारी संस्थान में काम के साथ-साथ सामाजिक कार्य में रुचि रखने वाले बहुत कम लोग मिलते हैं। जिला बाल संरक्षण इकाई में आउट रिच वर्कर के रूप में काम कर रहे प्रेम प्रकाश ने सरकारी जिम्मेवारी का निर्वह्न करने के साथ-साथ कई अनाथ बच्चों को रक्तदान कर नयी जिंदगी देने का काम किया है। उन्होंने बताया कि करीब 20 साल से रक्तदान करते आ रहे हैं। अब तक 25 यूनिट रक्तदान कर चुके हैं। 15 अनाथ बच्चों को रक्त दिया है। साल में तीन-चार बार रक्तदान करने का कोई न कोई अवसर मिलता है। बीच में किसी जरूरतमंद की आवश्यकता होती है तो अस्पताल जाकर भी दे देते हैं। वे बताते हैं कि पहले रक्त देने में काफी डर लगता था। एक दिन स्थानीय कोल्ड स्टोरेज के मुंशी को रक्त की बहुत ही जरूरत थी। कोई देने वाला नहीं मिल रहा था। कई लोगों ने हिम्मत बढ़ाया। इसके बाद हमने रक्तदान किया। रक्त देने के बाद खुद को काफी तरोताजा महसूस किया। उसी समय से समाज सेवा की भावना जागी और जरूरतमंद लोगों को रक्तदान करने लगे। उन्होंने बताया कि यूनिसेफ, डब्लूएचओ, जननी, मदर टेरेसा नेशल ड्रग यूजेस सर्विसेज, केयर इंडिया एवं बिल गेट्स मिलिंडा फाउंडेशन जैसे संस्थाओं में काम कर चुके हैं। कई पुरस्कार भी मिले हैं।

वेतन विसंगतियों की सुधार की उठी मांग

बिहारशरीफ| बिहार अनुसचिवीय कर्मचारी संघ, जिला शाखा नालंदा की सामान्य परिषद की बैठक जिला महासंघ कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार ने की। उन्होंने कहा कि अनुसचिवीय कर्मचारियों के वेतनमान में काफी विसंगतियां हैं, जिनका जल्द समाधान आवश्यक है।बैठक में बताया गया कि संघ की राज्य कार्यकारिणी के निर्णय के अनुसार 6 अगस्त को गर्दनीबाग, पटना में राज्य स्तरीय महाधरना आयोजित किया जाएगा। संघ के जिला मंत्री अरविंद कुमार ने कहा कि इंटरमीडिएट योग्यता वाले लिपिकों को उनके मूल कोटि के पद के अनुसार 2800 ग्रेड पे, लेवल-5 का वेतनमान प्रदान किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि संवर्गीय प्रोन्नति संरचना को लेकर नई संवर्ग नियमावली का गठन होना चाहिए। संघ की ओर से 9 सूत्री मांग का ज्ञापन राज्य सरकार को सौंपा जा चुका है। बैठक में संजय कुमार, राजकुमार प्रसाद, गजेन्द्र कुमार, सोमनाथ, सिकंदर बाबू, निशांत कुमार पांडे, सुनील कुमार, प्रणीत कुमार, विकास कुमार पटेल, अजीत मौजूद थे।

वर्णवाल समाज ने किया सावन महोत्सव का आयोजन

वजीरगंज। वर्णवाल महिला समूह ने रविवार को वर्णवाल धर्मशाला में सावन मिलन समारोह मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत केक काटकर हुई। महिलाओं ने एक-दूसरे को सावन की बधाई दी। मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता, कुर्सी दौड़, पीलो गेम्स, गीत-संगीत और नृत्य से माहौल खुशनुमा रहा। सरिता वर्णवाल और खुशबु वर्णवाल ने बताया, सावन में हरे रंग का खास महत्व होता है। वजीरगंज में तीसरी बार यह आयोजन हुआ। सभी महिलाएं हरे रंग की साड़ी, चूड़ियां और श्रृंगार में शामिल हुईं। आयोजन का उद्देश्य समाज की महिलाओं को एकजुट करना है। इससे संगठन मजबूत होगा और समाज के विकास की दिशा में सोचा जा सकेगा।

नालंदा में जिलास्तरीय मशाल प्रतियोगिता की तैयारी शुरू

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिले के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए बिहार प्रतिभा खेल पहचान-मशाल कार्यक्रम का जिलास्तरीय चरण 8 से 13 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर संबंधित विभागों में हलचल तेज हो गई है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत पहले से ही विद्यालय, संकुल और प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी है। अब इसके अगले चरण के रूप में जिलास्तरीय मशाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है।

व्यापक तैयारी की शुरुआतः खेल विभाग के संयुक्त सचिव निरंजन कुमार ने जिलाधिकारी कुंदन कुमार को भेजे गए पत्र में निर्धारित अवधि में प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु तत्काल तैयारी शुरू करने का अनुरोध किया है। जिला प्रशासन इस दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। मशाल प्रतियोगिता में अंडर-14 और अंडर-16 श्रेणी के प्रतिभावान बालक-बालिकाओं के बीच पांच प्रमुख खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा होगी। इनमें एथलेटिक्स, साइकिलिंग, कबड्डी, फुटबॉल और वॉलीबॉल शामिल हैं। यह आयोजन जिला शिक्षा और खेल विभाग के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है।

बड़ी संख्या में खिलाड़ी होंगे शामिलः इइस जिलास्तरीय प्रतियोगिता की सबसे खास बात यह है कि इसमें जिले के सभी प्रखंडों से चुनकर आए 77 विजेता खिलाड़ी प्रत्येक विधा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस प्रकार कुल मिलाकर 1540 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जो इसे एक भव्य आयोजन बनाता है। प्रतियोगिता न केवल खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने का मंच है, बल्कि अगले स्तर तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों की पहचान का भी महत्वपूर्ण साधन है। विजेता खिलाड़ियों को उचित सम्मान देकर उनका हौसला बढ़ाया जाएगा।

खिलाड़ियों को मिल रहा उत्साहवर्धनः प्रतियोगिता की बेहतर व्यवस्था के लिए संकुल के व्यवस्थापक और समन्वयकों द्वारा सभी खिलाड़ियों को टी-शर्ट उपलब्ध कराई गई है। पूर्व में आयोजित प्रखंडस्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को अधिकारियों द्वारा नकद राशि, प्रशस्ति पत्र, मेडल और मिठाई देकर सम्मानित किया गया था, जिससे खिलाड़ियों में भारी उत्साह देखा गया है।

भगवान बुद्ध ने वैशाली में दिया अंतिम उपदेश "अपना प्रकाश स्वयं बनो'

निज संवाददाता। गयाजी

अप्प दीपो भव अर्थात अपना प्रकाश स्वयं बनो। यह गौतम बुद्ध के अंतिम शब्दों में से एक है, जिसका अर्थ है, व्यक्ति को अपनी मुक्ति और ज्ञान के लिए खुद पर निर्भर रहना चाहिए, दूसरों पर नहीं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर की क्षमता को पहचानना चाहिए और अपने जीवन के मार्गदर्शक स्वयं बनना चाहिए। बोधगया मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के वरीय भिक्षु डॉ मनोज ने उक्त बातें कही। उन्होंने दैनिक भास्कर से बात करते हुए, वैशाली में नवनिर्मित बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मारक स्तूप के उद्घाटन से पूर्व उसके महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध का अंतिम उपदेश महापरिनिर्वाण सुत्त का उपदेश इसी स्थल पर दिया था, जिस दौरान उन्होंने भिक्षुओं को अप्प दीपो भव कहा। वस्तुतः यह एक शक्तिशाली संदेश है, जो हमें आत्मनिर्भरता, आत्म-जागरूकता और आत्म-जिम्मेदारी की ओर प्रेरित करता है। यह हमें सिखाता है कि हमें अपने जीवन की जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए और अपने कर्मों के लिए खुद ही जिम्मेदार होना चाहिए। हमें अपने जीवन के प्रकाशक स्वयं बनना चाहिए और अपने स्वयं के ज्ञान और समझ के अनुसार कार्य करना चाहिए। मेरी शिक्षा ही मार्गदर्शक है महापरिनिब्बाण सुत्त या महापरिनिर्वाण सूत्र थेरवाद बौद्ध ग्रंथ त्रिपिटक के सुत्तपिटक का प्रथम निकाय दीघनिकाय का 16वां सूत्र है। यह महात्मा बुद्ध के महापरिनिर्वाण से सम्बन्धित है और त्रिपिटक का सबसे लम्बा सूत्र है। अपने विस्तृत विवरण के कारण इसे भगवान बुद्ध की मृत्यु के बारे में जानकारी का प्राथमिक स्रोत माना जाता है। इसे उन्होंने अपने चचेरे भाई व उनके 10 प्रमुख शिष्यों में एक आनंद को संबोधित करते हुए दिया।

बोधगया में विजय दिवस के मौके पर एसएसबी ने निकाली साइकिल रैली

निज संवाददाता। गयाजी

विजय दिवस के शुभ अवसर पर सशस्त्र सीमा बल की 29वीं वाहिनी और क्षेत्रीय मुख्यालय (विशेष प्रकल्प), गया के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को एक उत्साहजनक और प्रेरणास्पद साइकिल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली 29वीं वाहिनी के मुख्यालय धनावां से प्रारंभ होकर दोमुहान, बोधगया तक आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने लगभग 8 किलोमीटर की दूरी तय की। इस आयोजन का उद्देश्य केवल वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना ही नहीं था, बल्कि फिट इंडिया मिशन के तहत आम लोगों में स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलाना भी था। देशभक्ति और स्वास्थ्य को एक साथ जोड़कर इस आयोजन ने एक प्रेरणादायक संदेश दिया। रैली का उद्घाटन 29वीं वाहिनी के कमांडेंट श्री मधुकर अमिताभ ने झंडी दिखाकर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमारे वीर शहीदों की कुर्बानी को कभी नहीं भुलाया जा सकता। यह रैली उनके साहस और त्याग को नमन है, साथ ही समाज में स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूकता फैलाने का माध्यम भी। इस रैली में क्षेत्रीय मुख्यालय (विशेष प्रकल्प) के द्वितीय कमान अधिकारी अंजय रजक, 29वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी रविशंकर कुमार, अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में एसएसबी कर्मियों ने भाग लिया।

गोबर, पत्तियों से खाद बनाकर 4 एकड़ में जैविक खेती

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा के किसान सत्यम गोबर, पत्तियों और घरेलू खाद्य अपशिष्ट से हर महीने 15 क्विंटल जैविक खाद का उत्पादन कर रहे हैं। उनका कहना है कि घर पर ही जैविक खाद बनाकर बाजार के उर्वरक और कीटनाशक पर निर्भरता खत्म कर ली है। घरेलू खाद के जरिए ही सत्यम चार एकड़ के खेत में जैविक खेती कर रहे हैं। साथ ही गोबर गैस का यूज कर सलाना 18 हजार रुपए की बिजली की बचत भी कर रहे हैं। नालंदा जिले के बिहारशरीफ प्रखंड के दीपनगर गांव के रहने वाले किसान सत्यम का कहना है कि खेती-किसानी में बढ़ती लागत के कारण कई किसान परेशान हैं और दूसरे कारोबार या काम धंधे की ओर देख रहे हैं। वे कहते हैं कि खेती किसानी में जो लागत आती है, उसमें एक बड़ा हिस्सा रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों का होता है। इनकी बेहिसाब कीमत कृषि की लागत खर्च को बढ़ा देती है। हालांकि, किसानों के पास एक विकल्प जैविक खेती का होता है, पर जानकारी के अभाव में किसान इसे अपनाना रिस्क समझते हैं। ऐसे में सत्यम कुमार पूरी तरह जैविक खेती करके किसानों को नई राह दिखा रहे हैं। वे अपनी खेती के लिए जिस जैविक खाद का प्रयोग करते हैं उसमें उनकी लागत शून्य आती है, क्योंकि वह घरेलू उपलब्ध सामग्रियों से ही जैविक खाद बनाते हैं और अपनी 4 एकड़ खेती में उसका प्रयोग करते हैं।

जैविक खाद बनाने के तरीकों को समझने नालंदा के किसान सत्यम के पास आ रहे हैंः कृषि क्षेत्र में सत्यम के इस नए इनोवेशन का फायदा अन्य किसानों को भी मिल रहा है। दीपनगर और आसपास के कई किसान उनसे जैविक खाद बनाने की विधि सीखने आ रहे हैं और जैविक खेती में उसका यूज भी कर रहे हैं। सत्यम घरेलू खाद्य अपशिष्ट और पेड़-पौधों की पत्तियों से जैविक खाद और कीटनाशक दवा तैयार कर करीब चार एकड़ में पूरी तरह से जैविक खेती कर रहे हैं। खाद और कीटनाशक दवा के लिए वे बाजार पर निर्भर नहीं हैं।

गोबर से ढाई माह में तैयार हो जाता है वर्मी कंपोस्टः एक पिट में लगभग डेढ़ क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने के लिए 200 किलो गोबर, सब्जी का लत्तर और 3-4 किलो केंचुआ डालकर ढाई महीने तक छोड़ देते हैं। इसके बाद खाद तैयार हो जाती है। इसका प्रयोग अपने खेत में तो करते ही हैं, बागवानी करने वाले दूसरे लोग भी खरीदकर ले जाते हैं। जैविक खेती की वजह से मिट्टी की पहले के मुकाबले उर्वरा शक्ति बढ़ी है। वे जैविक खाद तैयार करने के साथ-साथ कीटनाशक दवा भी तैयार करते हैं। सत्यम बताते हैं कि नीम की पत्ती, गोमूत्र, मट्ठा जैसी घरेलू सामग्री से कीटनाशक दवा बनती है। 5 किलो नीम के पत्तों को एक लीटर पानी में मिलाकर गर्म करते हैं। जब पानी सूखकर 250 ग्राम बच जाता है तो उसमें एक लीटर पानी मिलाकर उसे पौधों पर छिड़काव करने से कीड़े नहीं लगते। इससे पौधा भी स्वस्थ होता है। सत्यम ने बताया कि वे गोबर गैस भी तैयार कर रहे हैं। जिसका प्रयोग खाना बनाने में होता है। गोबर गैस से लगभग 18000 रुपए की सालाना बचत होती है। इसके अलावा जो गोबर का अवशिष्ट बच जाता है उसे खाद बनाने में प्रयोग कर लेते हैं। जैविक खाद बनाने में पशुपालन से मदद मिलती है।

1 एकड़ में बागवानी, उसमें मधुमक्खी पालन भीः सत्यम करीब 1 एकड़ में बागवानी कर रहे हैं। आम, अमरूद, नाशपाती, नींबू जैसे कई उद्यानिकी पौधे उन्होंने लगा रखे हैं। इसी के साथ उन्होंने बागीचे में ही मधुमक्खी पालन भी किया है, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 1500 किलो शहद तैयार होता है। इससे करीब 50-60 हजार की आमदनी हो जाती है।

फतेहपुर के कांटी विद्यालय में वन महोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

निज संवाददाता। गयाजी

पेड़-पौधा हमारे जीवन की अति महत्वपूर्ण व प्रमुख जीवनदायनी है। इसके बिना जीवन की परिकल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए सभी अपनी मां और बच्चों की तरह पेड़-पौधों की सेवा व रक्षा करें। फतेहपुर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार सिंह ने प्रखंड के कांटी मध्य विद्यालय व कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में रविवार को वन विभाग की ओर से आयोजित 76 वां वन महोत्सव कार्यक्रम में यह बातें कही। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय आयोजन है। इसका उद्देश्य वृक्षारोपण और वनस्पति वृक्षों के संरक्षण को बढ़ावा देना है। उन्होंने सभी से कम से पांच पौधे लगाने की अपील की है। गुरपा वन प्रक्षेत्र के रेंजर ऑफिसर रजनीश कुमार ने वन महोत्सव के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वृक्षारोपण और वनस्पति वृक्षों के संरक्षण से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। वन महोत्सव के माध्यम से लोगों में वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाई जाती है। एसटीएफ थानाध्यक्ष राकेश कुमार, मुखिया अभय यादव, सेवानिवृत प्रधानाध्यापक हरिहर सिंह, अवध किशोर सिंह व स्कूल प्रभारी अरुणेश कुमार ने भी छात्रों से पेड़ लगाने और उसके संरक्षण करने के प्रति जागरूक किया।

पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्पः इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को लेकर स्कूल परिसर में एक सौ फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। साथ ही उसके संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम में कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन, वन विभाग के कर्मी सहित स्कूल के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ आसपास के ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बिहार खेल विश्वविद्यालय का पहला शैक्षणिक सत्र

♦ फर्स्ट बैच में 22 मेधावी छात्रों का चयन, एथलेटिक्स में 15 और क्रिकेट में 7 स्टूडेंट

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार के खेल जगत के लिए आज का दिन ऐतिहासिक होगा। राजगीर स्थित बिहार खेल विश्वविद्यालय का पहला शैक्षणिक सत्र भव्य उन्मुखीकरण कार्यक्रम के साथ आरंभ होगा। यह क्षण न केवल विश्वविद्यालय के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा, बल्कि यह राज्य की खेल शिक्षा व्यवस्था में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक भी है। इस शुभ अवसर पर खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता और ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार समेत स्थानीय सांसद मौजूद रहेंगे।

पहले बैच में 22 मेधावी छात्रों का चयनः विश्वविद्यालय के पहले शैक्षणिक सत्र में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स कोचिंग के तहत दो विषयों में कुल 22 मेधावी अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। एथलेटिक्स में 15 और क्रिकेट में 7 छात्रों को प्रवेश मिला है। यह चयन प्रक्रिया कड़े मापदंडों और योग्यता के आधार पर की गई है।

प्रतिभावान युवाओं को मिला मौकाः एथलेटिक्स कोचिंग में चयनित छात्र में संजय रॉय, विजय कुमार, बाबर अली खान, अरुण मोदी, कुंवर सिंह, अभिषेक कुमार, विभास कुमार, सोनी कुमार, अरुण कुमार बिंद, रिधि गांधी, हरेंद्र कुमार, शशि भूषण, अविनाश सिंह, एम.डी. हारून और कोमल कुमारी जैसे प्रतिभावान युवाओं को इस कोर्स में स्थान मिला है। क्रिकेट कोचिंग के लिए चुने गए छात्र में राज लक्ष्मी, अनिकेत कुमार, नित्यानंद सिंह, हृदयानंद सिंह, बरुण राज, बलजीत सिंह बिहारी और विकास शर्मा ने क्रिकेट कोचिंग में अपनी जगह बनाई है।

कुलपति छात्रों को करेंगे संबोधितः कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर शिशिर सिन्हा नव नामांकित छात्रों को संबोधित करेंगे। उनके द्वारा विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्यों, दृष्टिकोण और खेल क्षेत्र में करियर की संभावनाओं पर प्रकाश डाला जाएगा। कुल सचिव रजनीकांत कार्यक्रम की रूपरेखा और प्रशासनिक पहलुओं से उपस्थित लोगों को अवगत कराएंगे।

सावन ऑफर के तहत सोने, चांदी व हीरे के आभूषणों में मेकिंग चार्ज पर 30 % छूट

निज संवाददाता। नालंदा

शहर के चौक बाजार स्थित मुन्नालाल महेशलाल आर्या ज्वेलर्स प्रा. लिमिटेड इन दिनों ग्राहकों की पहली पसंद बन गया है। विगत 30 अप्रैल से चल रहे लक्की ड्रा ने प्रतिष्ठान और ग्राहकों के बीच बेहतर संबंध बनाने का कार्य किया है। इस बार सावन ऑफर की शुरुआत की गई है, जो एक महीने तक चलेगा। प्रतिष्ठान के निदेशक सुभाष कुमार ने बताया कि लक्की ड्रा पूरे एक साल तक चलेगा और इस बीच समय-समय पर नए ऑफर दिए जा रहे हैं।सावन उत्सव ऑफर के तहत सोने, चांदी और हीरे के आभूषणों में मेकिंग चार्ज पर 30 प्रतिशत की सीधी छूट दी जा रही है। यह ऑफर रक्षा बंधन तक जारी रहेगा। रक्षा बंधन को ध्यान में रखते हुए 300 रुपये से शुरू होने वाली एक से बढ़कर एक फैंसी राखियां भी उपलब्ध कराई गई हैं। निदेशक सुभाष कुमार ने कहा कि सोना खरीदने का सही अवसर है क्योंकि दाम में वृद्धि की संभावना है। **91 ग्राहकों को उपहारः** निदेशक ने बताया कि लक्की ड्रा के माध्यम से विगत 88 दिनों में 91 ग्राहकों को उपहार दिए गए हैं, जिनमें स्मार्ट वॉच, वॉशिंग मशीन और मिक्सर ग्राइंडर शामिल हैं।

गयाजी में मनाया गया सावन महोत्सव

♦ पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य की हुई प्रस्तुति, सैकड़ों महिलाओं ने लिया भाग

निज संवाददाता। गयाजी

गया शहर के धर्मसभा भवन में रविवार को तैलिक साहू समाज की ओर से सावन महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया। पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य के बीच पूरा माहौल हरियाली और उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। सभी महिलाओं ने एक-दूसरे से खुलकर बातें भी कीं। साथ अपने बच्चों को सांस्कृतिक प्रस्तुति में मदद की। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा और सांस्कृतिक प्रस्तुति से हुई। समाज की महिलाओं ने सबसे पहले पारंपरिक लोकगीतों से महोत्सव का शुभारंभ किया। महिलाओं ने सावन के गीतों पर जमकर ठुमके लगाए। बच्चों ने भी नृत्य व समूह गीतों से सबका मन मोह लिया। तैलिक साहू सभा की प्रदेश महिला अध्यक्ष ने कहा कि गयाजी की पुण्य भूमि पर यह महोत्सव सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, समाज को जोड़ने की एक कोशिश है। जब समाज एकजुट होगा, तभी देश आगे बढ़ेगा। इस काम मे समाज की महिलाएं हर सम्भव योगदान दे रही हैं।

सावन महोत्सव पूरे बिहार में मनाया जा रहाः उन्होंने बताया कि सावन महोत्सव पूरे बिहार में महिला इकाइयों की ओर से मनाया जा रहा है। इसके जरिए महिलाओं को मंच, सम्मान और सामाजिक भागीदारी मिल रही है। ताकि वे आगे बढ़ सकें। जिला अध्यक्ष अजय साव और महिला जिला अध्यक्ष पुष्पा गुप्ता ने बताया कि गया जिले के सभी 24 प्रखंडों से महिलाएं, बच्चे और युवा इस कार्यक्रम में शामिल हुए। समाज की एकता और संस्कृति को संजोने के लिए यह प्रयास लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सावन हरियाली और सकारात्मकता का प्रतीक है। इसी सोच के साथ तैलिक समाज यह संदेश देना चाहता है कि हमारा समाज हरा-भरा हो, हमारा देश हरा-भरा हो।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

चरपुरवा में चाकूबाजी की घटना, आरोपी गिरफ्तार

संझौली (रोहतास) संझौली थाना क्षेत्र के चरपुरवा गांव में रास्ते में गाय बांधने व खोलने को लेकर हुए विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया । इसी दौरान भोईक सिंह ने धीरज कुमार पर चाकू से हमला कर दिया,जिससे धीरज गंभीर रूप से घायल हो गए । जख्मी धीरज कुमार का इलाज बिक्रमगंज शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है । घटना की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड संख्या 145/25 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी भोईक सिंह (पिता शिवाधार सिंह) को गिरफ्तार कर लिया । संझौली थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने बताया कि जांच के उपरांत आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है ।

मोरौना गांव में मारपीट के दो मामलों में बिक्रमगंज पुलिस की कार्रवाई,चार अभियुक्त गिरफ्तार

बिक्रमगंज । रोहतास : थाना क्षेत्र के मोरौना गांव में हुए मारपीट के मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों से दो-दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है । जानकारी के अनुसार कांड संख्या 510/25 में अर्जुन सिंह और अक्षय कुमार को गिरफ्तार किया गया है,जबकि वहीं कांड संख्या 511/25 में विजय सिंह और घरभरन सिंह की गिरफ्तारी हुई है । गिरफ्तार सभी आरोपी मोरौना गांव के निवासी बताए जाते हैं । इसकी पुष्टि बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने की ।

पुलिस ने दो एनबीडब्ल्यू वारंटी को किया गिरफ्तार

बिक्रमगंज । रोहतास : पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो फरार एनबीडब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार कर लिया है । गिरफ्तार किए गए वारंटी की पहचान नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 14 आस्कामिनी नगर निवासी चंदन सेठ उर्फ चुन्नू सेठ और रवि कुमार के रूप में हुई है । दोनों के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट निर्गत था । इस संबंध में बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि फरार चल रहे दोनों वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है । गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए न्यायालय भेजा गया । पुलिस द्वारा लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत फरार वारंटियों की गिरफ्तारी की जा रही है,ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके ।

बिक्रमगंज के बिसेनिया बाल से 30 लीटर देसी शराब बरामद,कारोबारी फरार

बिक्रमगंज । रोहतास : पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के बिसेनिया बाल से 30 लीटर देसी शराब बरामद की है । हालांकि छापेमारी की भनक लगते ही कारोबारी मौके से फरार हो गया । इस संबंध में बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई की । फरार कारोबारी की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं । उन्होंने कहा कि इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है । पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है ताकि अवैध शराब कारोबार पर अंकुश लगाया जा सके ।

जलप्रपात पर पिकनिक मनाने के दौरान युवक को डुबने से हुई मौत

युवक का शव बरामद होने पर परिजन नहीं कराया पोस्टमार्टम

करगहर (रोहतास) जलप्रपात में पिकनिक और स्नान के दौरान करगहर थाना क्षेत्र के हमीरपुर निवासी उन्नीस वर्षीय युवक सामर्थ कुमार राय की रविवार को डूबने से मौत हो गई । पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया । जहां परिजनों में पोस्टमार्टम से इनकार कर शव ले गए।घटना के संबंध में बताया जाता है कि हमीरपुर निवासी कामाख्या राय का 19 वर्षीय पुत्र समर्थ कुमार राय गांव के दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने के लिए सिकरियां जलप्रपात पर गए थे । जहां स्नान के दौरान गहरे पानी में डुबने से उसकी मौत हो गई । पुलिस ने शव को बाहर निकाल पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा । जहां पोस्टमार्टम करने से परिजनों ने मन कर दिया । कागजी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें शव सुपुर्द कर दिया गया । घटना के बाद सोमवार को शव पहुंचते ही गांव में कोहराम मच गया । घटना को लेकर गांव में मातमी माहौल कायम है ।

बलिया से डेहरी ऑन सोन रेललाइन को मिल सकती है जल्द मंजूरी, रेल मंत्री ने दिए जांच के आदेश

डेहरी,(रोहतास) बलिया से डेहरी ऑन सोन तक रेल संपर्क की वर्षों पुरानी मांग अब साकार होने की दिशा में अग्रसर होती नजर आ रही है। बलिया डेहरी रेललाइन निर्माण संघर्ष समिति द्वारा बीते दो दशकों से की जा रही इस महत्वपूर्ण मांग पर अब केंद्र सरकार ने संज्ञान लिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस प्रस्तावित रेललाइन — बलिया–डुमरांव–विक्रमगंज - डेहरी ऑन सोन — के निर्माण की संभावना को लेकर संबंधित निदेशालय को जांच के निर्देश दे दिए हैं। वही संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष विकास कुमार ने जानकारी दी कि पिछले महीने समिति ने बलिया के सांसद सनातन पाण्डेय को ज्ञापन सौंपा था, जिसमें उन्होंने इस रेलमार्ग के सामाजिक, आर्थिक और क्षेत्रीय महत्व को रेखांकित किया था। इसके पश्चात सांसद श्री पाण्डेय ने रेल मंत्री को पत्र लिखकर इस परियोजना को तत्काल स्वीकृति देने की मांग की थी। सांसद ने पत्र में स्पष्ट किया था कि यह रेललाइन पूर्वांचल और मगध क्षेत्र के बीच एक मजबूत कड़ी स्थापित करेगी, जिससे न केवल यातायात सुलभ होगा, बल्कि क्षेत्र के व्यापार, शिक्षा और पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। जिसपर रेल मंत्री द्वारा निदेशालय को दिए गए जांच आदेश ने क्षेत्रवासियों के बीच एक नई उम्मीद जगा दी है। संघर्ष समिति के संस्थापक महासचिव उमेश गुप्ता रौनियार, अध्यक्ष अरविंद कुमार, तथा सदस्यों में विमलेश कुमार सिंह, कमलेश कुमार, राहुल ओझा, धीरज शर्मा और मोहन जायसवाल ने संयुक्त रूप से इस पहल पर खुशी जाहिर करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बलिया सांसद सनातन पाण्डेय के प्रति आभार व्यक्त किया है।वही उन्होंने विश्वास जताया कि यह रेललाइन न केवल बलिया और डेहरी के बीच आवागमन को सरल बनाएगी, बल्कि इससे पूरे बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। क्षेत्रीय विकास और रोजगार के अवसरों को भी इससे बढ़ावा मिलेगा। अब सबकी निगाहें रेल मंत्रालय द्वारा गठित निदेशालय की रिपोर्ट पर टिकी हैं। यदि यह रिपोर्ट सकारात्मक रही, तो बलिया–डेहरी ऑन सोन रेललाइन का सपना जल्द ही साकार हो सकता है — जो क्षेत्रवासियों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।

काराकाट पुलिस ने चलाया वाहन जांच

काराकाट । रविवार की देर रात्रि को थाना क्षेत्र अंतर्गत जमुआ पुल के पास काराकाट पुलिस ने थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार नेतृत्व में सघन वाहन जांच अभियान चलाया । इस दौरान बड़ी वाहन सहित बाइक की डिक्की इंश्योरेंस, प्रदूषण, ड्राइविग लाइसेंस, हेलमेट व ऑनरबुक की जांच की गई । यातायात नियम का उल्लंघन कर रहे वाहन चालकों को हिदायत देकर छोड़ा गया । वाहन चलाते समय चालकों को हेलमेट व सीटबेल्ट पहनने की अपील की गई । दूसरी ओर पुलिस टीम को देखते ही कई वाहन चालक दूर से ही बाइक घुमाकर भागते दिखे । थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि वरीय अधिकारियों के आदेश पर विधि- व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को देखते हुए वाहनों की सघन जांच की गई । जिसके तहत बड़ी और छोटी वाहनों को मिलाकर 26 हजार रूपये की जुर्माना वसूल की गई ।

विष रक्षक नाग देवता बकस बाबा की आज होगी पूजा

» राजपुर बकस बाबा का अपना एक अलग हीं है इतिहास

निज संवाददाता। राजपुर (रोहतास)

स्थानिय बजार के काव नदी तट स्थित विष रक्षक नाग देवता का बकस बाबा मंदिर मंगलवार को होने वाले वार्षिक पूजनोत्सव के लिए रंग-रोगन कर तैयार कर ली गई है.इस अवसर पर लगने वाले मेला के लिए दुकानदारों ने अपनी तैयारी एक दिन पहले हीं पुरा कर लिया है. याहां के बकस बाबा की मान्यता है,कि सर्प दंश समेत अन्य विषैले जन्तु एवं जानवरों के काटने पर नाग देवता के समक्ष आ पूजा पाठ एवं स्नान करने से राहत मिल जाता है.ऐसा कई मौकों पर पूर्व में देखा गया है.लेकिन अब ऐसे मामलों में झाड फूक के अलावा पिडित लोग चिकित्सा सुविधा का भी लाभ ले रहे हैं.

मंदिर का इतिहासः- मंदिर का इतिहास बताते हुए पुजारी श्याम किशोर पाठक एवं पूजा समन्वयक मेघा महतो ने कहा कि बक्सर जिला के गहमर गांव निवासी बकस सिंह आज से 66 साल पहले सिद्धि प्राप्त करने असाम राज्य स्थित कौड़ी-कामाक्षा गये थे.कौड़ी कामाख्या के बारे में पहले धारणा थी कि तंत्र मंत्र विद्या सीखने जाने वालों को वहां कि जादूगरनिया वशीकरण कर लेती थी. इसलिए बकस सिंह वहां जाने से पहले अपने गुरु से खुद के शरीर को लक्ष्मणरेखा में बांधने का मंत्र प्राप्त किया था.जिससे उन पर किसी के वशीकरण का प्रभुत्व न स्थापित हो सके.

गुरू ने रोकने का किया प्रयासः- कौडी कामाक्षा में सिद्धि प्राप्ति के उपरांत जब वे वापस घर लौटने लगे तो सिद्धि देने वाले गुरु ने हीं सबसे पहले बकस सिंह को अपने मंत्र के प्रभाव से रोकने का प्रयास किया.लेकिन बकस सिंह लक्ष्मणरेखा सिद्धि मंत्र के प्रभाव से उसे विफल कर कौड़ी कामाक्षा की सीमा से बाहर निकाल आए. पैदल मार्ग से आने के क्रम में वे रास्त भटक गए और एक जगह पतेल से घिरे एक बड़े अहाता में उलझ गए.काफी देर तक रास्ता नहीं ढूंढ पा रहे थे.काफी प्रयास कर जब वे दोनों हाथों से पतेल को पकड़ अहात को पार करने लगे तो इसी दौरान उन्हें एक सर्प ने डस लिया. सर्प दंश के विष से वशीभूत हो वे कुछ हीं दूर जा पाए और गिर गए.तभी लरही-कुणी से जल निकालते हुए कुछ लोगों ने उन्हें देखा व बचाने के लिए दौड़कर पास आए.उनलोगों को बकस सिंह ने अपनी व्यथा सुनाई. अपने घर का पता ठिकाना बताते हुए कहा कि उनकी मृत्यु होने पर इसी

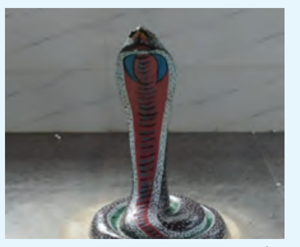

जगह उनकी अंतिम क्रिया करके समाधि दे दी जाए.ऐसा कह वे मृत्यु को प्राप्त हो गए. मृत्यु की सूचना मिलने पर परिवार के लोग उस जगह पर गये,और उनके इच्छा अनुसार अंतिम संस्कार को संपन्न किया.

बकस सिंह ने माता को दिया स्वप्न :- बकस सिंह अपनी मृत्यु के कुछ दिनों बाद अपने माता को स्वप्न दिये.जिसमें बताया कि हमारी मौत सर्प दंश से हुई है.हमने कौड़ी कामाख्या में सिद्धि प्राप्त किया है.अतः सर्प की प्रतिमा स्थापित कर अगर हमारी पूजा-पाठ किया जाए,तो वहां आने वाले सर्प दंश एवं विषैले जीवो जन्तु के काटने से पीड़ित लोगों को अयोग्य लाभ मिलेगा.और ऐसा अलग अलग बारह जगहों पर किया जाए. इस स्वप्न के उपरांत उनकी माता ने इस बात को गांव में बकस सिंह के सबसे करीबी मित्र भगत जी को बताया.जिस पर भगत जी ने उन्हें इस चिंता से मुक्त करने का वचन दिया. सबसे पहले भगत जी ने अपने गांव में हीं बकस सिंह का नाग देवता के रूप में प्रतिमा स्थापित किया और शेष बचे कार्य को करने के लिए निकल पड़े.

भगत जी पहुंचे राजपुरः- भगत जी अपने उद्देश्य पूर्ती के लिए एक दिन राजपुर काव नदी के तट पर पहुंचकर एक पीपल के वृक्ष के नीचे महावीर जी के प्रतिमा के समीप बैठ गए.कई दिनों तक बैठे रहे.जिसको ले आस पड़ोस में चर्चा होने लगी. भगत जी के बैठने की चर्चा सुनकर गांव के तत्कालीन मुखिया जगदीश साह के नेतृत्व में कुछ ग्रामीणों ने उनसे मुलाकात किया.जिस पर भगत जी ने उन लोगों के समक्ष अपनी इच्छा व्यक्त की.भगत जी की बात सुन मुखिया जी इस कार्य के लिए राजी हो गए. कार्य सम्पन्नता के लिए भगत जी ने नगर भ्रमण करने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा,कि भ्रमण के उपरांत वे जिस स्थान पर बैठ जाएंगे,वहीं पर बकस बाबा की प्रतिमा स्थापित किया जाएगा. इस प्रकार सन 1961 में भगत जी ने मुखिया जी एवं ग्रामीणों के सहयोग से सावन माह के पंचमी तिथि को बकस बाबा की प्रतिमा को यहां पर स्थापित किया.तब से इस अवसर पर राजपुर में नाग देवता का विशेष पूजा किये जाने व मेला का आयोजन होने की प्रथा आज भी विद्यमान है.

सोमवारी के पवित्र अवसर पर किया गया सम्मान समारोह

निज संवाददाता। दावथ(रोहतास)

पवित्र सावन माह के तीसरी सोमवारी का अवसर पर दावथ प्रखंड मुख्यालय के समीप सम्मान समारोह का आयोजन किया गया तथा महिलाओं को पीले साड़ी से सम्मानित किया गया जिसमें नगर पंचायत कोआथ के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार चौधरी तथा चार विधानसभा के राजद पर्यवेक्षक मोहम्मद सुफियान अख्तर एवं मुखिया चंद्रमा सिंह यादव के द्वारा उपस्थित पुरुष एवं महिला को अंग वस्त्र एवं साड़ी से सम्मानित किया गया। राजद के दिनारा, सासाराम नोखा एवं डेहरी के पर्यवेक्षक सुफियान अख्तर ने जहां बिजली बिल और पेंशन राशि को वर्तमान सरकार के द्वारा दिए जाने को राजद का देन बतलाया तो वही चेयरमैन धर्मेंद्र कुमार चौधरी ने बतलाया कि यह पहला अवसर नहीं है जब मैंने लोगों को सम्मानित किया है बल्कि कोरोना काल एवं हर पर्व त्यौहार पर यहां के गरीब मां बहनों को मैं सम्मानित किया और मदद किया है। वहीं पूर्व मुखिया चंद्रमा सिंह यादव ने नजदीक के प्रत्याशी होने की कामना की और कहां की राजद से यदि धर्मेंद्र कुमार चौधरी को मौका मिलता है तो हम लोगों के लिए सौभाग्य का विषय होगा। क्योंकि हर लोग चाहते हैं कि नजदीक का कोई विधायक हो। हालांकि इस अवसर पर बहुत से महिलाएं एकत्रित रही। सोमवारी के अवसर पर महिलाओं को पीले वस्त्र के रूप में साड़ी से सम्मानित किया गया। पुरुष लोगों को गमछा एवं चादर से सम्मानित किया गया।वहीं उपस्थित लोगों ने बरसात होने के बाद भी अच्छी खासी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर दीपू कुमार, राजद प्रखंड अध्यक्ष हैदर सिद्दीकी, बीडीसी राजेश यादव सहित सैकड़ो सामाजिक कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे ।

सुर्यपुरा में बीएसएनएल टावर फेल, थाने में शिकायत नही

निज संवाददाता। सुर्यपुरा (रोहतास)

सुर्यपुरा थाना क्षेत्र में बीएसएनएल मोबाइल टावर के फेल हो जाने से आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मोबाइल नेटवर्क ठप होने के कारण लोग थाने में फोन कर शिकायत दर्ज नहीं कर पा रहे हैं। इससे कई जरूरी मामलों में पुलिस की मदद समय पर नहीं मिल पा रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि बीएसएनएल का नेटवर्क पिछले कई दिनों से बंद है। शिकायत के बावजूद न तो अधिकारी स्थिति की सुध ले रहे हैं और न ही कर्मचारी तकनीकी समस्या को ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है।गांव के लोगों ने बताया कि कई बार बीएसएनएल के विभागीय अधिकारियों को कॉल और लिखित शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बीएसएनएल टावर की तकनीकी खराबी को जल्द दूर किया जाए, ताकि थाना सहित अन्य आवश्यक सेवाओं से संपर्क स्थापित हो सके। साथ ही बीएसएनएल कर्मियों पर लापरवाही बरतने के लिए कार्रवाई की भी मांग की गई है।

क्षत्रिय वीरांगना समूह की महिला सदस्यों ने हरियाली तीज पर गीत - संगीत से सजायी शाम

निज संवाददाता। सासाराम (रोहतास)

रविवार की संध्या बेला में यहाँ की क्षत्रीय वीरांगना समूह की महिला सदस्यों ने नृत्य- गीत गाकर सावन समारोह के अंतर्गत हरियाली तीज का आयोजन न्यू बैंक कॉलोनी स्थित अध्यक्ष कुमकुम सिंह की आवास पर किया। जिसमें शामिल महिलाओं ने हरे रंग की साड़ी- चुड़ी में सज - धजकर सावन समारोह और हरियाली तीज की महत्ता पर बखान किया। समारोह के पूर्व वीरांगना समूह की अध्यक्ष कुमकुम सिंह एवं उनकी सहयोगी सत्या सिंह ने आगत सभी महिला सदस्यों को हरे रंग की चुड़ियाँ प्रदान करते हुए अमर सुहाग की कामना की। तत्पश्चात उन्होंने सभी महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मान्यता है कि सावन के महीने में माता पार्वती ने कठोर तप करके भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया था। उसी की याद में महिलाएं हरियाली तीज का व्रत करती हैं और अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। ऐसे में मायके से भेजा गया सिंधोरा माता-पिता की ओर से बेटी के सौभाग्य की कामना का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर वीरांगना की महिला सदस्यों न हुंकार भरते हुए समूह की अध्यक्ष कुमकुम सिंह के हाथों को मजबूत कर समय - समय पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी एकजुटता दिखाने की बातें कही। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सभी महिलाओं ने सावन और हरियाली तीज की पारंपरिक गीतों को गाया और नृत्य प्रस्तुत कर खूब वाह- वाही बटोरी। इस अवसर पर समूह की सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिससे यह महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस मनमोहक आयोजन में समूह की अध्यक्ष कुमकुम सिंह, रिंकी सिंह, सत्या सिंह, सुनीता सिंह, चंदन देवी, आरती सिंह, अनीता सिंह, अंजू सिंह, मनीषा सिंह, सुधा सिंह, यशोदा सिंह और शीला सिंह सहित काफी संख्या में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता सराहनीय रही। सभी ने मिलकर इस सांस्कृतिक पर्व की शोभा बढ़ाई और इसे एक यादगार आयोजन बना दिया। यह समारोह हरियाली तीज के महत्व और सावन के पावन महीने की परंपराओं को जीवंत करते हुए समूह की एकता के लिए सौहार्द का प्रतीक बताया गया।

इंश्योरेंस कॉनक्लेव में ईएसआईसी की 'चिंता मुक्त योजना 2025' पर हुआ विस्तार से संवाद

निज संवाददाता।पटना

पटना के मौर्य होटल में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में एक दिवसीय इंश्योरेंस कॉनक्लेव का आयोजन किया गया, जिसमें बीमा जगत से जुड़े कई नामचीन संस्थानों, सरकारी प्रतिनिधियों और हितधारकों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर ईएसआईसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) की ओर से क्षेत्रीय निदेशक निरंजन कुमार ने शिरकत की और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सरकार की योजनाओं पर विस्तृत जानकारी दी। निरंजन कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए हाल ही में शुरू की गई 'चिंता मुक्त योजना 2025' के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना उन नियोक्ताओं या संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है जो अब तक ईएसआई अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण नहीं करा पाए हैं। यह योजना 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक लागू रहेगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत यदि कोई संस्था इस अवधि में स्वेच्छा से पंजीकरण कराती है, तो— संस्था को पंजीकरण की तिथि से पूर्व की अवधि के लिए किसी भी प्रकार की रिकॉर्ड जांच नहीं होगी कोई बकाया राशि नहीं ली जाएगी, और न ही अतीत में गैर-पंजीकरण को लेकर कोई कार्रवाई की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य ईएसआई के सामाजिक सुरक्षा दायरे को और अधिक व्यापक बनाना है ताकि अधिक से अधिक कामगारों को स्वास्थ्य सुरक्षा, मातृत्व लाभ और अन्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। इस दौरान यह भी बताया गया कि ईएसआईसी द्वारा 1 अक्टूबर 2025 से एक एमनेस्टी स्कीम भी लागू की जाएगी, जिसके तहत पहले से दर्ज कानूनी मामलों को वापस लेने और त्वरित समाधान का अवसर उन मामलों में मिलेगा जिनमें बकाया राशि का भुगतान किया जा चुका है। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न बीमा कंपनियों, स्टार्टअप, फिनटेक कंपनियों और उद्योगपतियों ने क्षेत्रीय निदेशक से ईएसआईसी से जुड़े कई सवाल पूछे, जिनका उन्होंने स्पष्ट और तथ्यपरक उत्तर दिया। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम के दायरे में आते ही संबंधित संस्था को कामगार क्षतिपूर्ति अधिनियम और मातृत्व अधिनियम जैसे अन्य कानूनों से भी छूट मिल जाती है, जिससे संस्थान को कानूनी रूप से सुविधा प्राप्त होती है।

छात्र छात्राओं को गंदे पानी से गुजर कर जाना पड़ता है स्कूल

निज संवाददाता। काराकाट ,रोहतास

एक तरफ जहां किसानों को खरीफ फसल के लिए सोना बरस रहा है तो वहीं दूसरी ओर विद्यालय के छात्र-छात्राएं की मुश्किले बढ़ गई हैं। प्राकृतिक का खलल कहे या प्रतिनिधियों का ढीला रवैया। गोड़ारी में थोड़ी बारिश में छात्र-छात्राएं परेशान हो जाते है। खासकर छोटे बच्चों को हल्की बारिश के कारण परेशानी होती है। बारिश के कारण सड़कों पर पानी जमा होने से स्कूल पहुंचने में कठिनाई हो रही है। छोटे बच्चों को विशेष रूप से परेशानी हो रही है। कुछ स्कूलों में पानी भर जाने से पढ़ाई भी प्रभावित हुई है। बता दे की वितीय वर्ष 2020-21 को उस समय के तत्कालीन विधायक संजय यादव के तत्वाधान में स्कूल की पीसीसी सड़क निर्माण हुई थी । यह अनुशंसित योजना गोडारी मुख्य सड़क एनएच 120 ए से रामरूप उच्च विद्यालय तक 525100 रु. की लागत से पीसीसी बनाई गई। और महज 5 वर्षो में सड़क का जर्जर हालत बन हो गई है । जहां इस मार्ग पर बरसातों में पानी भर जाती हैं। जिससे छात्र-छात्राएं की पढाई बाधित हो रहीं हैं। वहीं दूसरी ओर काराकाट प्रखंड क्षेत्र में स्थित प्राथमिक विद्यालय श्रीरामपुर की स्थिति लगभग यहीं जहां न तो विद्यालय की बाउंड्री है ना उचित व्यवस्था, छात्र-छात्राएं परेशान हैं। कोई सुध लेने वाले नही हैं । यहां भी बरसात के मौसम में पानी भर जाता हैं। जिससे छात्र-छात्राएं की पढाई बाधित होती हैं। राम रूप उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरेश कुमार ने बताया कि इसके लिए जनप्रतिनिधियों को मौखिक अवगत कराया गया है। अब तक कारवाई नही हुई। मामले में राजकीयकृत मध्य विद्यालय के प्रधानाचार्य लालमोहर राम से इस पर जानकारी लेने पर बताया कि हमने अब तक किसी जनप्रतिनिधियों या किसी लिखित शिकायत नही दी हैं। प्राथमिक विद्यालय श्रीरामपुर के प्रधानाचार्य से संपर्क किया गया, लेकिन जवाब नहीं मिला।

अज्ञात चोरों ने घर में की चोरी,गहने लेकर हुए फरार

निज संवाददाता। संझौली (रोहतास)

संझौली थाना क्षेत्र के उदयपुर रोड स्थित एक मकान में बीती रात चोरों ने धावा बोलते हुए घर से कीमती गहनों की चोरी कर ली । घटना के समय घर के लोग सावन के अवसर पर गुप्ताधाम गए हुए थे, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने बड़ी चालाकी से इस वारदात को अंजाम दिया । पीड़ित गृहस्वामी मुल्क राज चौधरी ने बताया कि जब वे परिवार सहित घर लौटे,तो देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है और घर के अंदर सामान पूरी तरह बिखरा पड़ा है । अलमारी में रखे सोने-चांदी के गहने और अन्य कीमती सामान गायब थे । सूचना मिलते ही संझौली थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच- पड़ताल शुरू कर

दी । थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने बताया कि कुछ समय पहले आवेदन मिला हैं । अग्रिम कार्रवाई की जा रही हैं । अज्ञात चोरों को जल्द ही पकड़ लिया जायेगा । घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं । पीड़ित ने बताया कि एक भी गहना का समान नहीं छोड़ा हैं ।

तीसरी सोमवारी पर भक्तिमय रंग में रंगा बिक्रमगंज अनुमंडल,शिवालयों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

» भोर से ही मंदिरों में लगी आस्था की कतारें,गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

निज संवाददाता। बिक्रमगंज

सावन की तीसरी सोमवारी पर बिक्रमगंज अनुमंडल के सभी कस्बों में आस्था की लहरें इस कदर हिलोरें मारती रहीं कि शिवालयों के प्रांगण छोटे पड़ गए । भोर की पहली किरण के साथ ही शिवभक्तों का सैलाब मंदिरों की ओर उमड़ पड़ा, हर किसी के होठों पर सिर्फ एक ही नाम भोलेनाथ । मंदिरों में घंटों कतार में खड़े रहकर श्रद्धालुओं ने दूध,दही, गंगाजल और बेलपत्र से भगवान शिव का अभिषेक किया । महिलाएं मंगलकामना के लिए पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर आईं,तो युवाओं ने पूरे जोश और भक्ति भाव से भगवान शिव की आराधना की । मंदिर प्रांगण में शंखनाद,घंटियों की मधुर ध्वनि और मंत्रोच्चार से वातावरण शिवमय हो गया । स्थानीय बाजारों में पूजा सामग्री और बेलपत्र की दुकानों पर भी दिनभर भीड़ बनी रही । दुकानदारों के मुताबिक सोमवारी के दिन खासकर तीसरी सोमवारी पर सबसे ज्यादा चहल-पहल रहती है । वहीं पूजा समितियों ने प्यासे श्रद्धालुओं को शीतल जल और प्रसाद वितरित किया । जानकारों के अनुसार सावन की तीसरी सोमवारी का विशेष महत्त्व माना जाता है । मान्यता है कि इस दिन सच्चे मन से भोलेनाथ का जलाभिषेक करने से मनोकामनाएं अवश्य पूरी होती हैं । शाम तक पूरे

बिक्रमगंज अनुमंडल का माहौल शिवभक्ति से सराबोर दिखा । जैसे हर दिल में शिव बसे हों और हर सांस से हर-हर महादेव गूंज रहा हो ।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

प्रधान शिक्षकों के बीच टैब वितरण शुरू

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। जिला शिक्षा पदाधिकारी व बीईओ नारदीगंज के निर्देशानुसार प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के प्रधान शिक्षकों के बीच टैब वितरण कार्यक्रम सोमवार से शुरु हुआ। इंटर विद्यालय नारदीगंज संकुल के विद्यालय से शुरुआत की गई है। यह कार्यक्रम 28 जुलाई से शुरू हुआ है। जो एक अगस्त 2025 तक चलेगा। बीईओ दीपक सक्सेना, प्रखंड लेखापाल संजीव रंजन, बीआरपी आंनद कुमार ने प्रधान शिक्षकों को टैब उपलब्ध कराये। बीईओ ने कहा नारदीगंज प्रखंड के सभी विद्यालयों में प्रत्येक विद्यालय को दो टैब का वितरण किया जा रहा है। जिसका इस्तेमाल प्रधानाध्यापक व विद्यालय के एक नामित शिक्षक के द्वारा किया जाएगा। इस प्रखंड में 114 विद्यालय है। जिसमे 59 प्राथमिक विद्यालय, 44 मध्य विद्यालय के अलावा 11 उच्च विद्यालय के प्रधान शिक्षकों को दो टैब वितरण किया जाएगा। मौके पर प्रधानाध्यापक अंजुम शाहिद, साधु शरण प्रसाद, कृष्ण कांत ईचा गुट्टू, पंकज कुमार समेत अन्य प्रधान शिक्षकों को उपलब्ध कराया गया है।

बारिश से किसान कार्य में आई तेजी

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बीते दो दिनों से अच्छी वर्षा हो रही है। सोमवार को सुबह से ही वर्षा शुरु हुई है। सुबह में मौसम सुहावना बना रहा। आसमान में काले काले बादल छाए हुए हैं। मेघ गर्जन के साथ वर्षा शुरु हो गई। अभी भी मौसम को बनाये रखा है। किसानों को चेहरे पर खुशी देखी जा रही है। वर्षा होने से किसान अपने खेतों की जुताई कर धान की रोपनी में लगे हुए हैं। तापमान में काफी नमी आई है। वर्षा होने से लोगों को उमसभरी गर्मी से निजात मिली है। कृषि समन्वयक संजय कुमार कहते हैं कि नारदीगंज प्रखंड में 4777 हेक्टेयर पर धान अच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसमे फिलहाल अभी तक तकरीबन 1435 हेक्टेयर पर धान की रोपनी हुई है।

ओड़ो पैक्स अध्यक्ष पर होगी कार्रवाई : बीसीओ

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। बीसीओ दीपक सक्सेना ने सोमवार को कहा प्रखंड के ओड़ो पैक्स अध्यक्ष पर जल्द ही कड़ी कार्रवाई की संभावना है। उन्होंने धान के उठाव के बाद उस अनुपात में चावल जमा नहीं किया है। बीसीओ ने कहा कि अभी तक मात्र 87.0 मैट्रिक टन चावल की आपूर्ति हुई है। शेष 106.28 मैट्रिक टन की आपूर्ति बाकी रह गया है। इस पैक्स द्वारा कुल 2024-25 में धान अधिप्राप्ति की गयी थी। इस बाबत बीसीओ ने पैक्स अध्यक्ष सहित प्रबंधकारिणी सदस्यों और प्रबंधकारिणी सदस्य लाली देवी को पत्र देकर 48 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने की मोहलत दी है। बीसीओ ने कहा कि ओड़ो पैक्स के कुल 33 किसानों से 284.24 मैट्रिक टन धान की अधिप्राप्ति की गई है। जबकि विभाग के निर्देश के अनुसार, 10 अगस्त तक शत-प्रतिशत सीएमआर की तिथि निर्धारित है। जिला टास्क फोर्स की बैठक में डीएम ने 31 जुलाई को सीएमआर की आपूर्ति का निर्देश दिया था। लेकिन जिस गति से ओड़ो पैक्स का काम हो रहा है। उस हिसाब से ससमय आपर्ति होना संभव नहीं दिख रहा है। बिहार सहकारी सोसाइटी अधिनियम 1935 के साथ लापरवाही बरती जा रही है। इधर, पैक्स अध्यक्ष रीना देवी कहती है ढाई लाट धान मिल भेज दिया गया है। किसान का खराब धान था, जो मिलर नहीं लिया है। उस धान को बेचकर 23 लाख रुपये 78 हजार रुपये का चेक और चार लाख रुपये नगद जमा किया गया है। शेष चावल गोदाम में पड़ा हुआ है। वही मिलर के द्वारा पांच प्रतिशत प्रति किंवटल धान लिया जाता है।

43 फरार अपराधियों की हुई गिरफ्तारी:एसपी

नवादा (नि.सं.)। पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने बताया कि 24 जुलाई 2025 को नवादा जिला में पुलिस द्वारा विभिन्न गिरफ्तारियां की गयी हैं, हत्या में 02, आर्म्स में 01, साईबर अपराध में 01, मद्य निषेध में 07 एवं अन्य गिरफ्तारी 32 कुल 43 गिरफ्तारियां हुई। शराब की बरामदगी अंतर्गत 60 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया। वाहन जॉच के क्रम में कुल 500 वाहनों की जॉच की गयी है एवं फाईन की कुल राशि 99 हजार 500 रूपया वसूला गया है। अन्य गिरफ्तारी अन्तर्गत मोटरसाईकिल-01 एवं ट्रैक्टर 01 बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक, नवादा ने बताया कि नवादा पुलिस इस तरह के क्रुर एवं जघन्य अपराध करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार करने एवं सजा दिलाने के लिए लगातार संकल्पित है। अपराध को अंजाम देने के बाद अन्यत्र जगह छुपकर रहने वाले अपराधियों के विरूद्ध नवादा पुलिस लगातार आसूचना संकलन कर रही है तथा कार्रवाई के लिए प्रयासरत है। नवादा पुलिस के लिए यह बड़ी सफलता है।

तीसरी सोमवारी पर शिव मंदिरों में उमड़ी भीड़

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। सावन माह की तीसरी सोमवारी पर आज रजौली के शिवालयों में भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना बड़े ही धूमधाम और भक्तिमय माहौल में की गई। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, जिन्होंने पारंपरिक विधि-विधान से बाबा भोलेनाथ को जल, बेलपत्र, दूध, धतूरा और अक्षत अर्पित कर मनवांछित फल की कामना की। मुख्य शिवालयों जैसे कि पुरानी ठाकुरबाड़ी स्थित शिव मंदिर, महावीर स्थान शिव मंदिर और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। हर-हर महादेव और जय भोले के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। भक्तों ने श्रद्धापूर्वक कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार किया और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया, जिसने पूरे माहौल को और भी भक्तिमय बना दिया। मंदिरों के साथ-साथ रजौली के कई घरों में भी इस पावन अवसर पर शिव-चर्चा का आयोजन किया गया। लोगों ने परिवार और पड़ोसियों के साथ मिलकर भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया, शिव पुराण का पाठ किया और भजन गाए। इस दौरान प्रसाद वितरण भी किया गया, जिससे भक्ति और उत्साह का माहौल घर-घरमें फैल गया।

दलित परिवार पर दबंगों का हमला

नरहट (नवादा) (नि.सं.)। स्थानीय थाना क्षेत्र के पुनौल गांव में दबंगों ने अनुसूचित जाति के लोगों पर कहर वरपाया हैं। खेत में काम कर रहे लोगों पर लाठी-डंडों बरसा कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। सभी घायलों को इलाज के लिए नरहट पीएचसी में भर्ती कराया गया। पीड़ित पुनौल गांव निवासी स्व विष्णु रजक के पुत्र जवाहर रजक ने स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करा न्याय की गुहार लगाई है। बताया जाता है कि पीड़ित जवाहर रजक ने बताया कि सोमवार की सुबह वह अपने चचेरे भाई उमेश रजक तथा दिनेश रजक के साथ खेत में काम कर रहे थे, तभी ग्रामीण स्व रघु नोनियां के पुत्र सोमर नोनियां, वासुदेव नोनियां व रतन नोनियां, वासुदेव नोनियां के पुत्र नंदु नोनियां 8-10 लोगों के साथ खेत पर आकर जाति सूचक शब्द का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज करने लगे और कहा गया कि खेत से निकल जाओ नही तो जान मार देंगे। उन्होंने बताया कि इतना ही नहीं वे लोग कहा कि एक घर हो, तुम गांव छोड़कर भाग जाओ, यह जमीन मेरा है। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व भी उक्त सभी लोगों के द्वारा मारपीट की गई, जिसकी प्राथमिकी स्थानीय थाना में दर्ज है। गंभीर रूप से जख्मी जवाहर रजक ने बताया कि मैं उस गांव में अकेले हूं और उनलोगों की संख्या काफी है, जिससे हमलोग सभी परिवार दहशत में रहते है। इस संबंध में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर उमाशंकर सिंह ने बताया कि प्राप्त आवेदन के आधार पर प्राथमिकी संख्या-257/25 दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

पागल कुत्ते का आतंक

डेहरी (रोहतास) (नि.सं.)। जहां नासरीगंज में एक पागल कुत्ते ने 50 से अधिक लोगों को नोच लिया। साथ ही कई मवेशी को भी काट खाया है। इसके बाद मोहल्ले के लड़कों ने पागल कुत्ते को घेर कर लाठी डंडों से पीट-पीटकर मार डाला। बता दें कि नासरीगंज के अतमगंज, जमालपुर, हरिहरगंज में कुत्ते ने आतंक मचाया है। लेकिन अंततः वार्ड नंबर-14 में कुछ लड़कों ने पागल कुत्ते को घेर कर उसे मार डाला। कुत्तों का आतंक ऐसा देखने को मिला कि सड़क पर जो भी लोग चलता फिरता मिले, कुत्ता उसे दबोच लिया। कई बुजुर्गों और महिलाओं को कुत्ते ने घायल कर दिया। कुत्ते ने कई लोगों के हाथ पैर यहां तक की चेहरे और नाक में भी काट लिया।

सड़क सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

निज संवाददाता | नवादा

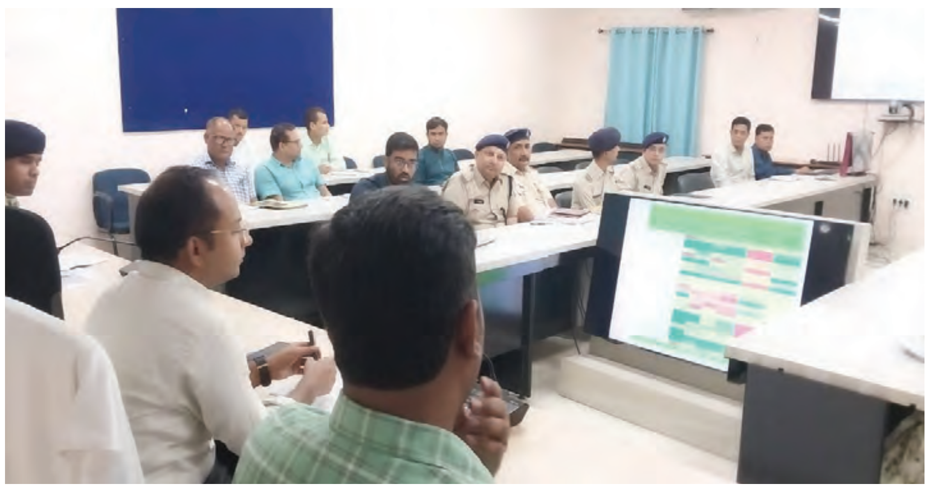

समाहरणालय सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, ब्लैक स्पॉट की पहचान एवं सुधारात्मक उपायों, हिट एंड रन तथा नॉन हिट एंड रन मामलों में मुआवजा भुगतान, और सार्वजनिक परिवहन के परिचालन से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बैठक में आईआरएडी पोर्टल के अनुसार हिट एंड रन मामलों में कुल 295 मामले लंबित हैं, जिनमें 150 आवेदन प्राप्त हुए हैं जबकि 145 आवेदन अभी भी अप्राप्त हैं। वहीं नॉन हिट एंड रन मामलों में कुल 489 मामलों में से 198 में आवेदन प्राप्त हुए हैं और 291 आवेदन अब तक प्राप्त नहीं हुए हैं। इस पर जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी अपने-अपने प्रखंड क्षेत्र के पंचायतों में मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए दुर्घटना मामलों की पहचान कर जिला परिवहन पदाधिकारी को प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि पीड़ित परिवारों को समय पर मुआवजा दिया जा सके। उन्होंने हिट एंड रन मामलों में त्वरित एवं सख्त कानूनी कार्रवाई करने तथा इन मामलों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि इन घटनाओं की रोकथाम के लिए सख्त कानूनों के साथ-साथ जन-जागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है। बैठक में निर्णय लिया गया कि सड़क सुरक्षा को लेकर एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि आमजन में सड़क नियमों के पालन की भावना विकसित हो सके। नवादा शहरी क्षेत्रों में बढ़ती जनसंख्या और यातायात जाम की समस्या को देखते हुए अवैध रूप से चलाए जा रहे टोटो वाहनों पर सघन जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाकर चालान की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि विद्यालयों, महाविद्यालयों और प्रमुख चौक-चौराहों पर भी सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया जाए, ताकि अधिकाधिक लोग जागरूक हो सकें। बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को कम करने हेतु नई रणनीतियाँ अपनाई जाएंगी और सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। सड़क सुरक्षा की दृष्टि से विभिन्न कार्य एजेंसियों द्वारा किए गए कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। समिति ने इस बैठक को जिले की जनता की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और विश्वास जताया कि इसके सकारात्मक परिणाम शीघ्र ही देखने को मिलेंगे। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी नवादा सदर अमित अनुराग, जिला परिवहन पदाधिकारी नवीन कुमार पाण्डेय, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) ऋषभ शिवरंजन, अवर परिवहन पदाधिकारी नवेन्दु शेखर, एम.वी.आई., डीआरएम (आईआरडी व इडीएआर) मनीष कुमार, कुमार सुमन तथा परिवहन विभाग के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

ज्वेलरी दुकान में लूटपाट कर फरार लुटेरों को पुलिस ने दबोचा

वैशाली (नि.सं.)। वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र अंतर्गत बीते दिनों कोलकाता आभूषण दुकान में लूटपाट एवं बेलसर थाना क्षेत्र अंतर्गत साइन में बीते दिनों सीएसपी लूट के मामले में पुलिस ने सोना चांदी के जेवर लूट के रूपए मोबाइल अन्य सामान के साथ तीन अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से सोना चांदी के जेवर लूटी गई रकम अन्य सामान बरामद किया है। उक्त जानकारी मुख्यालय उपाधीक्षक अबू जफर इमाम ने प्रेस कांफ्रेंस कर मीडिया को दी। उन्होंने बताया कि बीते दिनांक 11 जुलाई को गोरौल थाना अन्तर्गत गोरौल ओवरब्रिज के नीचे आभूषण दुकान कोलकता ज्वेलर्स में मोटरसाईकिल सवार बदमाश द्वारा डकैती की घटना अंजाम की गई थी एवं बेलसर थाना क्षेत्र के साइन बाजार से बीते 23 जुलाई को सीएसपी संचालक से करीब एक लाख रूपये लूट की घटना अंजाम दिया गया था। 394/25 एवं बेलसर थाना कांड संख्या 535/25 दर्ज की गई थी।

पंचायत सचिव को धमकी मामले में राजद विधायक भाई विरेन्द्र की बढ़ी मुश्किलें

निज संवाददाता | पटना

पंचायत सचिव के साथ फोन पर दुर्व्यवहार और जूता से मारने की धमकी देने के मामले में आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र की मुश्किलें बढ़ गई है। पंचायत सचिव संदीप कुमार ने पटना के एससी एसटी थाने में राजद विधायक भाई वीरेंद्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। इस एफआईआर में दुर्व्यवहार करने और धमकी देने जैसे आरोप लगाए गए हैं। एफआईआर दर्ज करने के बाद पटना की एससी एसटी थाने की पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। बताते चलें की मनेर से राष्ट्रीय जनता दल के विधायक भाई वीरेंद्र का एक कथित मोबाइल कॉल रिकॉर्डिंग इंटरनेट की गलियों में आग की तरह फैल रहा है। वायरल हो रहे इस ऑडियो में वह एक पंचायत सचिव को जूते से मारने की धमकी देते सुने जा रहे हैं। वायरल ऑडियो की शुरुआत में एक शख़्स जो खुद को भाई वीरेंद्र बताता है सराय बलुआं के पंचायत सेवक को फोन करता है। जैसे ही सामने वाला व्यक्ति "हां, बोलिए" कहता है।

मारपीट के एक आरोपी और एक वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के महसई मोहल्ला से पुलिस बलों ने मारपीट के आरोप में फरार चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि महसई निवासी रणवीर प्रसाद के पुत्र शिवम राज ने लिखित आवेदन देकर बताया कि बीते 7 जून की देर रात्रि वे एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। इसी क्रम में पूर्व से घात लगाए सन्नी कुमार, गौरव कुमार एवं राजकुमार ने धारदार हथियार से गर्दन पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में गर्दन का पिछला हिस्सा गम्भीर रूप से जख्मी हो गया।लिखित आवेदन के आलोक में 8 जून को प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा था। इसी बीच मारपीट में शामिल एक आरोपी को पुलिस बलों ने गुप्त सूचना के आलोक में बीती रात्रि को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान महसई निवासी अनिल यादव के पुत्र राजकुमार के रूप में हुई है। वहीं दूसरी ओर कोर्ट द्वारा निर्गत वारंट के आलोक में एक वारंटी को गंगटा गांव से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार वारंटी की पहचान गंगटा गांव निवासी स्व. जीवन यादव के पुत्र इशबरी यादव के रुप में हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार दोनों लोगों का स्वास्थ्य जांच अनुमंडलीय अस्पताल में करवाने के बाद सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

विद्यालयों को दिया जा रहा टैबलेट, डिजिटल हो रहा विद्यालय

» वहीं शेष 9 संकुलों के विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को बुलाकर उन्हें टैबलेट दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रखण्ड क्षेत्र में कुल 158 प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालय हैं।

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखण्ड क्षेत्र के सभी सरकारी विद्यालय का डाटा ऑनलाइन अधतन रहेगा। इसके साथ ही प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों को विभागीय निर्देशों की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त होगी।इसके लिए विभाग द्वारा सभी विद्यालयों में टैबलेट उपलब्ध कराया जा रहा है। रजौली प्रखंड में विभाग द्वारा 316 टैबलेट उपलब्ध कराया गया है। प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह प्रखण्ड सहकारिता पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि 17 संकुलों में अबतक 8 संकुलों के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को बीआरसी कार्यालय बुलाकर टैबलेट दिया जा चुका है। वहीं शेष 9 संकुलों के विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को बुलाकर उन्हें टैबलेट दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रखण्ड क्षेत्र में कुल 158 प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालय हैं। विभागीय निर्देश के अनुसार सभी विद्यालयों को दो-दो टैबलेट उपलब्ध कराया जा रहा है। वितरण समारोह को संबोधित करते हुए बीइओ ने टैबलेट का उपयोग विभागीय गाइडलाइन के अनुसार सुझाव दिया। विभाग द्वारा किसी भी तरह के दिशा निर्देश जारी होने पर टैबलेट के माध्यम से शिक्षक उसे देख सकेंगे तथा विभागीय निर्देशों का अनुपालन करेंगे। इसके साथ ही से विद्यालय से जुड़े अधतन जानकारी भी टैबलेट के माध्यम से ऑनलाइन किया जायेगा। इस मौके पर मनीष कुमार समेत बीआरसी से जुड़े कर्मी व शिक्षकगण उपस्थित थे।

टैबलेट की व्यवस्था से बढ़ेगी बच्चो की उपस्थिति :

सरकारी विद्यालयों में 1 अगस्त से बच्चों की उपस्थिति भी ऑनलाइन की जाएगी। ऑफलाइन उपस्थिति को लेकर हमेशा प्रधानाध्यापक पर उपस्थित विद्यार्थियों से अधिक संख्या में उपस्थिति दर्ज करने के आरोप लगते रहे हैं, इस पर अंकुश लग पाएगा। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार देखने को मिलेगा।वहीं शिक्षाविदों का मानना है कि इससे स्कूल अवधि तक बच्चों का ठहराव बढ़ेगा, क्योंकि अब दोनों समय उपस्थिति दर्ज की जाएगी। अभी तक दोपहर के भोजन के बाद कई बच्चे स्कूल से चले जाते थे, लेकिन नई व्यवस्था में शिक्षक और प्रधानाध्यपक दोनों जिम्मेदारी से बच्चों को पूरे समय विद्यालय में रखने का प्रयास करेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा रजौली में गुरु दक्षिणा सह गुरु पूजन कार्यक्रम संपन्न

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

रविवार की देर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) रजौली इकाई द्वारा स्थानीय राशि वाला मंदिर में भव्य गुरु दक्षिणा सह गुरु पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रजौली आरएसएस के स्वयंसेवकों और विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर अपनी गुरु भक्ति का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नवादा जिला के प्रचारक रंजन कुमार का बौद्धिक सत्र रहा, जिन्होंने गुरु की महत्ता और उनके आशीर्वाद के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार गुरु का स्थान समाज में सर्वोपरि है और उनका मार्गदर्शन जीवन को सही दिशा प्रदान करता है। यह कार्यक्रम आरएसएस की परंपरा और मूल्यों को दर्शाता है, जिसमें गुरु के प्रति श्रद्धा और समर्पण का भाव प्रमुख होता है। कार्यक्रम में रजौली के खंड कार्यवाह विजय आर्या, मुख्य शिक्षक अनिल कुमार, विनोद आर्या, और धर्म जागरण प्रमुख दिनेश पांडे सहित उमेश वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ रजौली विधानसभा के पूर्व विधायक कन्हैया रजवार, रंजन कुमार बब्लू, रामस्वरूप प्रसाद यादव, दिलीप कुमार दीप, मेजर रामरतन प्रसाद यादव, संजय कुमार, मनोज बहरपुरिया और संगठन के दर्जनों स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी की। इन लोगों के अलावे गुरु दक्षिणा कार्यक्रम में भाजपा के जिला महामंत्री गौरव शांडिल्य और विद्यानंद शंकर प्रसाद भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम का समापन ध्वज प्रणाम के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थित स्वयंसेवकों और गणमान्य व्यक्तियों ने पूरे सम्मान के साथ राष्ट्र ध्वज को नमन किया।

नवादा के गौरव, नारद संग्रहालय के लिए नए भवन का होगा निर्माण

निज संवाददाता | नवादा

जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश द्वारा नवादा के ऐतिहासिक नारद संग्रहालय का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संग्रहालय परिसर में स्थित तीनों खंडों के जर्जर भवनों की स्थिति का अवलोकन किया एवं निर्माण कार्य की संभावनाओं की समीक्षा की। विदित है कि बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग से प्राप्त निर्देश के आलोक में, संग्रहालय के पुराने एवं जर्जर भवनों को ध्वस्त कर भूमि के संपूर्ण भाग पर अत्याधुनिक नक्शा तैयार कर नया संग्रहालय भवन निर्मित करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इस कार्य हेतु बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना को नामित किया गया है। भवन निर्माण कार्य के दौरान संग्रहालय संचालन बाधित न हो, इसके लिए जिला पदाधिकारी ने डायट परिसर के इंडोर भवन एवं खेल भवन का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण उपरांत उन्होंने खेल भवन के प्रथम तल को संग्रहालय के अस्थायी संचालन हेतु उपयुक्त पाया और निर्देश दिया कि भवन निर्माण कार्य पूर्ण होने तक नारद संग्रहालय का संचालन वहीं से किया जाए। जिला पदाधिकारी ने संग्रहालय में संग्रहित क्षेत्रीय इतिहास, पुरावशेषों, कला और संस्कृति से संबंधित अमूल्य वस्तुओं का अवलोकन किया। उन्होंने यह निर्देश दिया कि इन अमूल्य धरोहरों को खेल भवन के प्रथम तल में सुरक्षित स्थानांतरण के लिए संग्रहालय संचालन से संबंधित गाइडलाइन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। वस्तुतः नारद संग्रहालय, नवादा जिले की प्रमुख सांस्कृतिक धरोहर है, जिसकी स्थापना वर्ष 1973 में तत्कालीन जिलाधिकारी नरेंद्रपाल सिंह के प्रयासों से हुई थी। यह संग्रहालय नवादा के क्षेत्रीय इतिहास, कला, संस्कृति एवं पुरावशेषों को संरक्षित रखने का कार्य करता है और जिले की ऐतिहासिक पहचान को सहेजता है। निरीक्षण के दौरान बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना के उपमहाप्रबंधक, नारद संग्रहालय के क्यूरेटर एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

100 किलो गंगाजल लेकर नंगे पांव बाबा नगरी निकले दो श्रद्धालु

भागलपुर (नि.सं.)। जिले के सुल्तानगंज स्थित पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा तट पर सावन माह के अवसर पर शिवभक्तों का तांता लगातार लगा हुआ है। हर दिन देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर 105 किलोमीटर दूर झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए कांवड़ यात्रा पर निकल रहे हैं। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के मुगलसराय से दो युवा श्रद्धालु अजय गुप्ता और कुंदन साहनी एक विशेष उद्देश्य और मन्नत के साथ सुल्तानगंज पहुंचे। यहां अजगैबीनाथ धाम से 100 किलो गंगाजल भरकर उन्होंने कांवड़ यात्रा की शुरुआत की।

विहार संस्कृत संजीवन समाज की बैठक संपन्न

निज संवाददाता | पटना

विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना की बैठक पटना स्थित पाटलिपुत्र कोलनी में समाज के मुख्य परामर्शी विजय शंकर दुबे जी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संस्कृत दिवस समारोह 9 अगस्त को पाटलिपुत्र कोलनी स्थित पेन्शनर भवन में आयोजित होगा। यह आयोजन विहार संस्कृत संजीवन समाज एवं पेंशन समाज संयुक्त रुप से करेगा। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री विजय शंकर दुबे जी ने कहा कि संस्कृत भारत की आत्मा है। इस भाषा का प्रचार -प्रसार अति आवश्यक है। संस्कृत दिवस में संस्कृत अनुरागियों को आने की अपील की। समाज के अध्यक्ष डॉ शिववंश ने संस्कृत संजीवन समाज के उपलब्धियों पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि संस्कृत संजीवन समाज संस्कृत और संस्कृति की रक्षा करने में प्रयासरत हैं। उन्होंने डॉ रागिनी वर्मा को कोषाध्यक्ष, सर्वसम्मति से किया।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग,
(भूमि संरक्षण निदेशालय) झारखण्ड, राँची।
कार्यालय– भूमि संरक्षण पदाधिकारी, डालटनगंज।
E-Mail ID – dscopalamu2019@gmail.com

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ''जलनिधि'' योजनान्तर्गत डीप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक के निर्माण हेतु कृषकों के लिए आम–सूचना

झारखण्ड राज्य योजनान्तर्गत कृषि को बढ़ावा देने, बहुफसलीय कृषि के विकास, मानसून पर पलामू जिले के कृषकों की निर्भरता कम करने हेतु विभिन्न श्रोतों से सिंचाई की समुचित व्यवस्था हेतु डीप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक के निर्माण हेतु **''जलनिधि''** नामक योजना वित्तीय वर्ष 2015–16 से प्रारंभ की गई है। जिससे कृषि योग्य भूमि को सिंचित और बहुफसलीय कृषि को बढ़ावा दिया जा सके। राज्य योजनान्तर्गत **वित्तीय वर्ष 2025–26** में राज्य के कृषकों को सिंचाई संसाधन उपलब्ध कराने हेतु जलनिधि उप योजनान्तर्गत परकोलेशन टैंक निर्माण एवं डीप बोरिंग योजना का स्वरूप निम्नवत हैः–

(I) डीप बोरिंग की योजना

कार्य योजना	पात्रता	भौतिक लक्ष्य		अनुदान की राशि		
		OSP	SCSP	अनुमानित योजना लागत प्रति इकाई	अधिकतम अनुदान की राशि	पानी पंचायत अंशदान की राशि
1	2	3	4	5	6	7
योजनान्तर्गत 6 इंच Diameter deep boring, submersible pump 1.5HP, आवश्यक Accessories एवं संस्थापन (Installation) के साथ	योजना लघु एवं सीमान्त कृषक समूहों के लिए लागू होगा। जिससे विभागीय मार्गदर्शन के आलोक में विधिवत् पानी पंचायत का गठन कर इसका कार्यान्वयन कराया जायेगा। समिति के सदस्यों के पास कलस्टर में **न्यूनतम 5 एकड़ भूमि** होना अनिवार्य होगा।	15	06	3.50 लाख	90 प्रतिशत (3.15 लाख)	10 प्रतिशत (0.35 लाख)

(ii) परकोलेशन टैंक निर्माण की योजना

कार्य योजना	पात्रता	भौतिक लक्ष्य		अनुदान की राशि		
		OSP	SCSP	अनुमानित योजना लागत प्रति इकाई	अधिकतम अनुदान की राशि	पानी पंचायत अंशदान की राशि
1	2	3	4	5	6	7
Length of Percolation Tank 120ft. width of Percolation Tank 100ft. Depth of Percolation Tank 12ft. Length of Bound-370ft. Side Slope-1:1	योजना लघु एवं सीमान्त कृषक समूहों के लिए लागू होगा। जिससे विभागीय मार्गदर्शन के आलोक में विधिवत पानी पंचायत का गठन कर इसका कार्यान्वयन कराया जायेगा। समिति के सदस्यों के पास कलस्टर में **न्यूनतम 10 एकड़ भूमि** होना अनिवार्य होगा।	102	50	4.30 लाख	90 प्रतिशत (3.87 लाख)	10 प्रतिशत (0.43 लाख)

डीप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक निर्माण के लिए आवेदन–पत्र जमा करने की अंतिम तिथिः– 30.08.2025

कृषक / संस्था का चयन

1. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / लघु / सीमान्त कृषक / महिला कृषकों / इच्छुक कृषकों का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा।
2. जिन कृषकों / कृषक समूहों को पूर्व में डींप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक का लाभ प्राप्त कराया जा चुका है, उनकी पात्रता **''जलनिधि उपयोजना''** के लिए मान्य नहीं होगी।
3. योजना के कार्यान्वयन में 'त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था' की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी एवं योजना बनाओं अभियान के तहत् ग्राम सभा द्वारा चयनित योजनाओं तथा माननीय स्थानीय विधायक की अनुशंसा को प्राथमिकता दी जाएगी।

आवेदन की प्राप्ति

(i) पलामू जिला के लिए निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध सुपात्र कृषकों से विहित प्रपत्र–I में आवेदन प्राप्त किया जायेगा।
(ii) इच्छुक कृषकों / कृषक समूहों के द्वारा आवेदन पत्र निश्चित समय सीमा के अंदर भूमि संरक्षण कार्यालय, डालटनगंज से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।
(iii) आवेदन–पत्र निम्न कागजातों के साथ भूमि संरक्षण कार्यालय, डालटनगंज में जमा लिया जायेगा।
1. संबंधित योजना ग्राम–सभा में पारित होना चाहिए एवं पारित प्रस्ताव की छायाप्रति मुखिया द्वारा अभिप्रमाणित होना चाहिए।
2. जमीन का अद्यतन रसीद एवं अंचालाधिकारी द्वारा भूमि स्वामित्व का भूमि प्रतिवेदन (चेक स्लिप)।
3. भूमि मालिक का सहमति पत्र एवं वंशावली में मुखिया के द्वारा अभिप्रमाणित किया जाना अनिवार्य है।
4. लाभुक द्वारा शपथ पत्र दिया जायेगा कि इसके जल का सिंचाई कार्य में सार्वजनिक उपयोग होता रहेगा एवं पानी पंचायत के सदस्यों के द्वारा कोई बाधा उत्पन्न नहीं की जायेगी।
5. योजना स्थल का कार्य प्रारम्भ से पूर्व का **Geo-Tag** लाभुक के साथ रंगीन फोटोग्राफ।
6. गाँव के नक्शे पर संबंधित योजना को चिन्हित कर नक्शे की छायाप्रति।
7. पहचान पत्र (आधार कार्ड की छायाप्रति)।
8. अपूर्ण कागजात के साथ प्राप्त आवेदन को स्वीकार / स्वीकृत नहीं किया जायेगा।

उक्त योजना से संबंधित अन्य जानकारी के लिए निम्न पते पर संपर्क किया जा सकता है।

कार्यालय का पताः– भूमि संरक्षण पदाधिकारी, डालटनगंज।
पलामू समाहरणालय, के ब्लॉक– C
द्वितीय तल्ला डालटनगंज
दुरभाष संख्याः–06562–230223

भूमि संरक्षण पदाधिकारी, डालटनगंज।

PR 358337 (District) 25-26 (D)

संक्षिप्त समाचार

29 को गड़हनी प्रखंड का बनेगा स्थापना दिवस

गड़हनी| 29 जुलाई को गड़हनी प्रखंड का द्वितीय स्थापना दिवस बनाया जाएगा। इसके लिये प्रखंड के सभी जनप्रतिनिधि मिलकर तैयारी कर रहे है। प्रखंड प्रमुख विनोद यादव ने बताया कि 2024 में गड़हनी प्रखंड का पहला स्थापना दिवस बनाया गया था और मै पिछले वर्ष ही संकल्प लिये था कि मैं प्रमुख रहे या ना रहे लेकिन अब गड़हनी प्रखंड का स्थापना दिवस प्रत्येक वर्ष सभी जनप्रतिनिधियों व सामाजिक कार्यकर्ता के साथ मिलकर बनाया जाएगा। इसके लिये प्रखंड के सभी जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता लगे है इसकी तैयारी जोरों पर चल रहा है। स्थापना दिवस बहुत ही धूमधाम से बनाया जाएगा।

धनडीहा के पैक्स अध्यक्ष के निधन पर शोक

आरा| कोईलवर प्रखंड के धनडीहा गांव के पैक्स अध्यक्ष नृपेन्द्र कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह का हृदयगति रुकने से रविवार को निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से पूरे गांव और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वे लगातार दो बार निर्विरोध पैक्स अध्यक्ष चुने गए थे और अपने मिलनसार स्वभाव के कारण सभी के चहेते थे।उनके निधन पर समाजसेवी बबलू सिंह व उनके भाई गुड्डू सिंह ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मुन्ना सिंह जिंदादिल और सामाजिक व्यक्ति थे, जिनकी भरपाई संभव नहीं है। शोक व्यक्त करने वालों में राय जी, पंकज सिंह, संतोष सिंह, मनोज सिंह, राहुल सिंह और पप्पू सिंह सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकसंतप्त परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति देने की कामना की।

पुलिस ने दो बदमाशों को पकड़ा

बक्सर। वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट से समीप से उत्पाद पुलिस ने शनिवार की देर रात्रि कार से शराब की खेप ले जा रहे दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवकों से पूछताछ के बाद पुलिस ने जेल भेज दिया। उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार की रात्रि उत्पाद टीम वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट पर जांच अभियान चला रही थी। उसी दौरान यूपी के तरफ से आ रही एक कार को रोका गया। कार की तलाशी ली गई तो विभिन्न स्थानों पर छुपाए करीब 204 बोतल शराब जब्त की गयी। पकड़ी गयी शराब विभिन्न ब्रांड की है। उत्पाद पुलिस ने कार चालक सीतामढ़ी जिले के रुन्नी सैदपुर थाना के सुम्मा गांव के मुकेश शर्मा और बेलाही गांव के संजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

शेरू के नाम पर सिकंदर यादव ने फोन कर तनिष्क शोरूम से मांगी रंगदारी

बक्सर। शहर के स्टेशन रोड स्थित आभूषण शोरूम तनिष्क से शेरू सिंह के नाम पर धमकी भरा फोन करने का मामला सामने आया है। फोन बेउर जेल में बंद कुख्यात अपराधी सिकंदर यादव के द्वारा करने की बात पुलिस अनुसंधान में आ रही है। हालांकि जेल में मोबाइल कैसे पहुंचा और अपराधी ने किस-किस को धमकी भरा फोन किया है, पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। टाउन थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि तनिष्क शोरूम के ऑफिशियल मोबाइल पर कॉल आया था। कॉल करने वाले ने अपना नाम शेरू सिंह बताया और शोरूम संचालक को धमकी भी दी गई थी। पीड़ित व्यवसायी ने इसकी जानकारी टाउन थाना पुलिस को दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वयं के बयान पर एफआईआर दर्ज कर तकनीकी जांच शुरू की। कॉल डिटेल्स और ऑडियो विश्लेषण के बाद यह स्पष्ट हुआ कि धमकी भरा फोन पटना के बेउर जेल से किया गया था। जांच में यह भी सामने आया कि कॉल करने वाला और कोई नहीं बल्कि कुख्यात अपराधी सिकंदर यादव है, जो पटना के पुनाईचक इलाके का रहने वाला है और उसके खिलाफ दर्जनों संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार, सिकंदर यादव को जून 2025 में बक्सर केंद्रीय कारा से पटना बेउर जेल स्थानांतरित किया गया था। उसने 23 जुलाई को बक्सर स्थित तनिष्क शोरूम के नंबर पर कॉल कर रंगदारी की मांग की थी। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि जेल में रहते हुए सिकंदर यादव के पास मोबाइल फोन कैसे पहुंचा और इसमें किन जेल कर्मियों की मिलीभगत हो सकती है।

बिजली विभाग के कई अफसरों का तबादला

बक्सर। विद्युत प्रमंडल में शनिवार को व्यापक स्तर पर अधिकारियों के तबादले किए गए। इससे अनुमंडल कार्यालय से लेकर ग्रामीण इलाकों तक नई नियुक्तियों की सुगबुगाहट तेज हो गई है। विभागीय निर्णय के तहत शहरी सहायक विद्युत अभियंता शिवकुमार को डोभी भेजा गया है, जबकि डोभी में पदस्थापित रामलखन राम को बक्सर अनुमंडल के लिए स्थानांतरित किया गया है। इसी कड़ी में शहरी पूर्वी क्षेत्र के कनीय अभियंता सुमित को गया भेजा गया है और गया से राहुलदेव को उनकी जगह लाया गया है। शहरी पश्चिमी क्षेत्र में कार्यरत जेई अजीत का तबादला तियरा कर दिया गया है और तियरा के जेई अभिषेक सक्सेना अब बक्सर नगर के पश्चिमी क्षेत्र की जिम्मेदारी संभालेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में भी तबादले की लहर देखी गई। चक्की के अमित को भोजपुर के कारिसाथ भेजा गया है, जबकि उनकी जगह कारीसाथ के मनीष को चक्की में पदस्थापित किया गया है। इसी तरह नया भोजपुर में तैनात चंदन का स्थानांतरण भोजपुर के सहार में किया गया है और सहार के जितेंद्र को नया भोजपुर भेजा गया है। विद्युत विभाग के इस फेरबदल से अधिकारियों में हलचल है, वहीं उपभोक्ताओं को भी अपने क्षेत्रीय जेई और अभियंताओं के बदले जाने की जानकारी मिलने लगी है।

प्रकृति की रक्षा का लिया संकल्प

कोईलवर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का 87वां स्थापना दिवस रविवार को रैपिड एक्शन फोर्स के मुख्यालय कोईलवर में अनुशासन, जोश के साथ समारोहपूर्वक मनाया गया। इस मौके पर पौधरोपण, स्वच्छता अभियान और खेलकूद कार्यक्रम हुए। सशस्त्र-बल की गौरवशाली परंपरा, देश सेवा के संकल्प और जवानों के अद्वितीय समर्पण को समर्पित इस कार्यक्रम की शुरुआत कमांडेंट अश्विनी कुमार झा ने शहीद स्मारक पर पुष्प-चक्र अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देकर की। देश की रक्षा में बलिदान देने वाले वीर जवानों की याद में मौन रखकर नमन किया गया। इसके बाद उन्होंने क्वार्टर गार्ड का निरीक्षण कर जवानों से गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया। रैपिड एक्शन फोर्स के मुख्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम किया गया। इस दौरान देश की रक्षा के साथ-साथ प्रकृति की रक्षा का भी संकल्प लिया गया। सैनिक सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। जिसमें कमांडेंट ने जवानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव और अनुभव सुने। उन्होंने जवानों के मनोबल को ऊंचा रखने के लिए प्रोत्साहन के साथ-साथ आश्वासन भी दिया कि उनकी हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। आरएएफ परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। जवानों ने पूरे परिसर की सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

भाजपा की कार्यशाला आयोजित बूथ सशक्तीकरण पर जोर

आरा। आरा भारतीय जनता पार्टी की कार्यशाला का आयोजन बामपाली जिला कार्यालय में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। मुख्य अतिथि पूर्व कृषि मंत्री एवं आरा विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बूथ सशक्तिकरण को चुनावी सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने कहा कि बूथ जीते तो चुनाव जीते, इसी मंत्र के साथ सभी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय होने को कहा। प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभु एवं जिला प्रभारी राजेश सिन्हा ने संगठन की मजबूती के लिए बूथ कमेटियों को सशक्त करने पर जोर दिया। जिला अध्यक्ष दुर्गा राज ने विषय प्रवेश किया, दीपक सिंह ने मंच संचालन और ग्रामीण अध्यक्ष रोबिन कुशवाहा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर नरेंद्र तिवारी, जीतू चौरसिया, मधु मिश्रा, धीरेंद्र सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भोजपुर जिले में करंट लगने से सिलाई कर्मी की मौत

निज संवाददाता | आरा

- खेत मालिक पर हत्या का आरोप, भाई बोला- मारकर कुएं में फेंक दिया, नोएडा में काम करता था

भोजपुर में करंट लगने से सिलाई कर्मी की मौत हो गई। गांव के शख्स ने लाश छिपाने के लिए कुएं में फेंक दिया। खेत मालिक पर शव फेंकने का आरोप लगा है। मृतक की पहचान कुंदन सिंह(28) के तौर पर हुई है। नोएडा सेक्टर-88 में कपड़ा सिलाई का काम करता था। घटना चौरी थाना क्षेत्र के बरेथ गांव वार्ड नंबर 13 की है। मृतक के भाई गुड्डू कुमार ने बताया कि 14 जुलाई को नोएडा से वापस गांव लौटा था। 28 जुलाई को वापस जाने वाला था। रविवार शाम को गांव के ही बालेश्वर महतो के खेत की ओर घूमने गया था। बालेश्वर महतो ने खेत के चारों ओर इलेक्ट्रिक जाल लगा रखा था। जिसकी चपेट में आने से घटनास्थल पर ही जान चली गई। इसके बाद अपने साथियों के साथ मिलकर कुएं में फेंक दिया। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिवार के सदस्य खोजबीन के लिए निकले। इस दौरान खेत पर पहुंचे। जहां जालियों पर मिट्टी लगा था। जमीन पर किसी व्यक्ति के गिरने का चिन्ह बना हुआ था। वहां से बालेश्वर महतो के घर पहुंचे। उन्होंने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। फिर पुलिस को सूचना दी गई।'

मारकर कुएं में फेंक दिया: गुड्डू कुमार ने आगे कहा, 'पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ की तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला। बालेश्वर महतो ने अपने साथियों के साथ मिलकर मेरे भाई को करंट लगाकर मार दिया। हत्या के बाद शव को कुएं में फेंक दिया।'

घर में मचा कोहरामः मृतक तीन भाई-बहन में सबसे बड़ा था। परिवार में मां रीता देवी, पत्नी गुड़िया कुमारी, दो पुत्र रौशन, छोटू और एक पुत्री रौशनी है। मौत की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया है। मां, पत्नी और परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भोजपुर में साइकिल सवार मजदूर की मौत

निज संवाददाता | आरा

- बाढ़ के पानी में डूबने से गई जान, काम करने के लिए घर से निकले थे

भोजपुर में बाढ़ के पानी में डूबने से एक मजदूर की मौत हो गई। साइकिल से काम करने जा रहा था। इस दौरान पानी में डूब गया। मृतक की पहचान सनदिया गांव निवासी सूरज कुमार(35) के तौर पर हुई है। घटना के मुफस्सिल थाना क्षेत्र की है। मृतक के भाई अमरजीत कुमार ने बताया कि गांव में बाढ़ का पानी घुसा था। मेरा भाई साइकिल से काम करने के लिए घर से निकला था। रास्ते में वो पानी में डूब गया। ग्रामीणों से हादसे की जानकारी मिली। जिसके बाद हमलोग मौके पर पहुंचे। पानी से बाहर निकाल कर अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। करीब 2 महीने से पेट संबंधित बीमारी से परेशान थे। बीमार चल रहे थे।

घर में मचा कोहरामः परिवार में पत्नी शीला देवी, तीन पुत्री अंशु, हिमांशु, छोटी और एक पुत्र सत्यम है। मौत की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया है। पत्नी शीला देवी समेत परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाइक सवार ने चाय दुकानदार को मारी टक्कर, मौत

निज संवाददाता | बक्सर

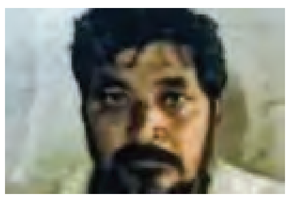

बक्सर के प्रताप सागर फोरलेन (NH-922) के पास रविवार को एक तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से 61 वर्षीय चाय दुकानदार की मौत हो गई। मृतक की पहचान रामशंकर यादव के रूप में हुई है। घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्रताप सागर गांव निवासी रामशंकर यादव सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान बक्सर की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रामशंकर यादव और बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत सभी घायलों को बक्सर सदर अस्पताल पहुंचाया। वहां इलाज के दौरान रामशंकर यादव की मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों बाइक सवार युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

चाय-पकौड़े की दुकान चलाते थेः ग्रामीणों ने बताया कि रामशंकर यादव फोरलेन किनारे चाय-पकौड़े की दुकान चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके पांच बेटे और एक बेटी है। हादसे के बाद गांव में शोक छा गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक के परिवार के लिए मुआवजा देने की मांग की है।

दोनों बाइक सवार अरेस्टः सूचना मिलते ही नया भोजपुर थाना प्रभारी मनीष कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों के कब्जे से दोनों बाइक सवारों को हिरासत में लिया। घायल बाइक सवारों को डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आम आदमी पार्टी की आरा में 'केजरीवाल जनसंपर्क यात्रा' का जोरदार आगाज

निज संवाददाता | आरा

आम आदमी पार्टी (आप) की भोजपुर इकाई ने सोमवार को भारी बारिश के बीच 'केजरीवाल जनसंपर्क यात्रा' का शानदार आगाज किया। बिहार में बदलाव की बयार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई इस यात्रा का नेतृत्व बिहार प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार यादव ने किया। मूसलाधार बारिश के बावजूद सैकड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उत्साह के साथ इस यात्रा में हिस्सा लिया, जो पार्टी के बढ़ते जनाधार का प्रतीक बना। डीजे, पार्टी झंडे, और नारों से सजे प्लेकार्ड्स के साथ काफिला शहर की सड़कों पर निकला, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। यह जनसंपर्क यात्रा आर्य समाज मंदिर से शुरू होकर चित्र टोली रोड, गोपाली चौक, घंटाघर, जेल रोड, सदर अस्पताल, मटिया, शहीद भवन मोड़, और रमना होते हुए पुनः आर्य समाज मंदिर पर समाप्त हुई। बारिश के बीच भी कार्यकर्ताओं का जोश कम नहीं हुआ, और उन्होंने "बिहार में भी केजरीवाल" और "काम की राजनीति" जैसे नारे लगाकर लोगों को आम आदमी पार्टी के विजन से जोड़ने की कोशिश की। प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार यादव ने कहा, "बिहार की जनता अब बदलाव चाहती है। लोग बीजेपी और नीतीश कुमार के जंगलराज से त्रस्त हैं। आम आदमी पार्टी दिल्ली और पंजाब में अपने जनहितकारी कार्यों के लिए जानी जाती है, और अब हम बिहार में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, और बिजली जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" उन्होंने जोर देकर कहा कि यह यात्रा बिहार की जनता के बीच 'केजरीवाल मॉडल' को पहुंचाने का एक माध्यम है, जो ईमानदार और पारदर्शी शासन का प्रतीक है। प्रदेश प्रवक्ता चंद्र भूषण ने इस अवसर पर कहा, "यह जनसंपर्क यात्रा केवल एक शुरुआत है। हम बिहार के हर कोने में पहुंचकर लोगों को बताएंगे कि आम आदमी पार्टी किस तरह से आम जनता की समस्याओं को समझती और हल करती है। बिहार में जातिवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति को खत्म करने का समय आ गया है।" उन्होंने दिल्ली और पंजाब के मॉडल का हवाला देते हुए कहा कि आप की नीतियां बिहार के लिए भी गेम-चेंजर साबित होंगी। महासचिव केशव किशोर प्रसाद ने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा, "बारिश ने हमारे इरादों को और मजबूत किया है। हम बिहार की जनता के लिए दिन-रात काम करने को तैयार हैं। यह यात्रा बिहार में बदलाव की नींव रखेगी।" उपाध्यक्ष वीपी सिंह ने भी इस मौके पर जोश भरे अंदाज में कहा, "बिहार की जनता अब जाग चुकी है। वे अब उन दलों को जवाब देगी जो केवल वादे करते हैं। आम आदमी पार्टी काम की राजनीति पर विश्वास करती है।" इस यात्रा में युवा अध्यक्ष हिमांशु सिंह, ओपी तिवारी, उदय सिंह, रुबी सिंह, जिला अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, संगठन मंत्री दिनेश कुमार सैनी सहित कई अन्य प्रमुख नेता और कार्यकर्ता शामिल थे। युवा अध्यक्ष हिमांशु सिंह ने कहा, "बिहार का युवा अब नई राजनीति चाहता है। हम शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए काम करेंगे।" यह जनसंपर्क यात्रा बिहार में 2025 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों का हिस्सा है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वह बिहार में सभी 243 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी और किसी भी गठबंधन के बिना अकेले चुनाव लड़ेगी। कार्यकर्ताओं और नेताओं का उत्साह इस बात का संकेत है कि आम आदमी पार्टी बिहार में एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरने को तैयार है।

2.41 लाख छात्रों को मिलेंगे स्टूडेंट किट

निज संवाददाता | बक्सर

जिले की सरकारी विद्यालयों के कक्षा 01-12वीं के छात्र छात्राओं को स्टूडेंट किट दिया जाएगा। स्टूडेंट किट का निर्माण प्रत्येक कक्षा के अनुसार किया गया है। इसको लेकर बिहार शिक्षा परियोजना के राज्य निदेशक मयंक वारवाडे ने जिला शिक्षा पदाधिकारी व जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्राथमिक शिक्षा एंव सर्व शिक्षा अभियान को पत्र भेजा है। एजेंसी के माध्यम से प्रखंडों व छात्र छात्राओं के बीच स्टूडेंट किट वितरण को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा एमआईएस ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर भी तैयार किया गया है। प्रखंड संसाधन केंद्रों को किट की आपूर्ति होने पर उसे पोर्टल के माध्यम से अपडेट करने का निर्देश दिया गया है। ताकि समय पर किट की आपूर्ति व मॉनिटरिंग की जा सके। बता दें कि स्टूडेंट किट का वितरण किए जाने से आर्थिक रूप से कमजोर छात्र छात्राओं को लाभ मिलेगा। स्टूडेंट किट की आपूर्ति के लिए 3 एजेंसी टीसीआईएल, रेलटेल व बीईसीआईएल को दी गई है। जिले में टीसीआईएल एजेंसी के माध्यम से प्रखंड संसाधन केंद्रों को किट उपलब्ध कराया जाएगा। किट वितरण की जिम्मेदारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी व प्रखंड संसाधन केंद्रों पर कार्यरत लिपिक को दी गई है। स्टूडेंट किट वितरण से लेकर इसके अनुश्रवण की जिम्मेदारी बीईओ, प्रखंडों के लेखापाल व कंप्यूटर ऑपरेटर को दी गई है। किट की आपूर्ति होने पर नमुना से मिलान कर बीआरसी पर स्टॉक रजिस्टर में इंट्री, एमआईएस ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर पर डाटा अपलोड करने का भी निर्देश दिया गया है। स्टूडेंट किट मिलने से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के अभिभावकों को ज्यादा लाभ होगा। जो तंगी के कारण अपने बच्चों के लिए बैग व नोटबुक नहीं खरीद सकते हैं। वहीं सभी छात्र छात्राओं के बीच एक तरह का बैग मिलने से उनके अंदर एकरूपता आएगी। जिससे आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे अन्य बच्चों के बैग देख मानसिक रूप से प्रताड़ित भी नहीं हो सकेंगे। स्टूडेंट किट में बैग, पेंसिल, कॉपी व अन्य सामग्री दी जाएगी। स्टूडेंट किट मिलने से छात्रों को विद्यालय आने में रूची बढ़ेगी। किट में नोटबुक, पेंसिल, कलर, इरेजर, शार्पनर बैग रहेगा। प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया गया है कि कि प्रखंड कार्यालय से किट प्राप्त कर उसे विद्यालय के स्टॉक पंजी मे इन्ट्री अवश्य करें। विद्यालय स्तर पर छात्र छात्राओं के बीच किट वितरण की स्थिति को ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर छात्रवार अपडेट करना होगा। इसके साथ ही हुए प्रत्येक कक्षा का एक समूह फोटोग्राफ नोट कैम कैमरा से लेने के बाद उसे भी अपलोड करना होगा। वहीं प्रखंड संसाधन केंद्रों से छात्र छात्राओं के बीच वितरित की गई किट की भी मॉनिटरिंग एमआईएस पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। ताकि किट बच्चों तक पहुंच सके।

सावन उत्सव में बिखेरे लोक संस्कृति के रंग

निज संवाददाता | आरा

सावन उत्सव, बालिका उच्च विद्यालय एवं शिशु संस्थान में मनाया गया। हरी साड़ियों में सजी छात्राओं ने घिरी-घिरी आए बदरिया...जैसे गीतों पर नृत्य कर सावन की हरियाली और उमंग को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक रामजी तिवारी, प्रधानाध्यापिका डॉ. निरुपमा सिंह और सुरेश कुमार द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। कृतिका, अंशिका, नेहा, अनीशा, जिया, अनुष्का, अनु, शिवानी और रोशनी ने कजरी गीतों और झूले के माध्यम से लोक संस्कृति की सुंदर छवि प्रस्तुत की। प्रधानाध्यापिका डॉ. सिंह ने कहा कि सावन लोक परंपराओं को सहेजने का महीना है। शिक्षक अशोक तिवारी ने सावन की बारिश को धरती के उल्लास से जोड़ा। इसके उपरांत राखी मेकिंग और मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता, छात्राओं ने बेकार वस्तुओं से सुंदर राखियां और आकर्षक मेहंदी डिजाइन बनाए। मेहंदी प्रतियोगिता में कोमल खुराना ने प्रथम, खुशबू कुमारी ने द्वितीय और सुरभि कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, राखी मेकिंग में रागिनी, सौम्या और अंशु क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहीं। निर्देशक रामजी तिवारी ने विजेताओं को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया और कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में अभिभावकगण व शिक्षकगण उपस्थित रहे।

मृदंग सम्राट को भारत रत्न देने की उठी मांग

निज संवाददाता | आरा

भिखारी ठाकुर सांस्कृतिक मंच, पटेल बस पड़ाव परिसर में आयोजित समारोह में, प्रसिद्ध मृदंगवादक शत्रुंजय प्रसाद सिंह उर्फ बाबू ललन जी को भारत रत्न देने की मांग उठी। कार्यक्रम की शुरुआत बाबू ललन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई, जिसके बाद शास्त्रीय संगीत और बाबू ललन जी पर परिचर्चा हुआ। वक्ताओं ने कहा कि बाबू ललन जी आरा जैसे छोटे शहर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर संगीत की ऊंचाइयों तक पहुंचे। देश के किसी भी बड़े शास्त्रीय संगीत घराने के कलाकार आरा स्थित जमीरा कोठी को अपना सम्मान मानते थे और यहाँ आकर गौरवान्वित महसूस करते थे। यही वजह रही कि आरा को मिनी बनारस कहा जाने लगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सवर्ण क्रांति सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम सिंह ने की, जबकि संचालन पत्रकार नरेंद्र सिंह ने किया। इस दौरान भिखारी ठाकुर और उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण किया गया। अतिथियों का स्वागत पुष्पेंद्र नारायण सिंह ने किया। परिचर्चा के दौरान बाबू ललन जी की पूर्व शिष्या एवं महिला कॉलेज की पूर्व प्राचार्या डॉ. सरोज सिंह और शालिनी जी ने उनके साथ बिताए शास्त्रीय सम्मेलनों की यादें साझा कीं। उनकी पुत्रवधू लीला सिंह ने कोलकाता में आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उल्लेख करते हुए बताया कि एक साजिश के तहत मंच पर एक भारी मृदंग रख दिया गया था, लेकिन बाबू ललन जी ने अपने पैरों और हाथों से उसे इतनी खूबसूरती से बजाया कि पूरी सभा मंत्रमुग्ध हो गई। बाबू ललन जी पर रंगकर्मी व पत्रकार रविन्द्र भारती द्वारा लिखे गए आलेख को अधिवक्ता अतुल प्रकाश ने पढ़कर सुनाया, जिससे उपस्थित लोगों को उनके जीवन के कई पहलुओं की जानकारी मिली। परिचर्चा में सीनियर सिटीजन के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरेंद्र प्रसाद सिंह, नीरजा सिंह, अर्पित मिश्रा, स्वामी विक्रमादित्य, डॉ आरसी भूषण, कृष्ण प्रताप सिंह आदि थे।

ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर में एक लाख भक्तों ने किया जलाभिषेक

निज संवाददाता | बक्सर

बक्सर के प्रसिद्ध ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर में सावन महीने की तीसरी सोमवारी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सोमवार दोपहर 12 बजे तक ही एक लाख से अधिक भक्तों ने बाबा का जलाभिषेक किया। 'मनोकामना महादेव' के नाम से प्रसिद्ध यह मंदिर हर सोमवारी भक्तों से भरा रहता है। लेकिन तीसरी सोमवारी पर यहां आस्था का विशेष सैलाब देखने को मिला। मंदिर परिसर स्थित शिव गंगा पोखरा के चारों ओर भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। अधिकांश कांवरिए 40 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर गंगा से जल भरकर यहां पहुंचे। कतार की लंबाई लगभग एक किलोमीटर तक फैली रही। इससे श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा।

प्रशासन ने सुरक्षा के किए कड़े इंतजामः पिछले साल सावन के दौरान शिव गंगा सरोवर में हुई घटना को देखते हुए इस बार प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। NDRF की टीम को सरोवर में तैनात किया गया है। जिला प्रशासन ने पुलिस बल और स्वयंसेवकों की तैनाती कर भीड़ को नियंत्रित करने की व्यवस्था की है। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, चिकित्सा शिविर और विश्राम स्थलों की भी व्यवस्था की गई है। कई सामाजिक संगठनों और स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी कांवरियों के लिए भोजन और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की है।

'मनोकामना महादेव' के रूप में जाना जाता है मंदिरः ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर को क्षेत्र में 'मनोकामना महादेव' के रूप में जाना जाता है। यह सावन माह में विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि यहां जलाभिषेक करने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसी कारण बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड समेत विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु हर सोमवारी यहां आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

इंद्रधनुष साहित्य परिषद के संरक्षक संजीव रंजन को साहित्यकारों ने बधाई दी

अररिया। केंद्रीय अर्धसैनिक बल (सीआरपीएफ) के डीआईजी संजीव रंजन को सीआरपीएफ के-87 वीं स्थापना दिवस के मौके पर सेक्टर मुख्यालय भोपाल में आयोजित सैनिक सम्मेलन में विशेष प्रशस्ति और गोल्डन डिस्क देकर सम्मानित किया गया। संजीव रंजन को सम्मानित किए जाने पर इंद्रधनुष साहित्य परिषद के साहित्यकारों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामना दी। संजीव रंजन स्थानीय साहित्यिक संस्था इंद्रधनुष साहित्य परिषद के संरक्षक सदस्य और साहित्यकार हैं । वे फारबिसगंज के ही रहने वाले हैं। संजीव रंजन को यह सम्मान नक्सल प्रभावित छत्तीसगढ़ में पिछले 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रदान किया गया है। यह एक महत्वपूर्ण सम्मान है जो केवल उन अधिकारियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया हो। संजीव रंजन को बधाई देने वालों में साहित्य परिषद् के मांगन मिश्र मार्तंड, हेमंत यादव, डा. अनुज प्रभात, संजय कुमार कुंदन, दिवाकर कुमार, सुरेन्द्र प्रसाद मंडल, अरविंद ठाकुर, हसमत सिद्दीकी, अजातशत्रु अग्रवाल, विजय बंसल, हर्ष नारायण दास, शिव नारायण चौधरी, परमेश्वर प्रसाद साह, अशोक यादव, राहुल कुमार ठाकुर, सुनील दास, तथा बिनोद कुमार तिवारी आदि प्रमुख हैं।

नागेश्वर महादेव मंदिर से निकली कांवड़ यात्रा, दो सौ से अधिक शिव भक्त हुए शामिल

अररिया। सावन माह की तीसरी सोमवारी को फारबिसगंज के वार्ड संख्या-8 स्थित नागेश्वर महादेव मंदिर से कांवड़ यात्रा निकाली गई। श्रद्धा,भक्ति और उत्साह से परिपूर्ण इस यात्रा में दो सौ से अधिक शिव भक्तों ने हिस्सा लिया,जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रही। कांवड़ यात्रा में शामिल कांवरिया मटियारी नदी से पवित्र जल भरकर पहले बड़ा शिवालय महादेव मंदिर पहुंचे, जहां विधिवत जल अर्पण किया गया। इसके बाद यात्रा पुनः नागेश्वर महादेव मंदिर लौटी, जहां भगवान शिव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की गई। यात्रा के दौरान पूरा वातावरण बोल बम,हर-हर महादेव और शिव भजनों से गूंज उठा। डीजे की भक्तिमय धुनों पर श्रद्धालु झूमते हुए आगे बढ़ते रहे। जगह-जगह स्थानीय लोगों ने कांवरियों का स्वागत किया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद नंदन ठाकुर, संतोष पासवान, सुनील रजक, रमन पोद्दार, प्रेम प्रकाश सिंह, सुजीत राम, विकास पोद्दार, किशन पोद्दार, राजू रजक, सपना राय, लीला देवी, पिंकी देवी, मीरा देवी, अंजू देवी, मंजू देवी, नंदिनी, छोटू, काजल, कोमल सहित अन्य शिव भक्त उपस्थित रहे।आयोजन समिति की ओर से कांवड़ यात्रा के दौरान पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा और विश्राम की व्यवस्था की गई थी।

जीव संरक्षण अधिनियम के तहत परिवाद दायर

समस्तीपुर। जिले के रोसड़ा अनुमंडल अंतर्गत विभूतिपुर प्रखंड के सिंघिया घाट के सड़कों पर पूर्व में किए गए सांपों की प्रदर्शनी में सम्मिलित व्यक्तियों के विरुद्ध वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 2(16) के क, ख, तथा ग धारा 9 ,धारा 39 (3) एवं धारा 51 के तहत कुल पांच व्यक्तियों एवं को चिन्हित कर एवं अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध वाद दायर किया गया था। नाग पंचमी के अवसर पर भी इस तरह की घटनाओं की संभावना को देखते हुए उनके रोकथाम हेतु अनुमंडल पदाधिकारी रोसड़ा, प्रखंड विकास पदाधिकारी विभूतिपूर, अंचलाधिकारी विभूतिपुर एवं थाना प्रभारी विभूतिपुर द्वारा बैठक कर यह स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि बिना किसी अनुमति के यदि इस प्रकार की कोई यात्रा या जुलूस निकाला जाता है तो ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध वन्य संरक्षण अधिनियम 1972 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। इस संदर्भ में जिलाधिकारी समस्तीपुर द्वारा सभी अनुमंडल पदाधिकारी /सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी /सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी/ सभी अंचलाधिकारी को स्पष्ट रूप से निदेशित किया गया है इस प्रकार के कार्यक्रम/घटनाओं में जो भी व्यक्ति शामिल होते हैं अथवा जो आयोजक होते हैं तो ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत आवश्यक कार्रवाई अनिवार्य रूप से करते हुए प्रतिवेदन समर्पित करेंगे ।साथ ही उनके द्वारा सभी व्यक्तियों से अपील भी की गई है कि इस प्रकार की घटनाओं में शामिल होने एवं दंड का भाग होने से बचे एवं सरकारी दिशा निदेश का अनुपालन करना सुनिश्चित करें।

भागलपुर में शिवालयों में शिव भक्तों की भीड़, उत्तर वाहिनी गंगा से अब तक 1.5 लाख भक्तों ने उठाया जल

भागलपुर। भागलपुर में सावन की तीसरी सोमवारी पर शिवालयों में शिव भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है। बारिश के बीच सुबह से ही भक्त जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। 'हर हर महादेव' और 'बोल-बम' के जयकारों माहौल भक्तिमय मय हो गया। सुल्तानगंज स्थित पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा घाट पर कांवरियों की काफी भीड़ है। पिछले 24 घंटे में 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु जल भरकर बाबा नगर देवघर रवाना हो गए हैं। इसमें बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल हैं। शिवभक्त बारिश की रिमझिम फुहारों के बीच नाचते-गाते, झूमते हुए आगे बढ़ रह हैं। शिवभक्तों का कहना है कि यह बारिश महादेव की कृपा है, जो कांवर यात्रा को और भी पवित्र बना देती है। महादेव के जयकारों के बीच श्रद्धालु करीब 105 किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा पर निकले। अजगैबीनाथ धाम और नमामि गंगे घाट से लेकर कच्ची कांवरिया पथ पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जगह-जगह पुलिस, सिविल डिफेंस, चिकित्सा दल और वॉलंटियर तैनात हैं। साथ ही गंगा घाट पर स्नान के लिए बैरिकेडिंग की गई है और जल आपूर्ति, शौचालय, कैंप आदि की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

भागलपुर में गंगा में डूब रहे दोस्तों को बचाने में डूबा छात्र

2 घंटे की मशक्कत के बाद निकाली गई लाश, 5 दोस्तों के साथ गया था नहाने

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में गंगा में नहाने के दौरान डूब रहे तीन दोस्तों को बचाने में एक छात्र की डूबकर मौत हो गई। घटना की जानकारी के बाद करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद डूबे छात्र की लाश गंगा से निकाली गई। परिजन के मुताबिक, मृत छात्र सावन की तीसरी सोमवारी के मौके पर पांच दोस्तों के साथ गंगा में नहाने गया था। मामला नाथनगर थाना क्षेत्र के शंकरपुर दारापुर दियारा का है। मृत छात्र की पहचान बबरगंज थाना क्षेत्र के अलीगंज के रहने वाले मनोज साह के 14 साल के बेटे राजदीप कुमार के रूप मे हुई है। राजदीप कुमार 11वीं का छात्र था। उधर, राजदीप के गंगा में डूबने की सूचना के बाद नाथनगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से राजदीप की तलाश में जुट गई थी।

राजदीप के बड़े भाई अमरदीप ने बताया कि मेरा भाई सावन के तीसरी सोमवारी के मौके पर आज अपने पांच दोस्तों के साथ सुबह 7 बजे गंगा में स्नान करने गया था। गंगा में नहाने के दौरान अमरदीप समेत उसके दोस्त गहरे पानी में चले गए। इसी दौरान राजदीप के तीन दोस्त डूबने लगे, जिसे देख राजदीप आगे बढ़ा और दो लड़कियों और एक लड़के को निकाल लिया, लेकिन खुद डूब गया। मृतक के भाई अमरदीप ने बताया कि राजदीप के तीन दोस्त दीपक, साधना कुमारी, सुजल कुमार और एक अन्य लड़की डूबने लगी थी, जिसे बचाने के चक्कर में मेरा भाई गंगा की तेज धारा की चपेट में आ गया और डूब गया।

तीन भाई-बहन में दूसरे नंबर पर था राजदीपः जानकारी के मुताबिक, राजदीप तीन भाई बहनों में दूसरे नंबर पर था। अमरदीप ने बताया कि भाई के डूबने के बाद उसके दोस्तों ने नाथनगर प्रखंड के गोताखोरों की टीम को जानकारी दी। इसके बाद गोताखोरों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद राजदीप को गंगा से निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

शव का नही कराया पोस्टमार्टमः घटना के बाद मौके पर पहुंचे मृतक के परिजनों ने मृतक राजदीप के शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। मौके पर मौजूद नाथनगर थाना पुलिस ने काफ़ी परिजनों को समझाया लेकिन फिर भी पोस्टमार्टम कराने से इनकार करते हुए पुलिस को लिखित आवेदन देकर शव को घर लेकर चले गए। नाथनगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ने बताया की परिजनों ने पोस्टमार्टम करने से मना कर दिया और लिखित आवेदन दिया है।

कटाव के कारण तटबंध टूटा उच्चस्तरीय जांच की मांग

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के इस्माइलपुर-बिंद टोली तटबंध का एक हिस्सा 70 से 75 मीटर तक क्षतिग्रस्त हो गया है। गंगा का जलस्तर घटने से रविवार देर रात कटाव शुरू हुआ। जिसके चलते तटबंध डैमेज हुआ है। एवरग्रीन कंपनी के माध्यम से जल संसाधन विभाग की ओर से तटबंध के स्पर संख्या-9 पर छह करोड़ से अधिक की लागत से 145 मीटर लंबी बोल्डर क्रेटिंग कर कटाव रोकने का काम कराया गया था। यह काम 30 जून तक पूरा हुआ था। मात्र 27 दिनों में ही डैमेज हो गया। ग्रामीण दिनेश मंडल ने आरोप लगाते हुए कहा कि कटाव निरोधी कार्य में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। सरकारी राशि की बंदरबांट की गई है। कार्य के दौरान विभाग की क्वालिटी कंट्रोल और उड़नदस्ता टीम ने सिर्फ औपचारिक जांच कर खानापूर्ति की है। जिससे ठेकेदारों को मनमानी करने का मौका मिला। मामले की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा हादसा हो सकता है।

♦ 27 दिन पहले 6 करोड़ की लागत से बोल्डर क्रेटिंग का हुआ था काम

समस्या के समाधान का मिला आश्वासनः कटाव की जानकारी मिलते ही कार्यपालक अभियंता ई. गौतम कुमार, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन फ्लड फाइटिंग कार्य की गति बेहद धीमी रही। मौके पर ठेकेदार के मजदूर ही बांस और बालू भरी बोरियां डालते नजर आए। जबकि विभाग में 33 ठेकेदार फ्लड फाइटिंग कार्य के लिए निबंधित है। सभी को बोरियां उपलब्ध कराई गई है। कार्यपालक अभियंता ई. गौतम कुमार ने कहा कि विभाग की टीम लगी हुई है। जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

भागलपुर में ऑटो पलटने से 7 लोग घायल

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में ऑटो पलटने से 7 श्रद्धालु घायल हो गए। ये लोग तीसरी सोमवारी के मौके पर मंदिर जा रहे थे। हादसे में 6 को हल्की चोट लगी है। स्थानीय लोगों की मदद से इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, एक किशोर की स्थिति गंभीर है। बताया जा रहा कि तेज रफ्तार के कारण हादसा हुआ है। स्थानीय राहगीरों और लोगों ने सभी घायलों को किसी तरह से ऑटो से बाहर निकाला। घटना भवानीपुर थाना क्षेत्र के मथुरापुर जहाज घाट के पास की है।

नवगछिया की ओर जा रहे थेः गंभीर रूप से घायल युवा किशोर की पहचान भरतखंड थाना क्षेत्र के मथुरापुर नयावास निवासी श्याम मंडल के 10 वर्षीय बेटे सरजीत कुमार के तौर पर हुई है।

तीसरी सोमवारी पर जा रहे थे मंदिर, तेज रफ्तार के कारण हुआ हादसा

उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणपुर में भर्ती करवाया गया है। घायल सरजीत की मां ने बताया कि वह पूजा करने के लिए नवगछिया की तरफ जा रही थी। तेज रफ्तार होने के कारण मथुरापुर जहाज घाट के पास ऑटो पलट गया, जिसके कारण हादसे का शिकार हो गया। श्रद्धालुओं के अलावा अन्य लोग भी ऑटो पर सवार थे। हालांकि उन्हें कुछ नहीं हुआ।

डीजे पर डांस के विवाद में जमकर चले लाठी-डंडे, महिला समेत 6 से ज्यादा लोग घायल

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर मे डीजे पर डांस करने के विरोध करने पर दो पक्षों में जमकर मारपीट की घटना हुई। घटना में आधा दर्जन से जायदा लोगों जख्मी हुए हैं। जख्मी सभी को भागलपुर के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ने भर्ती कराया है। घायलों की पहचान 18 साल के मोहम्मद रेहान, 15 साल के मोहम्मद कामरान, 60 साल की शमीमा, 48 साल के मोहम्मद बबलू, सोनू, शाहिद और सना के रूप मे हुई है। मामला भागलपुर जिले के इशाकचक थाना क्षेत्र के लालूचक 12 नबंर गुमटी के पास का है। घायल के परिजन ने बताया कि पड़ोस के घर से बारात निकल रही थी और डीजे के धुन पर सभी थिरक रहे थे। इसी बीच जिस घर में शादी थी, उसके पड़ोस में रहने वाला मोहम्मद कामरान डांस के लिए पहुंच गया। इसके बाद बारात में शामिल कुछ लड़कों ने कामरान को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद कामरान ने इसका विरोध किया। थोड़ी देर के बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। आरोप है कि बारातियों ने लाठी-डंडे और रॉड से कामरान और उसे बचाने आए परिजन की जमकर पिटाई की।

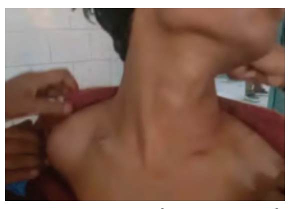

डांस के दौरान थप्पड़ मारने पर माहौल बिगड़ाः जानकारी के मुताबिक, लालूचक 12 नंबर गुमटी के रहने वाले मोहम्मद बबलू के बेटे दिलखुश की बारात रविवार को देर शाम निकल रही थी। इसी दौरान मोहम्मद बबलू के पड़ोसी मोहम्मद अफसर का 15 साल का बेटा मोहम्मद कामरान डीजे की धुन पर डांस करने चला गया। इसी दौरान बारात में शामिल होने दिल्ली से आए कुछ लड़कों ने कामरान को थप्पड़ मार दिया। जब कामरान ने इसकी जानकारी अपने परिजन को दी, तो उन्होंने घटना पर पहुंचकर थप्पड़ मारने वाले लड़कों का विरोध किया। आरोप है कि दिल्ली से आए लड़कों ने लाठी-डंडों और रॉड से कामरान और उसके पूरे परिवार की जमकर पिटाई कर दी। पीड़ित परिजनों ने बताया कि विवाद होने के बाद मामला शांत हो गया और बारात शादी के लिए रवाना हो गई। पीड़ित परिजन का आरोप है कि सोमवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे बारात लौटी तो एक बार फिर दिल्ली से आए लड़कों ने दोबारा कामरान के परिवार के साथ मारपीट की।

♦ थप्पड़ चलाने के बाद शुरू हुआ था विवाद

लिखित शिकायत मिलने पर होगी कार्रवाईः मारपीट की घटना को लेकर इशाकचक थानाध्यक्ष चंद्रशेखर ने बताया कि मारपीट की सूचना पर घटनास्थल और पुलिस टीम को भेजकर घायल सभी को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी तक किसी भी पक्ष की तरफ से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है।

श्रावण माह के तीसरे सोमवार को बाबा सोमेश्वर महादेव को लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

निज संवाददाता। पूर्वी चंपारण

उमस भरी भीषण गर्मी के बीच श्रावण मास की तीसरी सोमवारी पर जिले के अरेराज स्थित सुप्रसिद्ध मनोकामनापूरक पंचमुखी बाबा सोमेश्वरनाथ महादेव को जलाभिषेक के लिए मंदिर में लाखो श्रद्धालुओ की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।देर रात्रि पूजा के बाद करीब दो बजे ही श्रद्धालुओ के जलाभिषेक के लिए मंदिर का पट खोल दिया गया। मंदिर प्रबंधन के अनुसार दोपहर तक करीब डेढ लाख से ज्यादा लोग जलाभिषेक कर चुके हैं।वही अब भी जलाभिषेक के लिए मंदिर परिसर के बाहर कई किलोमीटर तक श्रद्धालुओ की लंबी कतार लगी हुई है।पूरा वातावरण "बोल बम" और "हर-हर महादेव" के जयघोष से गूंजायमान हो रहा है।

मंदिर के महंत महा मंडलेश्वर रविशंकर गिरि ने बताया कि श्रद्धालुओ की भारी भीड़ को देखते हुए उनकी सुविधा के लिए महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग लाइनें लगाई गई हैं। सुरक्षा को लेकर प्रशासन के स्तर पर भी व्यापक प्रबंध किये गये है।अरेराज डीएसपी रवि कुमार स्वयं भीड़ पर नजर बनाएं दिखे। उन्होने बताया कि श्रद्धालुओ के भीड़ को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में महिला व पुरूष बल की तैनाती की गई है।इसके साथ ही सादे लिबास पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है,ताकि संदिग्ध लोगो पर पैनी नजर रखी जा सके। पूरे मंदिर परिसर को सीसीटीवी कैमरों से लैस कर कंट्रोल रूम से निगरानी की जा रही है।इसके साथ ही मंदिर परिसर में मेडिकल कैंप भी लगाया गया है।जहां डॉक्टरों की टीम किसी भी आपात स्थिति से निबटने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे है।

पूर्व रेलवे

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/सी, पूर्व रेलवे वर्कशॉप, काँचरापाड़ा, कैरिज कॉम्प्लेक्स, उत्तर 24 परगना, पीओ काँचरापाड़ा, पिन-743145 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **निविदा सूचना सं. इनोक्यूलमप्लांट-आर-केपीए-सी-25, कार्य का नाम और उसका स्थान:** कैरिज कॉम्प्लेक्स में 100 मी³ कैपासिटी X 2 अदद आरसीसी इनोक्यूलम जेनरेशन फैसिलिटी प्लांट का निर्माण। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु.95,03,296.23, **निविदा कागजात की लागत (टीडीसी):** शून्य। **वेबसाइट जहाँ से निविदा कागजात उपलब्ध होगा:** निविदा कागजात का संपूर्ण सेट भारतीय रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www. ireps.gov.in पर दिनांक 24.07.2025 से 16.08.2025 को 12.00 बजे तक उपलब्ध है। **जमा की जाने वाली प्रतिभूति राशि :** रु. 1,90,100/-, **कार्य पूरा करने की अवधि :** 04 माह (चार माह)। **विज्ञापन अवधि:** दिनांक 24.07.2025 से 16.08.2025 को 12.00 बजे तक। **प्रस्ताव जमा करने की अवधि:** दिनांक 02.08.2025 से 16.08.2025 को 12.00 बजे तक। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 16.08.2025 को 12.00 बजे तक। **निविदा की वैधता :** 69 (उनहत्तर) दिन। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** निविदा दिनांक 16.08.2025 को 13.00 बजे एवं उसके बाद खोली जाएगी।

MISC-144/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आसनसोल-गोरखपुर-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन

श्रावणी मेला के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए, 03527/03528 **आसनसोल-गोरखपुर-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन** निम्नलिखित संक्षिप्त समयसूची, ठहराव, आवागमन की तिथियों और गठन के अनुसार चलाई जाएगी:-

आसनसोल-गोरखपुर स्पेशल		(03527) (03528)	गोरखपुर-आसनसोल स्पेशल	
आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.
–	21.00	↓ आसनसोल	03.50	–
23.00	23.05	जसीडीह	01.25	01.30
01.05	01.07	किऊल	23.45	23.47
03.20	03.30	पटना	20.25	20.35
10.45	–	गोरखपुर ↑	–	13.45

उपर्युक्त स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में मार्ग में चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, मोकामा, बख्तियारपुर, पाटलिपुत्र, छपरा, सीवान और देवरिया सदर स्टेशनों पर भी रुकेगी। **आवागमन की तिथियाँ: आसनसोल से:** 03527 दिनांक 28.07.2025 से 10.08.2025 तक (प्रतिदिन)=14 ट्रिप और **गोरखपुर से:** 03528 दिनांक 29.07.2025 से 11.08.2025 तक (प्रतिदिन)=14 ट्रिप। **गठन:** साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस)/शयनयान श्रेणी - 20 (अनारक्षित) और एसएलआरडी-2 = 22 कोच। **कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

आसनसोल-दानापुर-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन रद्द रहेगी

03553/03554 आसनसोल-दानापुर आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन के शेष ट्रिप को आसनसोल से यात्रा शुरू होने की तिथि 28.07.2025 से और दानापुर से यात्रा शुरू होने की तिथि 29.07.2025 से **रद्द** माना जाएगा।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सामाजिक कार्यकर्ता मोहन आनंद ने थमा जन सुराज का दामन

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज के सामाजिक कार्यकर्ता मोहन आनंद ने जन सुराज का दामन थामा। सोमवार को पटना स्थित शेखपुरा हाउस में जन सुराज के प्रशांत किशोर की उपस्थिति में मोहन आनंद ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जन सुराज का दामन थामने के बाद मोहन आनंद ने कहा कि उनका यह कदम न केवल उनके सामाजिक सरोकारों को एक राजनीतिक मंच प्रदान करेगा, बल्कि फारबिसगंज जैसे उपेक्षित क्षेत्रों की समस्याओं को जन सुराज की नीतिगत दृष्टि से जोड़ने का एक प्रयास भी है।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक राजनीतिक कदम नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा, रोजगार और क्षेत्रीय विकास के संघर्ष को एक व्यवस्थित आंदोलन में बदलने की शुरुआत है। उन्होंने आगे कहा कि प्रशांत किशोर की सोच, गांव-गांव तक जनसंवाद और नीतिगत बदलाव की जो योजना है, वही आज बिहार और खासकर सीमांचल को चाहिए। मोहन आनंद लंबे समय से फारबिसगंज इलाके में शिक्षा, स्वास्थ्य, युवाओं के हक और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर आंदोलनरत रहे हैं। प्रशासनिक लापरवाहियों के खिलाफ उन्होंने अपने समर्थकों के साथ प्रदर्शन भी किया है।इधर प्रशांत किशोर ने विश्वास जताया कि मोहन आनंद जैसे ज़मीनी कार्यकर्ता के जुड़ने से सीमांचल में जन सुराज को और मजबूती मिलेगी।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, औरंगाबाद
ई-निविदा आमंत्रण सूचना सं0-04/ औरंगाबाद/2025-26

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक-1066 अनु0 दिनांक-21.06.2025 के द्वारा निर्गत ई-निविदा आमंत्रण सूचना सं0-04/औरंगाबाद/2025-26 जिसका पी0आर0नं0-006797 (BCD) 2025-26 है का अपरिहार्य कारणवश अवधि विस्तार किया जाता है।

कार्य का नाम-

1- CSR योजनान्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ केंद्र दाउदनगर में औषधि भंडार कक्ष का निर्माण कार्य
2- CSR योजनान्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ केंद्र दाउदनगर में महिला एवं पुरूष वार्ड का निर्माण चिकित्सक एवं कर्मी कक्ष का निर्माण कार्य
3- CSR योजनान्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ केंद्र बारूण मे डायग्नोस्टिक भवन का निर्माण कार्य
4- CSR योजनान्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ केंद्र देव मे डायग्नोस्टिक भवन का निर्माण कार्य

	विवरण	पूर्व में निर्धारित तिथि	नवसंशोधित तिथि
1	परिमाण विपत्र बिक्री (डाउनलोड करने की) तिथि एवं समय	14.07.2025 से 18.08.2025 तक 3:00 बजे अपराह्न तक	31.07.2025 से 26.08.2025 तक 3:00 बजे अपराह्न तक
2	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	केवल वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर	केवल वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर
3	निविदा प्राप्ति (अपलोड) करने की तिथि एवं समय	14.07.2025 से 18.08.2025 तक 3:00 बजे अपराह्न तक	31.07.2025 से 26.08.2025 तक 3:00 बजे अपराह्न तक
4	प्री बीड मीटिंग की तिथि, समय एवं स्थान	(i) दिनांक-08.07.2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल गया का कार्यालय	(i) दिनांक-08.07.2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल गया का कार्यालय
5	निविदा खोलने की तिथि एवं समय (तकनीकी बीड)	दिनांक 19.08.2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक	दिनांक 27.08.2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तिथि एवं समय (वितीय बीड)	तकनीकी बीड के उपरांत	तकनीकी बीड के उपरांत
7	निविदा प्राप्ति का स्थान	1 कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल,औरंगाबाद का कार्यालय। 2. अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल गया का कार्यालय।	1 कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, औरंगाबाद का कार्यालय। 2. अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल गया का कार्यालय।

शेष सभी शर्ते पूर्ववत रहेगी।

PR. No. 009725 (BCD) 25-26

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमंडल, औरंगाबाद

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

नाग पंचमी की पूजा के दौरान इन बातों का रखें विशेष ध्यान, प्रसन्न होंगे नाग देवता

पंचांग के अनुसार नाग पंचमी का पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा। यह त्योहार नाग देवता को समर्पित है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन सांपों को दूध पिलाने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है और नाग देवता की पूजा करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेकिन पूजा के दौरान कुछ गलतियों को करने से कई समस्या जीवन में आ सकती है।

सावन के महीने में नाग पंचमी का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर पड़ता है। इस दिन नाग देवता की पूजा-अर्चना और व्रत करने का विधान है। मान्यता है कि नाग देवता की उपासना करने से साधक के सभी कष्ट दूर होते हैं। इस दिन पूजा के दौरान कई बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पूजा नियम का पालन न करने से साधक शुभ फल की प्राप्ति से वंचित रहता है। चलिए इस लेख में जानते हैं नाग पंचमी की पूजा के नियम के बारे में।

इन बातों का रखें ध्यान

नाग पंचमी के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद पूजा करें। इस दिन मंदिर में चांदी के नाग और नागिन का दूध से अभिषेक करें और जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को राहु और केतु से संबंधित दोषों से छुटकारा मिलता है।

- नाग पंचमी पर चांदी के नाग और नागिन का दान करने से कार्यों में आ रही बाधा दूर होती है और कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा साधक को नाग देवता का आशीर्वाद प्राप्त होता है।
- नाग पंचमी के अवसर पर पूजा के दौरान नाग देवता को दूध अर्पित करें। इससे भय दूर होता है और परिवार के सदस्यों को सुख-शांति की प्राप्ति होती है।
- नाग पंचमी के दिन नाग देवता और शिवलिंग पर दूध अर्पित करने के लिए तांबे के धातु से बने पात्र का प्रयोग नहीं करना चाहिए। दूध चढ़ाने के लिए पीतल से बने पात्र को अच्छा माना जाता है।
- इसके अलावा नुकीली चीजों के इस्तेमाल से दूर रहें। ऐसा करना हानिकारक हो सकता है और इससे नाग देवता क्रोधित हो सकते हैं।

नाग पंचमी क्यों मनाते हैं

इस दिन क्यों पीटते हैं गुड़िया, क्यों नहीं बनाई जाती रोटी

नाग पंचमी हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है. यह दिन पूरी तरह से नागों या सांपों को समर्पित है, जिनकी हिंदू पौराणिक कथाओं में पूजा की जाती है. इस दिन बड़ी संख्या में भक्त नागों की पूजा करते हैं. यह त्योहार भारत और नेपाल में भी पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है. हिंदू कैलेंडर के अनुसार इस साल नाग पंचमी सावन के महीने में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि यानी 29 जुलाई को मनाई जाएगी.

नाग पंचमी सावन के महीने में आती है जो भगवान शिव को समर्पित एक पवित्र महीना है. हिंदू शास्त्रों के अनुसार, नागों को हमेशा एक विशेष स्थान दिया जाता है और उन्हें भगवान के रूप में पूजा जाता है. नाग पंचमी के इस शुभ दिन पर, भक्त भगवान के रूप में नागों, सर्पों या सांपों की पूजा करते हैं. लोग मिट्टी से सांप बनाते हैं और उन्हें अलग-अलग रूप देते हैं और उन्हें रंगते हैं, उनकी पूजा करते हैं और दूध और अन्य खाद्य पदार्थ चढ़ाते हैं. कई लोग विशेष रूप से दक्षिण भारत में नागों या सांपों से जुड़े मंदिरों में जाते हैं और उनकी पूजा करते हैं. उन मंदिरों में विशेष पूजा की जाती है और लोग इस त्योहार को बहुत भव्यता के साथ मनाते हैं. सपेरे भी सांपों को लेकर सड़कों पर निकलते हैं और उन्हें दूध और पैसे चढ़ाए जाते हैं.

नाग पंचमी का क्या है इतिहास

हिंदू धर्म में नाग पंचमी के उत्सव से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं. ऐसी ही एक लोकप्रिय कहानी भगवान कृष्ण और कंस की है. चूंकि भगवान कृष्ण को कंस के अंत का कारण माना जाता था, इसलिए कंस ने भगवान कृष्ण को मारने के लिए कालिया नामक एक सांप को भेजा था. एक दिन जब भगवान कृष्ण नदी के पास अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे, तो उनकी गेंद पानी में गिर गई. जब वह अपनी गेंद को खोजने के लिए पानी में उतरे, तो उन पर कालिया ने हमला कर दिया. लेकिन अपनी विशेष शक्तियों के कारण, कृष्ण ने न केवल सांप को हराया बल्कि उस पर विजय प्राप्त की और उसके सिर पर बैठकर बांसुरी बजाई. कालिया ने बालकृष्ण से माफ़ी मांगी और वादा किया कि वह कभी भी गांव वालों को नुकसान पहुंचाने के लिए वापस नहीं आएगां यह दिन कालिया पर बालकृष्ण की जीत का प्रतीक है.

नाग पंचमी मंत्र

ऊँ नवकुलया विद्महे विषदंतये धीमहि तन्नो सर्प: प्रचोदयात..!!

नाग पंचमी पर क्यों पीटते हैं गुड़िया

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक लड़का महादेव का बहुत बड़ा भक्त था. वह प्रतिदिन भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिर जाता था. उस लड़के को मंदिर में प्रतिदिन नाग देवता के दर्शन होते थे. एक बार सावन के महीने में जब वह लड़का अपनी बहन के साथ शिवलिंग की पूजा करने आया. तब भाई-बहन की पूजा से प्रसन्न होकर नाग देवता उन दोनों के पास आकर बैठ गए. यह देखकर लड़के की बहन बहुत डर गई. उसे लगा कि कहीं सांप उसके भाई को न काट ले, इसलिए उसने सांप को डंडे से पीटना शुरू कर दिया. जिससे सांप बहुत घायल हो गया. भाई सांप की हालत देखकर बहुत दुखी हो रहा था. उस समय मंदिर में उपस्थित पुजारी ने कहा कि एक निर्दोष सांप को प्रताड़ित करने के कारण बहन पर सर्प श्राप लग गया है, जिसके कारण तुम्हारी बहन को कई गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. भाई ने इस श्राप से मुक्ति पाने का उपाय पूछा तो पुजारी ने उसे कपड़े की एक गुड़िया बनाने को कहा. लड़के ने पुजारी के बताए अनुसार कपड़े की एक गुड़िया बनाई और उसे 11 बार सीधा और 11 बार उल्टा पीटना शुरू कर दिया. फिर उसने गुड़िया को जमीन में गहरा गाड़ दिया और इसके बाद सांप की पूजा की. भाई के ऐसा करते ही बहन को सर्प श्राप से मुक्ति मिल गई. कहा जाता है कि तभी से नाग पंचमी पर गुड़िया को पीटा जाने लगा ताकि नाग देवता को किसी भी प्रकार की पीड़ा न हो.

नाग पंचमी के दिन क्यों नहीं बनाई जाती रोटी

आपको बता दें कि नाग पंचमी के दिन लोहे की वस्तुओं का प्रयोग वर्जित माना जाता है. ऐसे में अगर आप लोहे के तवे पर रोटी बनाते हैं तो यह बहुत ही अशुभ माना जाता है. इतना ही नहीं, ऐसी भी मान्यता है कि तवे को सांप के फन का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में तवे को आंच या गैस पर चढ़ाने से नाग देवता नाराज हो जाते हैं. इसलिए नाग पंचमी के दिन तवे को चूल्हे पर नहीं रखना चाहिए. इसके अलावा तवे को राहु का प्रतीक भी माना जाता है. वहीं, अगर इस दिन तवे का प्रयोग किया जाए तो आपकी कुंडली में राहु का प्रभाव बढ़ जाता है. जिससे कई तरह की परेशानियां शुरू हो जाती हैं. इसलिए इस दिन रोटी खाना वर्जित माना जाता है. इसके साथ ही अगर कोई नाग पंचमी के दिन रोटी खाता है तो उसके जीवन में धन की कमी भी होती है. इसके अलावा परिवार के सदस्यों की तरक्की के रास्ते में कई तरह की बाधाएं भी आने लगती हैं.

नाग पंचमी कब है? इस बार बने कई शुभ योग

सावन मास की कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि के दिन नागपंचमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन नाग देवता की पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पूजा पाठ करने से कालसर्प दोष का अशुभ प्रभाव कम होता है। इस बार नागपंचमी पर कई शुभ योग का संयोग बन रहा है। आइए जानते हैं नाग पंचमी कब मनाई जाएगी। साथ ही जानें नाग पंचमी पर कौन से शुभ योग बने हैं और महत्व।

वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि का आरंभ 28 तारीख को रात में 11 बजकर 25 मिनट पर आरंभ होगी और 29 तारीख को रात में 12 बजकर 47 मिनट तक तिथि रहेगी। उदय तिथि का अनुसार, नाग पंचमी तिथि 29 तारीख को ही मनाई जाएगी। इस बार नाग पंचमी तिथि पर शिव योग, रवि योग और लक्ष्मी योग का बेहद शुभ संयोग बन रहा है। साथ ही इस दिन सावन का मंगलवार होने के कारण इस बार नाग पंचमी पर मंगला गौरी व्रत का संयोग भी है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए जप तप का शुभ फल मिलता है।

नाग पंचमी का महत्व

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में काल सर्प दोष है तो इस दिन नाग पूजा करने से काल सर्प दोष का नकारात्मक प्रभाव कम होता है। साथ ही धार्मिक मान्यताओं के अनुसार,यह पर्व नाग देवता का प्रति सम्मान और उनकी सुरक्षा का प्रतीक भी है। कहा जाता है कि इस दिन पूजा करने से घर में खुशियां और सुख समृद्धि बनी रहती है।

नाग पंचमी पूजा विधि

नागपंचमी के दिन सुबह जल्दी उठकर साफ वस्त्र धारण करें इसके बाद एक लकड़ी की चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं और उसपर नाग देवता की प्रतिमा स्थापित करें अगर आपके पास मूर्ति नहीं है तो आप आटे की सर्प बनाकर पूजा कर सकते हैं। इसके बाद नाग देवता को दूध, जल, हल्दी, चावल, फूल, रोली,मिठाई आदि चीजें नाग देवता को अर्पित करें और ओम नागदेवाय नम- मंत्र का जप करें। फिर नाग पंचमी की कथा का पाठ करें और नाग देवता की प्रतिमा का दूध से अभिषेक करें और अंत में हाथ जोड़कर पूजा में हुई भूल के लिए माफी मांगे।

नाग पंचमी का त्योहार नागों, सांपों की पूजा के लिए समर्पित है। महाभारत में, राजा जनमेजय ने अपने पिता राजा परीक्षित की मृत्यु का बदला लेने के लिए नागों का नरसंहार करने के लिए यज्ञ शुरू किया था। ऋषि आस्तिक ने नागों को बचाने के लिए हस्तक्षेप किया और यज्ञ रोकने में सफल रहे। यज्ञ रुकने का दिन पंचमी तिथि था, जो आज नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। हिंदू धर्म में, नागों को अत्यंत पूजनीय माना जाता है। ऋषियों, देवताओं, और राजाओं को अक्सर नागों के साथ चित्रित किया जाता है। नाग पंचमी के दिन, लोग अपने घरों में नाग देवता की पूजा करते हैं, उन्हें दूध, चावल, फूल और मिठाई आदि अर्पित करते हैं। कुछ लोग नागों को भी दूध पिलाते हैं या नाग मंदिरों में दर्शन करने जाते हैं। यह माना जाता है कि नाग पंचमी का त्योहार मनाने से भगवान शिव और नाग देवता प्रसन्न होते हैं और भक्तों को आरोग्य, समृद्धि और मोक्ष प्रदान करते हैं। यह त्योहार हमें प्रकृति का सम्मान करने और सभी जीवों, चाहे वे कितने ही छोटे या भयानक क्यों न हों, के प्रति दयालु होने का संदेश भी देता है।

नाग पंचमी पर सावन में भगवान शिव के साथ-साथ नाग देवता की भी पूरे विधि विधान से पूजा की जाती है। नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने से न केवल सर्प दोष दूर होते हैं, बल्कि नाग को दूध पिलाने से कई संकट भी दूर होते हैं। आइए जानते हैं, नाग पंचमी की सही तिथि, पूजा की विधि और इस बारे में कि यह योग किस प्रकार आपके लिए लाभकारी है ...

नाग दोष और काल सर्प दोष में क्या होता है अंतर? नाग पंचमी पर करें इनसे जुड़े ये अचूक उपाय

अक्सर लोग नाग दोष और काल सर्प दोष को एक मान कर गलत पूजा या उपाय कर लेते हैं जिसके कारण इन दोषों का प्रभाव कम होने के बजाय बढ़ जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि काल सर्प दोष और नाग दोष में क्या अंतर है। सनातन धर्म में नागों का विशेष महत्व है और उन्हें देवता के रूप में पूजा जाता है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में सर्पों से जुड़े दोषों का उल्लेख मिलता है जिन्हें नाग दोष और काल सर्प दोष के नाम से जाना जाता है। इन दोषों से व्यक्ति के जीवन में कई तरह की परेशानियां आ सकती हैं। हालांकि अक्सर लोग नाग दोष और काल सर्प दोष को एक मान कर गलत पूजा या उपाय कर लेते हैं जिसके कारण इन दोषों का प्रभाव कम होने के बजाय बढ़ जाता है।

क्या होता है नाग दोष?

नाग दोष मुख्य रूप से राहु के नकारात्मक प्रभाव के कारण बनता है। यह तब उत्पन्न होता है जब कुंडली में राहु या केतु का संबंध कुछ विशेष भावों जैसे पहला, दूसरा, पांचवां, सातवां, आठवां आदि होता है। नाग दोष अक्सर पूर्वजों से संबंधित कर्मों या किसी नाग के अनादर के कारण उत्पन्न माना जाता है। यदि पूर्वजों ने अनजाने में किसी नाग को क्षति पहुंचाई हो या फिर किसी नाग को भूल से मार दिया हो और फिर उसके बाद उस नाग का विधिवत अंतिम संस्कार न किया हो और न ही क्षमा मांगी हो। नाग दोष से पीड़ित व्यक्ति को सबसे ज्यादा वैवाहिक जीवन में परेशानियां झेलनी पड़ सकती है।

क्या होता है काल सर्प दोष?

कालसर्प दोष तब बनता है जब राहु और केतु के बीच कुंडली के सभी 7 ग्रह सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र और शनि आ जाते हैं। इसमें कुंडली का आधा हिस्सा राहु-केतु के बीच घिर जाता है और बाकी आधा खाली रहता है। यह दोष 12 प्रकार के हैं जो राहु-केतु की स्थिति पर निर्भर करते हैं। कालसर्प दोष से पीड़ित व्यक्ति को जीवन में संघर्ष, काम में बार-बार बाधाएं, आर्थिक परेशानियां, स्वास्थ्य समस्याएं और रिश्तों में तनाव का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि इस दोष से पीड़ित लोगों को नींद में सांप दिखने लगते हैं या फिर बहुत ज्यादा गला घुटने जैसा महसूस होने लग जाता है।

नाग दोष और काल सर्प दोष के उपाय

नाग दोष और काल सर्प दोष से छुटकारा पाने के लिए भगवान शिव का अभिषेक करना बहुत शुभ माना जाता है क्योंकि नाग शिवजी के गले का हार हैं। ऐसे में शिव पूजन से इन दोनों दोषों का प्रभाव निष्फल हो जाता है। इसके अलावा, ऊँ नम: शिवाय मंत्र का रोजाना जाप भी बहुत असरदार है।

किसी भी सोमवार या फिर नाग पंचमी के दिन चांदी के नाग-नागिन का जोड़ा बनवाएं। इसे एक थाली में रखकर कच्चा दूध, बताशा और फूल अर्पित करें। फिर ऊँ नागेंद्रहाराय नम: मंत्र का जाप करते हुए इस जोड़े को शिवलिंग पर अर्पित कर दें। साथ ही, श्री सर्प सूक्त का पाठ भी कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जमशेदपुर जा रही कार बिजली के खंभे से टकराई, 5 घायल

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह शहर के कालीबाड़ी रोड पर रविवार सुबह एक तेज रफ्तार कार बिजली के खंभे से टकरा गई, जिससे उसमें सवार पांच लोग घायल हो गए। सभी घायल यात्री पटना से टाटा जा रहे थे। हादसा उस समय हुआ जब वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार सीधे खंभे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बिजली का खंभा पूरी तरह टूटकर गिर गया। पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद वाहन के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। गनीमत रही कि कार में लगे एयरबैग समय पर खुल गए, जिससे अंदर बैठे लोगों को गंभीर चोटें नहीं आईं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, कार सीधे सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकराई। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। बिजली का खंभा गिरने से आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई।घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हादसा पीएनबी बैंक के सामने हुआ, जहां आमतौर पर काफी भीड़भाड़ रहती है। संयोग अच्छा था कि उस समय सड़क किनारे कोई राहगीर मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। बिजली विभाग की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त खंभे को हटाने और बिजली आपूर्ति बहाल करने का काम शुरू कर दिया है। फिलहाल इलाके में विद्युत सेवा बाधित है। मरम्मत कार्य जारी है।

पलामू एसपी ने थाना प्रभारी राजवर्धन को किया सस्पेंड, अफीम तस्करों से मिली भगत का आरोप

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के पिपराटांड़ थाना प्रभारी राजवर्धन को एसपी रीष्मा रमेशन ने सस्पेंड कर दिया है। अफीम तस्करों के साथ मिलीभगत के आरोप में यह कार्रवाई की गई है। मेदिनीनगर शहर थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर सुबोध कुमार को पिपराटांड़ का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। पलामू पुलिस ने दो दिन पहले पंजाब और पलामू के आठ अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया था। इनके पास से 33 लाख रुपए नकद और 314 किलो डोडा बरामद हुआ था। जांच में पता चला कि अफीम तस्करों को पिपराटांड़ थाना से मदद मिल रही थी। थाना प्रभारी की जानकारी में यह तस्करी हो रही थी। मामले में एक रोचक मोड़ तब आया जब पंजाब के रहने वाले एक अफीम तस्कर की बहन ने पलामू एसपी को सूचना दी कि उसके भाई का अपहरण हुआ है। उसने बताया कि फिरौती के रूप में 7.50 लाख रुपए दिए जा चुके हैं।एसपी की स्पेशल टीम ने जांच में पाया कि पंजाब के चार तस्कर अफीम खरीदने पलामू आए थे। उन्हें ट्रैप कर अपहरण की झूठी कहानी बनाई गई थी। इस पूरे मामले की जानकारी स्थानीय थाना को भी थी। इस इलाके में अफीम तस्करों का लगातार आना-जाना रहता है। पंजाब के तस्कर 20 लाख की दो होंडा सिटी कारों से आए थे। जंगली इलाके में महंगी गाड़ियां और अनजान लोगों की आवाजाही पर स्थानीय पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न करना, पुलिस और तस्करों के बीच मिलीभगत को दर्शाता है।एसपी रीष्मा रमेशन ने मामले की गहन जांच के आदेश दिए हैं। जांच के बाद और भी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो सकती है। अफीम तस्करी में बड़ी मात्रा में कैश का लेनदेन होता है, जिससे कुछ पुलिसकर्मी भी इस अवैध धंधे में शामिल हो जाते हैं।

सांसद ढुल्लू महतो को कोर्ट से मिली बड़ी राहत, चिटाही धाम जमीन विवाद मामले में सभी आरोपों से बरी

धनबाद, एजेंसी। बीजेपी के धनबाद से सांसद ढुल्लू महतो को बाघमारा के चिटाही धाम रामराज मंदिर से जुड़े बहुचर्चित जमीन विवाद मामले में बड़ी राहत मिली है। एमपी-एमएलए विशेष अदालत (एडीजे-16) ने शनिवार को उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने साक्ष्य के अभाव में यह फैसला सुनाया। मामला बाघमारा विधानसभा के चिटाही धाम रामराज मंदिर परिसर में दुकान लगाने को लेकर था। स्थानीय निवासी डोमन महतो ने सांसद ढुल्लू महतो पर मंदिर के सामने दुकान लगाने से रोकने और जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए बरोरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। यह मामला लंबे समय से न्यायालय में विचाराधीन था। शनिवार को विशेष न्यायिक दंडाधिकारी दुर्गेश अवस्थी की अदालत में सुनवाई के बाद ढुल्लू महतो को बरी करने का आदेश दिया गया।सांसद ढुल्लू महतो के अधिवक्ता राधेश्याम गोस्वामी ने बताया कि रामराज मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा था, जब कुछ लोगों के उकसावे में डोमन महतो ने सांसद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बाद में शिकायतकर्ता ने अदालत में स्वीकार किया कि उन्होंने बहकावे में आकर यह कदम उठाया था। अदालत ने इस बयान और साक्ष्य के अभाव को आधार मानकर ढुल्लू महतो को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया।फैसले के बाद सांसद ढुल्लू महतो ने कहा, मुझे न्यायपालिका पर शुरू से पूरा भरोसा था।

धनबाद-अलेप्पी एक्सप्रेस की बढ़ेगी रफ्तार, कोयंबटूर 30 मिनट तो 5 मिनट पहले पहुंचेगी एर्नाकुलम

धनबाद, एजेंसी। धनबाद की सबसे लोकप्रिय ट्रेन अलेप्पी एक्सप्रेस की रफ्तार बढ़ेगी। कोयंबटूर 30 मिनट पहले तो एर्नाकुलम पांच मिनट पहले पहुंचेगी। दक्षिण रेलवे ने अपने अधीन जोलारपेट्टई से एर्नाकुलम स्टेशन तक इस ट्रेन की रफ्तार बढ़ाने को मंजूरी दी है। 29 सितंबर से नई व्यवस्था प्रभावी होगी।

धनबाद से वेल्लूर यानी काठपाड़ी तक 63 स्टेशन पर ठहरने वाली ट्रेन के ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा और न ही गति में बढ़ोतरी होगी। अलेप्पी पहुंचने के समय में भी कोई फेरबदल नहीं होगा। वापसी में भी अलेप्पी से चलने तथा बीच के किसी स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

जोलोपेट्टई में अलसुबह 3:30-3:35 बजे के बदले 3:05-3:10 बजे तक, सेलम में सुबह 5:22-5:25 बजे के बदले 4:52-4:55 बजे, इरोड सुबह 6:35-6:45 बजे के स्थान पर 5:50-6:00 बजे, तिरुप्पुर सुबह 7:28-7:30 बजे के बदले 6:43-6:45 बजे, कोयंबटूर सुबह 8:27-8:30 बजे के बदले सुबह 7:57-8:00 बजे, पलक्कड सुबह 10:00-10:05 बजे के बदले 9:17-9:20 बजे, त्रिशूर 11:17-11:20 बजे के बदले 10:35-10:38 बजे, एर्नाकुलम दोपहर 12:40-12:45 बजे के बदले 12:35-12:40 बजे तक ठहराव होगा।

झाड़ग्राम से धनबाद के बीच सोमवार की सुबह चलने वाली मेमू रद रहेगी। इस वजह से दोपहर में धनबाद से झाड़ग्राम जानेवाली मेमू भी नहीं चलेगी। इसके बाद 30 जुलाई को भी दोनों ओर से रद रहेगी।

भोजूडीह से चंद्रपुरा के बीच चलने वाली मेमू सोमवार को भोजूडीह से महुदा तक चलेगी। वापसी में चंद्रपुरा के बदले महुदा से भोजूडीह तक चलाई जाएगी। एक अगस्त को भी भोजूडीह से महुदा तक चलेगी और वहीं से लौट जाएगी।

आद्रा रेल मंडल में विकास कार्यों के कारण ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। दूसरी ओर, धनबाद, बोकारो व रांची होकर चलने वाली जसीडीह-वास्को द गामा साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 25 अगस्त को रद रहेगी। वापसी में 22 अगस्त को वास्को द गामा से जसीडीह के बीच नहीं चलेगी।

ओडिशा के झारसुगड़ा में यार्ड के विकास कार्यों के कारण ट्रेन रद रहेगी। कल व दो अगस्त को स्वर्णरेखा एक्सप्रेस आद्रा धनबाद से टाटा जानेवाली स्वर्णरेखा एक्सप्रेस 29 जुलाई को टाटा के बदले आद्रा तक जाएगी। वापसी में आद्रा से धनबाद तक चलाई जाएगी।

दो अगस्त को भी इस ट्रेन के पहिए आद्रा में ही थम जाएंगे। टाटा के बदले आद्रा से धनबाद तक चलेगी। टाटा से आने-जाने वाले यात्रियों को विकल्प ढूंढ़ना होगा।

प्रतिमा क्षतिग्रस्त किए जाने को लेकर तेज हुई पुलिस की जांच

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग 7 गत दिनों उपद्रवियों के द्वारा पथ निर्माण विभाग स्थित सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के साथ-साथ केबी सहाय पार्क में स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मुख्यमंत्री की प्रतिमा को खंडित कर दिया गया था। खंडित किए जाने की इस निंदनीय घटना से क्षेत्र में आक्रोश और शोक की लहर दौड़ गई थी, और लोगों ने इसे जनभावनाओं का घोर अपमान बताया। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन हरकत में आ गया और दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की घटना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शांति-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोपरि है। साथ ही, प्रशासन द्वारा सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा को पुनः स्थापित करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। नई प्रतिमा को पहले से अधिक भव्य और मजबूत बनाया जा रहा है। रविवार को सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा को अंतिम रूप दिया जा रहा था। इसके बाद केबी सहाय पार्क में केबी सहाय की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री केबी सहाय और अमर सेनानी सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिए जाने के मामले में सदर थाना में अज्ञात के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी के आलोक में पुलिसिया जांच तेज हो गई है। शनिवार और पुनः रविवार को सदर थाना प्रभारी सुभाष सिंह, बड़ा बाजार प्रभारी बिट्टू रजक, सबइंस्पेक्टर नंदकिशोर दास सहित अन्य जवान व पदाधिकारी केबी सहाय पार्क और पथ निर्माण विभाग चौक के समीप लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की।

सिदो-कान्हु और पूर्व मुख्यमंत्री केबी सहाय की प्रतिमा तोड़े जाने के मामला को लेकर लेकर लोगों में काफी आक्रोश है। इसको लेकर रविवार को अबुआ संथाल समाज भारत दिशोम के दिशोम मांझी केंद्रीय अध्यक्ष विनोद किस्कु के निर्देश पर उससे जूड़े नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया।

दो बच्चों को संभालते हुए जेपीएससी में पायी सफलता, दूसरे प्रयास में हुई सफल

चाईबासा, एजेंसी। चाईबासा की न्यू कॉलोनी गांधी टोला निवासी सीमा चौधरी ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा में 142वां रैंक हासिल कर अपने परिवार और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि इसलिए और भी खास मानी जा रही है क्योंकि सीमा एक गृहिणी हैं। दो छोटे बच्चों की मां हैं। उन्होंने घरेलू जिम्मेदारियों के साथ-साथ प्रशासनिक सेवा की कठिन परीक्षा में सफलता पाई है।

शादी के बाद बच्चों के साथ अपने सपनों को भी पाला : सीमा चौधरी चक्रधरपुर की रहने वाली हैं, जहां से उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उनका परिवार चाईबासा आ गया। सीमा की शादी डेयरी फॉर्म चलाने वाले राकेश कुमार से हुई। शादी के बाद उन्होंने अपने सपनों को नहीं छोड़ा, बल्कि नए हौसले के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ीं। उनका कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी बनना उनका सपना था, जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने लगातार तीन वर्षों तक मेहनत की। सीमित समय में, घरेलू जिम्मेदारियों और बच्चों की देखभाल के बीच, उन्होंने पढ़ाई का क्रम नहीं टूटने दिया। वे रांची स्थित एक संस्थान से ऑनलाइन कोचिंग लेती थीं और उसी मार्गदर्शन में अपनी तैयारी को अंतिम रूप देती रहीं।

दूसरे प्रयास में मिली है सफलता : सीमा बताती हैं कि इस सफलता के पीछे उनके पति राकेश कुमार, सास और पूरे परिवार का भरपूर सहयोग रहा। पति ने न सिर्फ मानसिक रूप से समर्थन दिया, बल्कि घर के कामकाज में भी हाथ बंटाया, जिससे सीमा को पढ़ाई के लिए समय मिल सका। यह उनका दूसरा प्रयास था और इस बार उन्हें झारखंड वित्त सेवा में नियुक्ति मिली है। उनकी सफलता न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि उन सभी अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह, सीपी सिंह ने कहा- ग्रामीणों को साहूकारों से मुक्ति दिलाने में हो रहा अच्छा काम

रांची, एजेंसी। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) के स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शनिवार को रांची में स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बैंक के अधिकारियों के साथ-साथ रांची के विधायक और पूर्व मंत्री सीपी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में ग्रामीण भारत और झारखंड के विकास में ग्रामीण बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ग्रामीण भारत और झारखंड की प्रगति में अहम भूमिका निभा रहे हैं। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और भाजपा नेता सीपी सिंह ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि पहले ग्रामीणों के लिए बैंक से कर्ज लेना बेहद मुश्किल था। उन्होंने बैंकरों से अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाने और ग्राहकों का सम्मान करने की अपील की। सीपी सिंह ने कहा, बैंकरों को राष्ट्रहित में अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। ग्रामीण बैंकों ने लोगों को साहूकारों के चंगुल से मुक्त किया और कर्ज के माध्यम से किसानों व व्यवसायियों को सशक्त बनाया। आज गांवों के लोग आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं।

ग्रामीण बैंक कर्मचारी संघ के झारखंड महासचिव नितेश मिश्रा ने बताया कि कारोबार के मामले में झारखंड में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तीसरा सबसे बड़ा बैंक है और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा, ग्रामीण बैंकों ने न केवल बैंकिंग सेवाएं प्रदान कीं, बल्कि गांवों को जोड़ा और लोगों को जागरूक किया। हालांकि, उन्होंने बैंक के निजीकरण के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। मिश्रा ने कहा, यह स्वर्ण जयंती वर्ष उस संघर्ष की याद दिलाता है, जिसने देश के कोने-कोने में ग्रामीण बैंकिंग की अलख जगाई।

नितेश मिश्रा ने बताया कि 2 अक्टूबर 2024 को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ने अपनी स्थापना के 50वें वर्ष में प्रवेश किया। इसी उपलक्ष्य में देशभर में स्वर्ण जयंती समारोहों का आयोजन किया जा रहा है। रांची में आयोजित यह कार्यक्रम भी उसी कड़ी का हिस्सा है, जिसमें ग्रामीण बैंकों के योगदान को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और अतिथियों ने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने झारखंड जैसे राज्यों में विकास की गति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह समारोह न केवल बैंक की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि ग्रामीण भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के संकल्प को दोहराने का अवसर भी रहा।

नामकुम ग्रिड डकैती कांड में 9 अपराधी गिरफ्तार, ओरमांझी से भी तीन धरे गए

रांची, एजेंसी। जिले के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित विद्युत सब स्टेशन (संचरण केन्द्रीय भंडार) के कर्मियों एवं सुरक्षा कर्मियों को बंधक बनाकर डकैती डालने वाले नौ अपराधियों को रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात को 11 अपराधियों ने मिलकर अंजाम दिया था।

बंधक बनाकर दिया गया था डकैती को अंजाम : डीआईजी सह एसएसपी रांची चन्दन कुमार सिन्हा के द्वारा बनाई गई एसआईटी ने नामकुम ग्रिड में हुए डकैती कांड का खुलासा कर लिया है। कांड में शामिल 11 में से नौ अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में दिनेश लोहरा उर्फ दिनेश करमाली, राजेश कुमार सिंह उर्फ भोला, शाहिद अंसारी उर्फ जटला, ललन कुमार भुईया उर्फ बौना, जितु कुमार सिंह उर्फ जिजुवा उर्फ जीतु, फुरकान मल्लिक उर्फ फुरकान, बिरेन्द्र बेदिया उर्फ घोंची, दीपक कुमार सोनी, जितेन्द्र कुमार शामिल है। गिरफ्तार अपराधियों के निशानदेही पर कांड में प्रयोग किये गये ऑटो वाहन , ताला काटने में प्रयोग की जाने वाली कटर मशीन, मोबाइल एवं घटना में डकैती किए गए सामान को बरामद किया गया है।

दिनेश लोहरा निकला मास्टरमाउंड : डीआईजी सह एसएसपी रांची चन्दन कुमार सिन्हा ने बताया कि डकैती गिरोह का मुखिया दिनेश लोहरा है। दिनेश लोहरा उर्फ दिनेश करमाली लातेहार का रहने वाला है। वर्तमान दिनेश डोरंडा के बड़ा घाघरा में रह रहा था। दिनेश ने अपने बयान में बताया कि उसने अपने 10 साथियों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया था। डकैती किए हुए सामान को पुन्दाग में कबाड़ी दुकान फुरकान मल्लिक और अरगोडा के कबाड़ी दीपक कुमार सोनी को बेच दिया था।

दिनेश लोहरा के अनुसार कुल 253 किलो 750/- रुपये के हिसाब से प्रति किलोग्राम की दर से बेचा गया था, जिसमें उसे 1,73,000 रुपये मिला। जिसे हम सभी लोग आपस में बांट लिया। वहीं, कबाड़ी दीपक सोनी ने चोरी का समान पटना में बेच दिया और उसके एवज में चार लाख रुपये अपने अकाउंट में मंगवा लिया। पकड़े गए सभी अभियुक्तों के द्वारा इस घटना में अपना-अपना अपराध को स्वीकार किया गया है। डकैती की घटना में संलिप्त अपराधी एवं अन्य की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का झारखंड दौरा : रांची, धनबाद और देवघर में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त

रांची, एजेंसी। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय दौरे पर झारखंड आ रही हैं। राष्ट्रपति 31 जुलाई और 1 अगस्त को झारखंड में रहेंगी। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर झारखंड पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। राजधानी रांची, धनबाद और देवघर तीनों ही जिलों की पुलिस अलर्ट पर है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय दौरे पर देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति धनबाद में आईआईटी (आईएसएम) के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। ऐसे में देवघर, रांची और धनबाद में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर तैयारियों के साथ-साथ पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर डीजीपी और मुख्य सचिव ने भी बैठक कर कई दिशा निर्देश जारी किए हैं। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर आईजी रैंक के एक अधिकारी को नोडल बनाया गया है, ताकि सुरक्षा में कोई त्रुटि न रह जाए।

देवघर में कांवड़ यात्रा पर नहीं पड़ेगा प्रभाव

वर्तमान में सावन का महीना चल रहा है। सावन के महीने में देवघर में श्रद्धालुओं के कांवरिया पथ को बिना बाधित किए राष्ट्रपति को एयरपोर्ट से एम्स तक ले जाने के लिए अलग मार्ग तय किया गया है। वहीं धनबाद में भी कार्यक्रम स्थल के साथ राष्ट्रपति जिन मार्गों से होकर गुजरेंगी उसे लेकर भी विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। वहीं राजधानी रांची में एयरपोर्ट से राजभवन जाने वाले रास्ते में भी सुरक्षा के विशेष व्यवस्था की गई है। राष्ट्रपति के आने-जाने के दरम्यान ट्रैफिक रूट में भी बदलाव किया जाएगा। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर राज्य के डीजीपी ने बताया कि राष्ट्रपति के झारखंड दौरे में कोई परेशानी नहीं होगी और कोई भी सुरक्षा में त्रुटि में न हो इसे लेकर हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

हजारीबाग में नाटक प्रस्तुत कर वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

हजारीबाग, एजेंसी। कारगिल दिवस के अवसर पर नगर भवन हजारीबाग में कारगिल के शहीद की याद में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। देश के लड़ने वाले अन्य सपूतों को भी याद किया गया उनके परिजनों को नगर भवन हजारीबाग में सम्मानित किया गया।

हो एंटरटेनमेंट ग्रुप से आयोजित सांस्कृतिक संध्या मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल थे। उन्होंने कहा कि आज का दिन सिर्फ तारीख नहीं है, 26 जुलाई- यह वो दिन है जब भारत ने अपने अदम्य साहस, अपार बलिदान और अटूट संकल्प से इतिहास रचा था। विशिष्ट अतिथि डॉ.कमल नयन सिंह ने कहा विजय कारगिल दिवस, सिर्फ जीत का प्रतीक नहीं है, यह उस जज्बे का उत्सव है, जब बर्फीली चोटियों पर हमारे जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर तिरंगे को झुकने नहीं दिया।हो इंटरटेनमेंट एंड कल्चरल टीम ने इस गर्व के अवसर पर एक विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। देशभक्ति नृत्य, देशभक्ति गीत, शुभी तनवी का बांसुरी वादन, मिमिक्री और रेजांगला नाटक की प्रस्तुति किया।

मौके पर बतौर अतिथि बटेश्वर मेहता और विनोबा भावे के प्राध्यापक विकास कुमार, सुकल्याण मोइत्रा, के.के.गुप्ता, सुबोध कुमार सिंह, प्रदीप सिंह, तापस चक्रवर्ती, अरबिंद जी सहाय, विद्या बक्शी, अमला राणा, किशोर सावंत, ओम प्रकाश, रवि शंकर, के साथ भैया अभिमन्यु प्रसाद भी मौजूद थे। हो इंटरटेनमेंट के संस्थापक रोहित वर्मा ने कार्यक्रम के प्रायोजक गुलमोहर पब्लिक स्कूल, अनंता बाय हिल (रेस्टोरेंट), कारगिल पेट्रोल पंप, तरुणिका फ़ैसन, सावंत इंटर कॉलेज, जी.एम इवनिंग कॉलेज , आरोग्यम हॉस्पिटल, अन्वित मेडिकल, फूड गैरेज, सत्यम कंप्यूटर, अन मास्क्ड साइबर सिक्योरिटी कंसलटेंसी, जन जागरण केंद्र, जानू राज फिल्म प्रोडक्शन को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

ऑपरेशन आहट के तहत मानव तस्करी का प्रयास विफल

ऑपरेशन आहट के तहत मानव तस्करी का प्रयास विफल, 4 नाबालिग बालक रेस्क्यू

रांची, एजेंसी। रेलवे सुरक्षा बल और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की संयुक्त कार्रवाई में रांची मंडल में एक बड़ी मानव तस्करी की साजिश को विफल कर दिया गया। ऑपरेशन आहट के तहत की गई इस कार्रवाई में चार नाबालिग बालकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया, जिन्हें गैरकानूनी तरीके से तमिलनाडु के तिरुपुर ले जाया जा रहा था।

सभी बच्चों को ले जाया जा रहा था तमिलनाडु : घटना के संबंध में बताया गया कि जब आरपीएफ की टीम ने ट्रेन संख्या 13351 दुमका-चित्तरंजन एक्सप्रेस के कोच स6 में संदेहास्पद हालत में बैठे चार नाबालिगों और दो वयस्कों को पकड़ा। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि बच्चों को काम का लालच देकर तमिलनाडु ले जाया जा रहा था। जहां उन्हें एक कपड़ा कंपनी में मजदूरी पर लगाया जाना था। दोनों वयस्क व्यक्तियों की पहचान रजु अंसारी और आरिश अंसारी के रूप में हुई है, जिन्होंने पूछताछ के दौरान माना कि वे एक ठेकेदार शोभिक कुमार गोप के कहने पर बच्चों को ले जा रहे थे। बदले में उन्हें 3500 रुपये की दलाली मिलने वाली थी।

रेलवे सुरक्षा बल की महिला सब-इंस्पेक्टर सुनीता तिर्की ने मौके पर एक मोबाइल फोन, यात्रा टिकट और 3500 रुपए की राशि का स्क्रीनशॉट जब्त किया। मामले में सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को एएचटीयू थाना कोतवाली पुलिस को सौंप दिया गया।

रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता से बची कई जिंदगियां : इस कार्रवाई को रेलवे सुरक्षा बल कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर अंजाम दिया गया, जिसमें आईपीएफ शिशुपाल, स्ई सूरज पांडेय, सोहन लाल, सुनीता तिर्की तथा स्टाफ के अन्य सदस्य संजय यादव, पिंकी, मोहिनी और दिव्या सिंह शामिल रहे। सभी की त्वरित प्रतिक्रिया और सामूहिक प्रयास से चार मासूम बच्चों को बाल मजदूरी के दलदल में धंसने से बचा लिया गया। कमांडेड पवन कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि लगातार यह अभियान जारी है। गलत गतिविधियों पर आरपीएफ की पैनी नजर है।

मानव तस्करी के विरुद्ध सख्त रुख : रेलवे सुरक्षा बल अधिकारी ने स्पष्ट किया कि रेलवे के माध्यम से हो रही मानव तस्करी की घटनाओं पर पूरी निगरानी रखी जा रही है। ऑपरेशन आहट के तहत लगातार निगरानी, जांच और छापेमारी की जा रही है। रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

आगे की कार्रवाई जारी : बचाए गए नाबालिगों को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की निगरानी में रखा गया है और उनकी काउंसलिंग कराई जा रही है। वहीं, इस पूरे रैकेट की गहराई से जांच की जा रही है ताकि इसमें शामिल अन्य लोगों तक भी कानून की पकड़ पहुंच सके।

राजस्थान में खस्ताहाल स्कूलों पर बुलडोजर चलाएगी सरकार

जयपुर, एजेंसी। झालावाड़ में दो दिन पहले हुए दर्दनाक स्कूल हादसे के बाद शिक्षा विभाग पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। हादसे में 7 मासूमों की जान जाने के बाद अब पूरे प्रदेश के स्कूल भवनों की खामियों पर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। रविवार को शिक्षामंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में जर्जर स्कूलों को तोड़ने और वैकल्पिक रूप से कंटेनर क्लासरूम्स में पढ़ाई शुरू कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही, 7500 से अधिक सरकारी स्कूलों की मरम्मत के लिए 150 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है।

बैठक में निर्णय हुआ कि राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों की इमारतों का कलेक्टरों के माध्यम से व्यापक सर्वे कराया जाएगा। जिन स्कूल भवनों को जर्जर पाया जाएगा, उन्हें लाल क्रॉस के निशान से चिह्नित कर तत्काल बंद कर दिया जाएगा। ऐसे भवनों को प्राथमिकता से गिराकर वहां कंटेनर कक्षाओं की व्यवस्था की जाएगी, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो और सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।

शिक्षामंत्री ने बताया कि सर्वे के बाद सभी स्कूल भवनों का डिजिटल डेटा एक जीआईएस आधारित ऐप में संकलित किया जाएगा, जिसे शाला दर्पण से जोड़ा जाएगा। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का भी उपयोग होगा, जिससे भविष्य में भवनों की निगरानी और मरम्मत का समय पर प्रावधान हो सके। आपदा प्रबंधन कोष से 170 तहसीलों में 7500 स्कूलों के लिए मरम्मत कार्य को प्राथमिकता पर लेकर 150 करोड़ रुपये का प्रस्ताव मंजूर किया गया है।

स्कूल भवनों के निर्माण में लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारों पर अब जवाबदेही तय की जाएगी। दिलावर ने बताया कि समग्र शिक्षा अभियान के तहत एक विशेष प्रकोष्ठ बनाया जाएगा जो निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी करेगा। पीडब्ल्यूडी की लैब से निर्माण सामग्री की जांच होगी और यदि घटिया निर्माण की पुष्टि होती है तो ठेकेदारों और अभियंताओं से नुकसान की वसूली की जाएगी।

केवल सरकारी ही नहीं, प्राइवेट स्कूलों की बिल्डिंग्स और ट्रांसपोर्ट सिस्टम की भी जांच की जाएगी। स्कूल वाहन फिटनेस, ड्राइवर की मेडिकल जांच और अन्य सुरक्षा मानकों की निगरानी शिक्षा विभाग द्वारा की जाएगी। मकसद यह है कि राज्य के किसी भी बच्चे की सुरक्षा में कोई समझौता न हो।

पीपलोदी गांव में हुए हादसे को लेकर जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद रविवार को शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। शिक्षामंत्री के निर्देश पर शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल ने झालावाड़ के प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी नरसो मीणा, बीईईओ प्रमोद बालासोरिया, पूर्व बीईईओ चंद्रशेखर लुहार, पंचायत अधिकारी प्रभुलाल कारपेंटर, सहायक अभियंता व तत्कालीन पंचायत शिक्षा अधिकारी राधेश्याम मीणा को निलंबित कर दिया। वहीं संविदा पर कार्यरत कनिष्ठ अभियंता की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। झालावाड़ हादसे को चेतावनी मानते हुए राज्य सरकार अब प्रदेशभर में स्कूल भवनों की स्थिति पर गंभीरता से काम शुरू कर चुकी है। बच्चों की जान की कीमत पर शिक्षा नहीं दी जाएगी –

बिहार में 2005 के बाद पहली बार घट सकते हैं मतदाता

चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों ने चौंकाया

नईदिल्ली, एजेंसी। बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची की गणना के दौरान 72.4 मिलियन फॉर्म इकट्ठा हुए हैं। यह संख्या 24 जून को राज्य में दर्ज मतदाताओं की संख्या से 6.5 मिलियन (8 प्रतिशत) कम है, जो कि एसआईआर शुरू होने से एक दिन पहले थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान की संख्या से 4.8 मिलियन (6.2 प्रतिशत) कम है। 2020 के राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान की संख्या से 1.2 मिलियन (1.6 प्रतिशत) कम है। निर्वाचन आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी। इस तरह बिहार में मतदाताओं की संख्या में स्पष्ट कमी आई है। हालांकि, अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होनी है। 2005 में हुए दो विधानसभा चुनावों के बाद से पहली बार कमी आई है। बिहार में विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए मतदाताओं की संख्या आमतौर पर बढ़ती रही है। हिंदुस्तान टाइम्स ने 1977 के बाद से हुए सभी विधानसभा चुनावों (2000 में झारखंड बनने के बाद बिहार की बची विधानसभा सीटों के आधार पर) और 2004 के बाद से हुए सभी लोकसभा चुनावों (झारखंड बनने के बाद पहला लोकसभा चुनाव) के आंकड़ों की जांच की है। इस दौरान हर लगातार चुनाव में मतदाताओं की संख्या बढ़ी, सिवाय 2005 के फरवरी और अक्टूबर विधानसभा चुनावों के बीच, जब मतदाताओं की संख्या 52.7 मिलियन से घटकर 51.3 मिलियन (2.5 प्रतिशत की कमी) हो गई। 2005 का रुझान दिखाता है कि बिहार में मतदाताओं की संख्या में कमी आना असंभव नहीं है। लेकिन, अगर 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 2020 के विधानसभा चुनाव (73.6 मिलियन) या 2024 के लोकसभा चुनाव (77.3 मिलियन) से कम रहती है, तो यह बिहार में दुर्लभ घटना होगी। 24 जून को 78.9 मिलियन मतदाताओं से 27 जुलाई को 72.4 मिलियन तक 8 प्रतिशत की कमी, 2005 में फरवरी से अक्टूबर के बीच 2.5 प्रतिशत की कमी से भी बड़ी और तेज गिरावट है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में कबूतर चुराने के आरोप में 13 वर्षीय लड़के की हत्या, तीन लोगों पर मामला दर्ज

मानसा, एजेंसी। पंजाब के मानसा जिले में कबूतर चुराने के आरोप में तीन ग्रामीणों ने कथित तौर पर 13 वर्षीय एक लड़के की हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सातवीं कक्षा के छात्र राजा सिंह का शव शनिवार रात मानसा के सरदुलगढ़ स्थित रोड़की गांव के बाहर एक पेड़ के पास पाया गया। पीड़ित के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, लड़का शनिवार शाम को लापता हो गया था। पुलिस ने परिजन के हवाले से बताया कि आरोपियों में से एक ने लड़के पर कबूतर चुराने का आरोप लगाकर उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। लड़के के पिता के बयान के आधार पर, पुलिस ने उसी गांव के तीन कबूतर पालकों तरलोचन सिंह, काला सिंह और तेजा सिंह के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया। जब पुलिस से पूछा गया कि लड़के की हत्या कैसे की गई, तो उसने कहा कि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम के बाद पता चलेगा। पुलिस ने कहा कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

मणिपुर में जबरन वसूली में शामिल पांच उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व और थौबल जिलों से तीन प्रतिबंधित संगठनों के पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है जो कथित रूप से जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (अपुनबा सिटी मेइती) के तीन सक्रिय सदस्यों को रविवार को इंफाल पूर्व जिले से गिरफ्तार किया गया। उनमें से दो को हुइड्रोम गांव से उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे रंगदारी वसूलने जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि बाद में उनसे मिली जानकारी के आधार पर एक अन्य को कैरांग मानिंग लेइकाई इलाके से गिरफ्तार किया गया। प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप (सोरेपा) के एक सक्रिय सदस्य को थौबल जिले से गिरफ्तार किया गया। केसीपी (एमएफएल) के एक उग्रवादी को इंफाल पूर्व जिले के एशिंगथेम्बी मापन स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

नोएडा में देख पाएंगे शेर-चीता और हाथी, खास चीजों से बन रहा है जंगल

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-95 में बन रहे नोएडा जंगल ट्रेल के पार्क का काम एक महीने के अंदर पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद पार्क को लोगों के लिए खोला जाएगा। यहां जंगल में जानवरों की आकृतियों का दीदार करने का मौका मिलेगा। इसका 92 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। यहां शेर, चीता, डायनासोर, हिरण, हाथी समेत कई जानवरों की आकृतियां लगाई गई हैं। इस पार्क में लोहे, रबड़ आदि कबाड़ और सीमेंट के जरिए करीब 700 जानवरों की आकृतियां तैयार की जा चुकी हैं। यह पार्क सेक्टर-95 में महामाया फ्लाईओवर और ओखला पक्षी विहार के बीच बन रहा है। इसका निर्माण एक साल पहले जून 2024 में शुरू हुआ था। प्राधिकरण यह पार्क करीब 18.27 एकड़ में बना रहा है। पार्क का नाम नोएडा जंगल ट्रेल है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि पार्क के अंदर कबाड़ से बने डायनासोर, गैंडा, मगरमच्छ, अजगर, बंदर की आकृतियां लगाई गई हैं। इसके साथ ही छोटी आकृतियों में सुंदर-सुंदर चिड़ियां भी कबाड़ से बनाकर लगाई जाएंगी। पार्क में आने वाले लोग जंगल में सैर का लुत्फ भी उठा सकेंगे। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि इस पार्क को तीन जोन में बांटा गया है। पहला जोन-ए 4.05 एकड़ का है। इसमें पार्किंग, एंपीथियेटर (1000 लोगों की क्षमता का), फूड कोर्ट और प्रदर्शनी क्षेत्र है। यहां 8 बसों और 76 कारों की पार्किंग होगी।

धर्मांतरण पर नया कानून ला रही छत्तीसगढ़ सरकार, सीएम साय का बड़ा ऐलान

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि प्रदेश में रोज किसी न किसी जगह से धर्मांतरण की खबर आ रही जिसे लेकर हमारी सरकार धर्मांतरण पर नया कानून लाने जा रही है। सीएम साय शदाणी दरबार में आयोजित हिंदू राष्ट्रीय अधिवेशन के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि नए कानून का ड्राफ्ट तैयार हो रहा है। इस ड्राफ्ट को विधानसभा के अगले सत्र में सदन के पटल पर रखा जाएगा। सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में कोई भी गाय सड़कों पर नहीं दिखनी चाहिए और इसके लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि राज्य में सवा सौ पंजीकृत गौशालाएं हैं, जिन्हें पांच लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। नगरीय क्षेत्रों में भी गौशालाएं बनाई गई हैं और निर्देश दिए गए हैं कि सड़कों पर मवेशी नजर नहीं आने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा- जब गाय दूध देना बंद कर देती है, तो उसे लोग सड़कों पर उनके हाल पर छोड़ देते हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। हिंदू भाइयों को इस पर ध्यान देना होगा। उन्होंने भरोसा दिया कि आने वाले समय में सड़कों पर कोई मवेशी नहीं दिखेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर का जिक्र करते हुए कहा कि वहां एशिया का दूसरा सबसे बड़ा चर्च है लेकिन दिलीप सिंह जूदेव और उनके पुत्र प्रबल प्रताप जूदेव ने घर वापसी अभियान को मजबूती दी है। कल्याण आश्रम के कार्यकर्ता गांव-गांव में हिंदू धर्म के प्रचार में जुटे हैं।

स्पर्म की हो रही थी तस्करी, हैदराबाद में रैकेट का भंडाफोड़

हैदराबाद, एजेंसी। तस्करी तो आपने कई तरह सुनी होगी, लेकिन हैदराबाद से सटे शहर सिकंदराबाद में जिस तस्करी का खुलासा हुआ है उसके बारे में सुनकर चौंक जाएंगे। यहां पर सरोगेसी और स्पर्म तस्करी के एक रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में डॉक्टर समेत दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हैदराबाद पुलिस ने इस मामले में रेजिमेंटल बाजार स्थित यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर पर छापा मारा था। यहां से सेंटर की मैनेजर डॉक्टर नर्मता को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह छापेमारी एक कपल की शिकायत पर की। इस कपल ने इस सेंटर की मदद से सरोगेसी के जरिए बच्चा पैदा किया था। हालांकि बाद में जब उन्होंने डीएनए टेस्ट कराया तो गड़बड़ी सामने आई। इसके बाद पूरा मामला पुलिस में पहुंच गया।

पैरों तले खिसक गई जमीन जानकारी के मुताबिक यह कपल राजस्थान का था। अब यह लोग सिकंदराबाद में ही रहते हैं। इस कपल के मुताबिक उन्होंने पिछले साल सरोगेसी की प्रक्रिया के लिए क्लीनिक को 35 लाख रुपए दिए थे। बताया जाता है कि बच्चे के जन्म के लिए एक महिला को विखापत्तनम से हैदराबाद फ्लाइट के जरिए लाया गया था। डॉक्टर नम्रता पर आरोप है कि उन्होंने कपल को यकीन दिलाया कि इस महिला से पैदा होने वाला बच्चा उनका ही सरोगेट बेबी है। जब बच्चे का जन्म हुआ तो दोनों ने डॉक्टर नम्रता से सरोगेट मदर से डीएनए वेरिफिकेशन के लिए कहा। लेकिन बार-बार कहने के बावजूद डॉक्टर नम्रता टाल-मटोल करती रहीं। इसके बाद पति-पत्नी ने दिल्ली में खुद से डीएनए टेस्ट कराया। इसका रिजल्ट आने के बाद दोनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। बच्चे उनके साथ कोई जेनेटिक लिंक नहीं मिला।

शिकायत की तो गायब हो गई डॉक्टर जून में डीएनए रिपोर्ट आने के बाद कपल डॉक्टर नम्रता के पास शिकायत लेकर पहुंचा। इस पर डॉक्टर ने गड़बड़ी की बात मानी साथ ही मामला सुलझाने का आश्वासन दिया। लेकिन उसके बाद वह गायब हो गई। आखिर कपल को पुलिस की शरण लेनी पड़ी। मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने देर रात यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर पर छापा मारा। इस दौरान कर्मचारियों से पूछताछ की गई। कई अहम दस्तावेजों को जब्त किया गया और स्पर्म सैंपल्स को फॉरेंसिक जांच के लिए सील कर लिया गया।

पैसों का लालच देकर बनाते थे सरोगेट मदर: हैदराबाद नॉर्थ जोन की डिप्टी कमिश्नर रश्मि पेरुमल ने कहा कि यह लोग गरीब महिलाओं को पैसों का लालच देकर सरोगेट मदर बनाते थे। उन्हें दूसरे प्रदेशों से यहां लाया जाता था। जांच में रैकेट के नेटवर्क को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। सामने आया है कि यह क्लीनिक बड़े पैमाने पर दूसरे राज्यों से स्पर्म कलेक्ट करता था और ले आता था। इन राज्यों में गुजरात और मध्य प्रदेश के नाम शामिल हैं। इसके अलावा यह सेंटर बिना लाइसेंस वाले इंडियन स्पर्म टेक के साथ जुड़कर भी काम कर रहा था। फिलहाल कुछ लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारत का अनुवाद नहीं होना चाहिए, नहीं तो अपनी पहचान खो देगा: मोहन भागवत

कोच्चि, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि भारत का अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए अन्यथा यह अपनी पहचान और विश्व में इसे जो सम्मान प्राप्त है, वह खो देगा। भागवत ने कहा कि इंडिया तो भारत है लेकिन जब हम इसके बारे में बात करते हैं, लिखते हैं या बोलते हैं तो इसे इसी रूप में रखा जाना चाहिए फिर चाहे वह सार्वजनिक रूप से हो या व्यक्तिगत रूप से।

उन्होंने कहा कि क्योंकि यह भारत है इसलिए भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा, 'भारत एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है। इसका अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। यह सच है कि इंडिया भारत है। लेकिन भारत, भारत है। इसलिए बातचीत, लेखन और भाषण के दौरान फिर चाहे वह व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक हमें भारत को भारत ही रखना चाहिए।

उन्होंने कहा, भारत को भारत ही रहना चाहिए। भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है क्योंकि यह भारत है। अगर आप अपनी पहचान खो देते हैं तो चाहे आपके कितने भी अच्छे गुण क्यों न हों आपको इस दुनिया में कभी सम्मान या सुरक्षा नहीं मिलेगी। यही मूल सिद्धांत है। उन्होंने आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा में यह बात कही।

अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि दुनिया ताकत की भाषा समझती है इसलिए भारत को आर्थिक दृष्टि से भी शक्तिशाली और समृद्ध बनना होगा। भागवत ने कहा कि भारत को अब सोने की चिड़िया बनने की जरूरत नहीं है बल्कि अब शेर बनने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, यह जरूरी है क्योंकि दुनिया ताकत को समझती है। इसलिए भारत को ताकतवर बनना होगा। उसे आर्थिक दृष्टि से भी समृद्ध बनना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश को दूसरों पर शासन करने के लिए नहीं,बल्कि विश्व की सहायता करने के लिए ताकतवर बनना चाहिए।

अपने भाषण में भागवत ने यह भी कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो किसी व्यक्ति को कहीं भी अपने दम पर जीवित रहने में मदद कर सके। आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा कि 'भारतीय' शिक्षा त्याग और दूसरों के लिए जीना सिखाती है और अगर कोई चीज किसी व्यक्ति को स्वार्थी होना सिखाती है तो वह शिक्षा नहीं है। आरएसएस प्रमुख ने यह बात यहां आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा में कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा का तात्पर्य केवल स्कूल जाना भर नहीं है बल्कि घर और समाज का वातावरण भी है।

पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने लुधियाना में किसानों से बातचीत की

जालंधर, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को एक पेड़ की छांव में ग्रामीणों के एक समूह से बातचीत की और रंगला पंजाब बनाने के लिए उनके सुझाव लिए। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को आम आदमी पार्टी नीत सरकार की प्रमुख पहल से भी अवगत कराया।

इस बैठक के लिए न तो सोफे लगाये गए थे और न ही सरकारी प्रोटोकॉल की औपचारिकताएं थीं। ग्रामीणों ने मान से खुलकर बातचीत की और उनके साथ अपने विचार साझा किए। मान ने ग्रामीणों के साथ राज्य के राजनीतिक, सामाजिक और अन्य मुद्दों पर बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जब पदभार संभाला था, तो नहर के पानी का केवल 21 प्रतिशत ही सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था, लेकिन अब यह बढ़कर 63 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के ठोस प्रयासों से पहली बार नहर और नदियों का पानी गांवों के अंतिम छोर तक पहुंच पाया है।

मान ने किसानों को बताया कि अक्टूबर में नमी की अधिकता के कारण धान की फसल बेचने में आने वाली परेशानियों से बचने के लिए, राज्य सरकार ने धान की खेती के सत्र में भी बदलाव कर दिया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य में आवश्यक योजना और व्यवस्था के साथ-साथ क्षेत्रवार धान की खेती सुनिश्चित की गई है। मान ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय खाद्य मंत्री को फोन कर आग्रह किया था कि अब धान की खरीद 15 सितंबर से शुरू होनी चाहिए ताकि राज्य के किसान अपनी फसल आसानी से और बिना किसी परेशानी के बेच सकें।

उन्होंने कहा कि इससे किसान मंडियों में नमी रहित अनाज ला सकेंगे और उनकी खरीद सुचारू रूप से सुनिश्चित होगी। मादक पदार्थों के खतरे के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ड्रग माफिया को कथित तौर पर पिछली सरकारों द्वारा संरक्षण दिया गया था, लेकिन उनकी सरकार ने मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान शुरू किया।

जल संकट के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि 153 ब्लॉक में से 117 में भूजल 'ब्लैक डार्क जोन' में चला गया है। राज्य में हो रही भव्य शादियों पर चिंता व्यक्त करते हुए, मान ने कहा कि ये आम किसानों की जेब पर भारी बोझ डाल रही हैं। सादगीपूर्ण शादियों की वकालत करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समय की मांग है ताकि किसानों को कर्ज के दुष्चक्र से बाहर निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि किसानों को फिजूलखर्ची करने की होड़ से बाहर आना चाहिए।

एयर इंडिया ने अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ित परिवारों को मुआवजा देना शुरू किया

अहमदाबाद, एजेंसी। एयर इंडिया ने 12 जून को अहमदाबाद विमान दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को मुआवजा देना शुरू कर दिया है। एयरलाइन ने कहा कि उसने प्रभावित परिवारों को 25 लाख रुपए की अंतरिम मुआवजा राशि जारी करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा टाटा समूह ने भी प्रभावित परिवारों को एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि देने का वादा किया है। एयर इंडिया ने 12 जून को अहमदाबाद विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले 166 पीड़ितों के परिवारों को अंतरिम मुआवजा जारी करना शुरू कर दिया है। शनिवार को जारी एक प्रेस बयान में एयरलाइन ने कहा कि उसने प्रभावित परिवारों को 25 लाख रुपए की अंतरिम मुआवजा राशि जारी करना शुरू कर दिया है। एयरलाइन ने पीड़ित परिवारों को तत्काल मदद के लिए अंतरिम भुगतान की घोषणा की थी, जिसे 75 लाख रुपए के अंतिम मुआवजे में समायोजित किया जाएगा। एयरलाइन ने कहा कि एयर इंडिया ने अब तक 229 मृत यात्रियों में से 147 और दुर्घटनास्थल पर जान गंवाने वाले 19 लोगों के परिवारों को अंतरिम मुआवजा जारी कर दिया है। इस बीच, एयर इंडिया ने 52 अन्य यात्रियों के जरूरी दस्तावेजों का भी सत्यापन किया है। एयर इंडिया ने कहा है कि उनके परिवारों को अंतरिम मुआवजा किस्तों में जारी किया जाएगा। इसके अलावा, टाटा समूह ने दुर्घटना के पीड़ितों के लिए एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट की स्थापना की है। उसने सभी मृतकों के प्रभावित परिवारों को एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि देने का वादा किया है। ट्रस्ट बी जे मेडिकल कॉलेज के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण में भी सहयोग करेगा, जहां विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। ट्रस्ट घटना के बाद मदद करने वाले राहत कर्मियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सरकारी कर्मचारियों को भी सहायता प्रदान करेगा। उधर, सुरक्षा को लेकर सरकार ने एयर इंडिया के प्रबंधन के साथ सीधी बातचीत शुरू कर दी है। पहली बैठक 23 जुलाई को हुई। सरकार ने एयरलाइन को उच्चतम सुरक्षा मानकों को बनाए रखने का निर्देश दिया है।

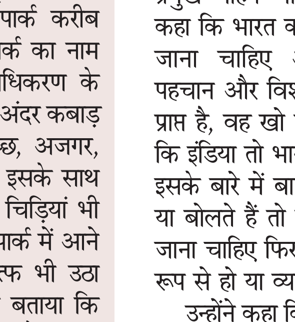

सोनीपत में सीआरपीएफ जवान की गोली मारकर हत्या, कांवड़ लाने के दौरान हुआ था झगड़ा

सोनीपत , एजेंसी। सोनीपत के गोहाना के गांव खेड़ी दमकन में रविवार देर रात एक सीआरपीएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान कृष्ण के रूप में हुई है, जो कुछ समय से छुट्टी पर गांव आया हुआ था। जवान 2 बच्चों का पिता था, जिनमें से एक बच्चे का जन्म 3 दिन पहले ही हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव में माहौल तनावपूर्ण है और पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी है। कृष्ण का कुछ दिन पहले गांव के ही युवकों से डाक कांवड़ लाने के दौरान झगड़ा हुआ था। इसी रंजिश में उसकी हत्या हुई है। गांव खेड़ी दमकन निवासी कृष्ण करीब 9 साल पहले सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था। उसकी शादी सात साल पहले हुई थी और उसका एक 6 साल का बेटा है। दूसरे बेटे का जन्म 3 दिन पहले ही हुआ था। कृष्ण एक महीने की छुट्टी पर घर आया था। रात करीब 1 बजे गांव के ही कुछ युवक कृष्ण को घर से बाहर बुलाकर ले गए और वहीं उस पर गोलियां चला दीं। गोली लगने से जवान की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार कृष्ण हाल ही में हरिद्वार से कांवड़ लाने गया था। इस दौरान गांव के ही कुछ युवकों से उसकी कहासुनी और झगड़ा हुआ था। गांव के अजय व निशांत पर उसकी हत्या के आरोप हैं। वारदात के बाद से दोनों आरोपी फरार हैं।

विचार-मंथन

संपादकीय

लो अब दूतावास भी फर्जी!

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में फर्जी दूतावास का भंडाफोड़ चौंकाने वाली घटना है। फर्जी काल सेंटर, फर्जी आधार केंद्र और वीजा दिलाने वाले फर्जी केंद्रों के मामले तो सामने आते रहे हैं, लेकिन फर्जी दूतावास के खुलासे से कई सवाल खड़े हो गए हैं। ये सवाल तब और गंभीर हो जाते हैं, जब राजधानी दिल्ली से महज चंद किलोमीटर की दूरी पर इस तरह का गोरखधंधा चल रहा हो। यह मामला न केवल धोखाधड़ी और जालसाजी का है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने इस मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जो खुलासे किए हैं, उनसे सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभालने वाली एजंसियां भी कठघरे में हैं।

एक आलीशान भवन में किसी देश का फर्जी दूतावास होने की भनक किसी को पहले क्यों नहीं लगी? आरोपी इस भवन के बाहर नकली राजनयिक नंबर प्लेट वाली महंगी कारें खड़ी करके रखता था, ताकि वहां आने वाले लोगों को यह दूतावास जैसा ही लगे। जांच के दौरान कई नकली नंबर प्लेट भी मौके से बरामद की गई हैं।एटीएस ने गाजियाबाद के कविनगर में छापा मार कर इस फर्जी दूतावास का पर्दाफाश किया। आरोपी ने किराए पर यह भवन ले रखा था, जहां वह फर्जी तरीके से पश्चिम आर्कटिक का दूतावास संचालित कर रहा था। वह खुद को सेबोर्गा, पुलविया और लोडोनिया का राजदूत भी बताता था। आरोपी इस फर्जी दूतावास के जरिए विदेश में काम दिलाने के नाम पर लोगों से मोटी रकम वसूलता था। हैरत की बात है कि वह लोगों को गुमराह करने के लिए प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ अपनी तस्वीरों का भी इस्तेमाल करता था।इन तस्वीरों को उसने इंटरनेट पर छेड़छाड़ करके तैयार किया था।

इससे इस बात का भी पता चलता है कि इंटरनेट का दुरुपयोग धोखाधड़ी और आपराधिक गतिविधियों के लिए किस हद तक किया जा सकता है। गौर करने की बात है कि इससे पूर्व वर्ष 2011 में इस आरोपी से एक अवैध सैटेलाइट फोन बरामद हुआ था और इस संबंध में स्थानीय थाने में मामला दर्ज किया गया था। यानी वह पहले से ही आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। जिस इलाके में वह फर्जी दूतावास चल रहा था, वहां पुलिस गश्त भी होती ही होगी। इस भवन के बाहर कोई सुरक्षाकर्मी भी तैनात नहीं था। ऐसे में सवाल है कि पुलिस को वहां संदिग्ध गतिविधियों को लेकर संदेह पहले क्यों नहीं हुआ?

धर्मान्तरण के खेल पर विपक्ष का मौन

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

गांव से लेकर महानगरों तक में फैली अवैध बस्तियों में गैरकानूनी हथियारों की बडी खेपें मौजूद है। यह जानकारी वहां के स्थानीय प्रशासन और पुलिस के पास निरंतर पहुंच रही है परन्तु कार्यपालिक ने अभी तक कट्टरता के आतंक तले पनप रही इस विष बेल को उखाडने को प्रयास ही नहीं किया है। इस उपेक्षा के पीछे जहां तंत्र में मौजूद मीर जाफरों की फौज उत्तरदायी है वहीं अनेक राजनैतिक दलों के छाती पीट आयोजन की धमकी भी कारगर हो जाती है। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही पर आतंकियों की भीडतंत्र, खद्दरधारियों की चीखें और न्यायालयों के फरमान हमेशा ही अवरोध के रूप में खडे होते रहे हैं।

समूची दुनिया में लोगों की निजी मान्यताओं को प्रभावित करने वाले प्रयासों में अचानक तेजी आ गई है। व्यक्तिगत जीवन शैली को साम्प्रदायिक मूल्यों के अनुरूप परिवर्तित करने वालों की भीड बढने लगी है। ऐसे गिरोहों को आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक सहयोग देने वालों की संख्या में निरंतर इजाफा होता जा रहा है। मजहब के नाम पर चलने वाली दुकानों को धार्मिक उन्माद फैलाने वाले कारखानों में बदल दिया गया है। पैसों की चमक, प्रतिष्ठा का लालच और विलासता का वैभव दिखाकर मासूम लोगों की भावनाओं से खुलेआम खिलवाड हो रहा है। जबरन धर्मान्तरण, निकाह और जेहाद के अनगिनत मामले तेजी से उजागर हो रहे हैं जिसमें सरकारी मशीनरी के महात्वपूर्ण कलपुर्जों को दबंगी से उपयोग किया गया है। पुलिस, प्रशासन और न्याय के मंदिरों का दुरुपयोग करने वालों की मनमानियों रह-रहकर सामने आ रहीं हैं।

निजी सम्पर्क, चांदी की चमक और राजनैतिक प्रभाव से निर्दोषों पर कहीं झूठी प्राथमिकी दर्जा करायी गई तो कहीं कानूनी शिकंजा कसा गया। कहीं कार्यपालिका के आला अफसरों का प्रताडना भरा हुकुम चला तो कहीं पुलिसिया डंडों की बरसात हुई। नक्कारखाने में निरीहों की आवाज तूती बनकर रह गई। शेखों की ऐशगाहों में हिन्दुस्तान की कलियों कुचलने की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होती चली गई। भय, डर और खौफ के शस्त्रों का प्रहार करने वाले आतंकी गिरोहों की तादात में इजाफा होता चला गया। सुर्खियों में आने के बाद भी ऐसे अनेक मामलों पर विरोधी दलों के नेताओं के मुंह से निंदा का एक भी शब्द बाहर नहीं आया। उनकी चुप्पी ने उनकी नीतियों, रीतियों और आदर्शों को उजागर कर दिया है। संविधान की किताब लेकर फोटो खिंचाने वाले चेहरों ने जबरन धर्मान्तरण वाले मामलों पर नकाब पहन कर मुंह छिपा लिया। पर्दे के पीछे से चल रहे इस षडयंत्र की बानगी ने ही आने वाले समय के विकार दावानल की दस्तक दे दी है। गांव से लेकर महानगरों तक में फैली अवैध बस्तियों में गैरकानूनी हथियारों की बडी खेपें मौजूद है। यह जानकारी वहां के स्थानीय प्रशासन और पुलिस के पास निरंतर पहुंच रही है परन्तु कार्यपालिक ने अभी तक कट्टरता के आतंक तले पनप रही इस विष बेल को उखाडने को प्रयास ही नहीं किया है।

इस उपेक्षा के पीछे जहां तंत्र में मौजूद मीर जाफरों की फौज उत्तरदायी है वहीं अनेक राजनैतिक दलों के छाती पीट आयोजन की धमकी भी कारगर हो जाती है। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही पर आतंकियों की भीडतंत्र, खद्दरधारियों की चीखें और न्यायालयों के फरमान हमेशा ही अवरोध के रूप में खडे होते रहे हैं। यह सब कुछ पूर्व निर्धारित षडयंत्र का व्यवहारिक स्वरूप है जो रह-रहकर सामने आता है। देश की बढती अर्थ व्यवस्था, वैश्विक प्रतिष्ठा और नागरिक खुशहाली को अस्तित्वहीन करने के लिए सीमापार से अनगिनत परियोजनायें चलाई जा रहीं हैं। इस हेतु अनेक विकसित राष्ट्रों, कट्टर देशों और जेहादी संगठनों द्वारा पूरे देश में आस्तीन के सांपों को पौष्टिक दूध पिलाया जा रहा है। जेहाद के नाम पर जहर की खेती करने वालों ने जन्नत की कल्पना में गर्म खून झौंककर काफिरों को मृत्युदण्ड देने का फतवा जारी कर दिया है। अल्लाह के इस्लाम से कोसों दूर मुल्ला का इस्लाम अब मानव जाति पर कहर बनकर टूट रहा है। व्यवहारिक आबादी के आंकडों में बहुसंख्यक होते ही वहां के इलाकों में तिरंगे से हटकर चांद-तारों की बातें होने लगतीं हैं। सरकारी दफ्तरों तक में रविवार के स्थान पर शुक्रवार का अवकाश तक घोषित कर दिया जाता है। यह देश की विडम्बना ही है कि समय के साथ सभी ज्वलंत और अमानवीय मुद्दे खामोशी अख्तियार कर लेते हैं। कोरोना काल में जिस तबलीगी जमात पर वायरस फैलाने, सरकारी आदेश न मानने और जबरन मनमानियां करने के आरोप लगाये गये थे, उस घटना पर की गई कानूनी कार्यवाही आज तक सामने नहीं आई। उत्तराखण्ड के वन क्षेत्रों में अवैध रूप से बनाई गई 5 हजार से अधिक मजारों के सुर्खियों में आने के बाद भी परिणाम सामने नहीं आये।

राजनैतिक दलों के मुखियों ने हमेशा ही 'देश की जनता जानना चाहती है', 'देश को जानने का हक है', 'देश को बताया जाना चाहिए', जैसे शब्दों का प्रयोग करके निहित स्वार्थों को साधने के लिए हमेशा से वोट बैंक बढाने के लिए षडयंत्र किया है। इसी के तहत कभी अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का नारा दिया गया तो कभी भगवां आतंक का राग अलापा गया। कभी अनुसूचित जाति-जनजाति जैसे शब्दों को तलवार बनाकर सौहार्य की हत्या की गई तो कभी सनातन को मनुवाद कहकर कोसा गया। ऐसा करने वालों के निशाने पर केवल और केवल सनातन, हिन्दू और वैदिक परम्पराओं का अनुशरण करने वाले ही रहते हैं। ऐसे लोग कट्टरता से लोहा लेने की सोचने मात्र से ही सिहर जाते हैं। धर्मान्तरण के खेल पर विपक्ष का मौन उनकी मान्यताओं को उजागर करने के लिए पर्याप्त है। राजनैतिक ठेकेदार बनकर देश के नागरिकों को जातिगत जनगणना से खण्ड-खण्ड करने का मनसूबा पालने वाले षडयंत्रकारी अब पूरी तरह से बाह्य आक्रान्ताओं के पदचिन्हों पर ही कदमताल करने लगे हैं। इन्हें रोकने के लिए आम आवाम को आगे आना पडेगा तभी सफेदपोश अपराधी पूरी तरह बेनकाब हो सकेंगे।इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

डिजिटल ठगी बढ़े मामले, सिस्टम हैक हो चुका है या जागरूकता फेल?

सख्ती और जागरूकता के दावों के बावजूद साइबर धोखाधड़ी रुक नहीं रही, तो आखिर इसकी वजह क्या है? हर वर्ष लाखों शिकायतें दर्ज होती हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर मामलों में गंभीरता दिखाई नहीं देती। देश के भीतर और अन्य देशों में बैठे शातिर अपराधी बड़ी चतुराई से नागरिकों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। साइबर अपराध के इतने स्वरूप हैं कि लोग उन्हें समझ नहीं पाते और जीवन भर की गाढ़ी कमाई गंवा बैठते हैं। आज साइबर अपराधी हर वर्ष करोड़ों रुपए की चपत लगा रहे हैं और जांच एजंसियां उन तक पहुंच नहीं पा रहीं।नतीजा यह कि अपराधी किसी न किसी रूप से लालच देकर या डरा-धमका कर नागरिकों को अपना शिकार बनाते रहते हैं। इसी का परिणाम है कि पिछले वर्ष 22 हजार 845 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर ठगी हुई है। जबकि वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 7,465 करोड़ रुपए था। लोकसभा में गृह राज्यमंत्री की ओर से दी गई इस जानकारी ने चिंता बढ़ा दी हैं। इससे पता चलता है कि पुलिस तंत्र साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम रहा है।

आखिर क्या कारण है कि आज के तकनीकी दौर में भी सुरक्षा एजंसियां साइबर धोखेबाजों तक नहीं पहुंच पा रही हैं? हालांकि, पुलिस प्रशासन की ओर से साइबर अपराध से तत्काल और सख्ती से निपटने के दावे किए जाते हैं, बावजूद इसके दर्ज होने वाले मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर वित्तीय धोखाधड़ी के पिछले वर्ष छत्तीस लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए।अपराधियों के संजाल को खत्म करने की कोशिशों के बीच ये आंकड़े साल-दर-साल बढ़ रहे हैं।

शोध अध्ययन भी बता रहे विशेष गहन पुनरीक्षण की जरूरत

(उमेश चतुर्वेदी)

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन परीक्षण पर विपक्षी दलों की ओर से सवाल न ही उठता तो हैरत होती। यह ठीक है कि चुनाव आयोग ने अपने 24 जून के इस संदर्भ में दिए गए आदेश में बार-बार बदलाव किया है,लेकिन विपक्षी खेमे की ओर से इस पुनरीक्षण पर सवाल उठने की वजह उनकी आशंका है। उन्हें लगता है कि इस पुनरीक्षण के बहाने उनके वोट बैंक को सत्ता पक्ष यानी बीजेपी और जेडीयू के इशारे पर चुनाव आयोग काट देगा। उनकी आशंका पर चर्चा से पहले एक हालिया शोध का भी जिक्र किया जाना जरूरी है, जिसके अनुसार बिहार में करीब 77 लाख फर्जी वोटर हैं। ये वोटर अल्पसंख्यक वर्ग वाले सिर्फ विदेशी घुसपैठिये ही नहीं है, बल्कि इसमें मृत और अपनी रिहायश छोड़ चुके मतदाता भी हैं।

डेमोग्रॉफिक रिकंस्ट्रक्शन एंड इलेक्टोरल रोल इन्फ्लेशन, एस्टीमेटिंग दी लेजिटिमेट वोटर बेस इन बिहार, इंडिया नाम शोध अध्ययन के मुताबिक बिहार की मतदाता सूची में ही ऐसी गड़बड़ियां नहीं है। शोधकर्ताओं का कहना है कि ऐसी गड़बड़ियां बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश की मतदाता सूची में हो सकती है। इस शोध अध्ययन को मुंबई के एसपी जैन इंस्टीट्यूट एंड मैनेजमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर विधु शेखर और और आईआईएम, विशाखापत्तनम के असिस्टेंट प्रोफेसर मिलन कुमार ने मिल कर किया है। एसएसआरएन में प्रकाशित यह अध्ययन किसी अनुमान पर नहीं, बल्कि सरकारी आंकड़ों, मसलन राज्य की जन्म और मृत्यु दर के साथ ही राज्य से हुए पलायन और आयु प्रत्याशा के सरकारी आंकड़ों के गहन अध्ययन और विश्लेषण पर आधारित है।

विधु शेखर और मिलन कुमार के अध्ययन के मुताबिक, बिहार में इस समय करीब सात करोड़ 89 लाख वोटरों का नाम मतदाता सूची में दर्ज है। इस अध्ययन के मुताबिक, इनमें से करीब 77 हजार नाम फर्जी हैं। यानी ये मतदाता या तो मर चुके हैं या बरसों पहले से अपनी बताई या दर्ज जगह से पलायन करके कहीं और जा बसे हैं। फर्जी या गलत मतदाताओं का यह आंकड़ा करीब 9.7 प्रतिशत होता है। इसका मतलब यह हुआ कि करीब दस प्रतिशत मतदाता ज्यादा हैं या असल में हैं ही नहीं। विधु शेखर और मिलन कुमार अपने शोध के बाद इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि राज्य की हर विधानसभा सीट पर करीब तीस हजार मतदाताओं का नाम गलत तरीके से दर्ज है।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। विधु शेखर और मिलन कुमार को आशंका है कि अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है।

इस अध्ययन के अनुसार, बिहार के गांवों में जहां मृत्यु के आंकड़े अपडेट ना होने की वजह से फर्जी नाम ज्यादा हैं, वहीं शहरी इलाकों में पलायन के बावजूद नाम काटे नहीं गए हैं। राज्य में पिछली बार मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 2003 में हुआ था। उस समय राज्य में करीब तीन करोड़ 41 लाख मतदाता थे। राज्य की मौजूदा जन्म और मृत्यु दर के हिसाब से इसके बाद 4.83 जुड़ने चाहिए थे। इसके साथ ही सरकारी आंकड़ों के अनुसार इन वर्षों में राज्य से करीब एक करोड़ 12 लाख वोटरों ने पलायन किया है। उन्होंने अपना स्थायी ठिकाना राज्य से बाहर बना लिया है। इसे दिल्ली, मुंबई, पंजाब जैसे शहरों और राज्यों में देखा भी जा रहा है, जहां भारी संख्या में बिहारी मूल के मतदाता हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अगर व्यापार में आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे थे तो अब उनसे भी छुटकारा मिलेगा। कार्यक्षेत्र में काफी संघर्ष के बाद आपको हर परेशानी को दूर करने का समाधान मिल सकता है। व्यापार के मामले में किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जो लाभकारी सिद्ध होगी।

वृष
आज दिन अच्छा रहने वाला है। आपको लाभ के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं। वहीं, नौकरी करने वाले अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत में लगे रह सकते हैं। परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन की योजना बनाई जा सकती है। आप जरूरी चीजों की खरीदारी के लिए भा जा सकते हैं।

कर्क
आज व्यापार में अप्रत्याशित उन्नति प्राप्त हो सकती है, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह जाएगा। आपको खुद की नजर अपनी उपलब्धियों पर लगाने से बचाना होगा। साथ ही, कार्यक्षेत्र में प्रगति की स्थायी रखने के लिए भी आपको मेहनत करनी होगी। ऐसा न करने से आगे परेशानी हो सकती है।

सिंह
आज व्यापार के मामले में कामकाज सामान्य गति से चलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको जरूरी कार्यों को समय पर पूरा करना होगा, अन्यथा आगे परेशानी हो सकती है। परिवार में अपने भाई या बहन की किसी बात से आप ज्यादा तनाव ले सकते हैं। सभी के सहमति से कहीं स्थान परिवर्तन पर भी विचार कर सकते हैं।

मिथुन
आज आपको कामकाज को लेकर ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है। लेकिन इसके परिणाम आपको लाभ दिलाने वाले होंगे। कार्यक्षेत्र में आप हर काम उत्साहपूर्वक करेंगे। इससे तनाव भी थोड़ा कम होगा। व्यवसाय में कुछ समय बाद आपको अभी से भी अच्छा कोई लाभ या प्रोजेक्ट प्राप्त हो

कन्या
आज आप किसी बात को लेकर बेवजह परेशान रह सकते हैं। सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आपके विरोधियों की संख्या बढ़ सकती है। ऐसे में कोई भी फैसला सोच-समझकर करें और जल्दबाजी में कोई काम न करें। साहस और बुद्धिमानी दिखाकर आप विरोधियों को पराजित कर सकते हैं। ०

तुला
आज आपको व्यवसाय सही ढंग से नहीं चल रहा है, तो अपने कारोबार को लेकर आप थोड़े परेशान रह सकते हैं। कार्यस्थल पर अस्थिरता के चलते मानसिक तनाव बढ़ने की संभावना है। ऐसे में सोच-समझकर फैसले लें। नौकरी और व्यापार के मामले में स्थिति को बेहतर बनाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी।

वृश्चिक
अगर व्यवसाय के क्षेत्र में कोई तनाव चल रहा है, तो उसे अपने ऊपर हावी न होने दें। इससे मानसिक अशांति बढ़ सकती है। व्यापार में किसी बार-बार बन और बिगड़ रहे कार्यों के बीच कोई नई योजना सफलता दिला सकती है। पुरानी समस्याओं से भी अब आपको छुटकारा मिलेगा। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ तालमेल बना रहेगा।

मकर
आज दिन उत्तम रहने वाला है। व्यापार के मामले में किसी नए संपर्क से लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं। पहले किसी काम की गई कड़ी मेहनत अब आपको अच्छे परिणाम दे सकती है। अगर आपकी पैसा कहीं फंसा हुआ है तो कुछ कठिनाई के बाद आपको वह प्राप्त हो जाएगा। जीवन में उन्नति मिलेगी जिससे आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी।

कुंभ
आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जो लोग क्रय-विक्रय का व्यवसाय करते हैं उन्हें लाभ प्राप्त हो सकता है। साथ ही, आपको दिनभर व्यापार से जुड़े कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकते हैं। लेकिन आपके अनावश्यक मामलों से दूर रहना होगा, अन्यथा मुश्किल खड़ी हो सकती है। आप किसी धार्मिक स्थान पर यात्रा करने की योजना भी बना सकते हैं।

धनु
आज कार्यस्थल पर उच्च पद वाले अधिकारियों के साथ निकटता होने से आपको लाभ उठाने के कई शुभ अवसर पूरे दिन प्राप्त होंगे। अगर आप नया काम शुरू करने का विचार कर रहे हैं, तो उसमें भी कदम आगे बढ़ा सकते हैं। व्यापार के मामले में यात्रा के योग बन रहे हैं। समय का सही

मीन
आज आपके लिए उन्नति के कई मार्ग खुल सकते हैं। लेकिन आपको इन अवसरों को पहचानना होगा। अगर कार्यक्षेत्र में कोई विवाद चल रहा था, तो वह अब समाप्त हो जाएगा। लेकिन आपको गुप्त विरोधियों से सावधान रहना होगा। किसी भी व्यक्ति को धन उधार देने से बचें, अन्यथा उसके वापस मिलने की बहुत कम संभावना है। अध्ययन व अध्यात्म में आप ज्यादा समय निकाल सकते हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5806

	4			1			6	
9		6	5		2			4
						9	5	
3	2						8	
1			7	5	9			2
	9						1	5
	7	4						
6			4		8	5		1
	5			2			9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5805

2	5	4	8	9	7	6	3	1
3	6	7	2	4	1	9	8	5
8	1	9	3	6	5	7	4	2
7	4	8	1	3	6	2	5	9
6	2	1	5	8	9	4	7	3
5	9	3	7	2	4	1	6	8
4	8	2	6	1	3	5	9	7
9	3	5	4	7	2	8	1	6
1	7	6	9	5	8	3	2	4

वर्ग पहेली 5806

संकेतः बाएं से दाएं
1. पारसमणि फिल्म से सरगमी सफर शुरू करने वालों में से एक संगीतकार जिनका जन्म 3 सितंबर 1944 है (4)
4. 1971 को यह देश स्वतंत्र राष्ट्र बना (3)
7. जल से उत्पन्न वस्तु (3)
8. पवित्र, पाक, पापहीन (3)
9. कल्पवृक्ष, अमरतरू, कल्पतरू (4)
12. आदर देना, आज्ञा पालन करना (3)
14. तिरस्कृत, अनाहत, अपमानित (3)
15. कोलकाता से 150 किमी दक्षिण पूर्व सुंदरवन में स्थित प्रसिद्ध तीर्थ (5)
18. खिदमत, टहल, परिचर्या (2)
20. विद्युतपात, वज्राघात (2)
21. धैर्यहीन, अधीर, बेकरार (3)
23. एक स्त्री से प्रेम करने वाले दो व्यक्ति का परस्पर यह कहलाते है (3)

संकेतः ऊपर से नीचे
1. इसे मालवी में कांदा कहते है (2)
2. रेल लाईन (4)
3. शर्म, हया, लज्जा (2)
4. नरमुंडों की माला महनने के कारण भगवान शंकर का एक नाम (5)
5. तेरा या तेरी (संस्कृत)(2)
6. झंकृत होना, झंकार होना (4)
9. वृक्ष, पेड़, झाड़ (2)
10. इंदौर के संगीतज्ञ मनोहर पटवर्धन द्वारा विकसित वाद्य यंत्र (4)
11. टौंस नामक नदी, ऋक्ष पर्वत से निकल गंगा नदी में मिलने वाली नदी (3)
13. विश्वकर्मा के सुत नल द्वारा बनाया गया रामेश्वर के निकट समुद्र पर बंधा पुल (4)
14. धन संपत्ति, स्वर्ण (2)
16. भोजन में सलाद के रूप में उपयोंग में आने वाले शिखाकंद, पिंडमूल (3)
17. निर्धन, कंगाल, दरिद्र (3)
19. न्यौछावर करना, उत्सर्ग करना (3)
21. किसी वस्तु को पाने का अल्प निश्चय (2)

वर्ग पहेली 5805 का हल

गु	ज	रा	त		बे	रू	त
ल	ल	का	र	ना		म	न
जा	ना		स	म	क्ष		ख्वा
री				व			ह
ला	ला	अ	म	र	ना	थ	
ल	ल	क	ना		म	ल	य
नं		ब	ना	व		च	
दा	य	र		न	जी	र	

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस विमेंस वर्ल्डकप जीता

वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला; भारत की ही कोनेरू हम्पी को फाइनल हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। 19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस का फिडे महिला वर्ल्ड कप जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में भारत की ही कोनेरू हम्पी को टाईब्रेक राउंड में हराकर खिताब जीता। वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ वे भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गईं। टूर्नामेंट में दिव्या ने कई टॉप रैंक प्लेयर्स को हराया और फाइनल में जगह बनाई। हम्पी के खिलाफ फाइनल में दिव्या ने दोनों प्रमुख मुकाबले ड्रॉ खेले। जिसके बाद सोमवार को टाईब्रेक राउंड हुआ, जिसमें दिव्या ने 2.5-1.5 के स्कोर से बाजी मारी। मैच के बाद हम्पी ने कहा कि 12वीं चाल के बाद उन्हें समझ नहीं आया कि अब क्या करना है। हालांकि, 54वीं चाल में दिव्या ने जरूरी बढ़त हासिल कर ली। जिसके बाद हम्पी ने रिजाइन कर दिया और दिव्या को जीत मिली।

दिव्या को 42 लाख मिलेंगे

फिडे विमेंस वर्ल्ड कप जीतने पर दिव्या को लगभग 42 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं वर्ल्ड कप (ओपन सेक्शन) के विजेता को लगभग 91 लाख मिलते हैं।

विमेंस कैंडिडेट्स के लिए क्वालिफाई किया

दिव्या ने वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ अगले साल के विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। वे इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाली दूसरी ही भारतीय बनीं। कोनेरू हम्पी ने भी फाइनल में जगह बनाने के साथ कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया।

भारत और पाक एशिया कप पर बयान देने पर बुरी तरह फंसे सौरव गांगुली, सोशल मीडिया पर हुई थू-थू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दादा के नाम से मशहूर सौरव गांगुली अपने एक हालिया बयान के चलते सोशल मीडिया पर बुरी तरह घिर गए हैं। उन्होंने एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद से उन्हें फैंस की भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

क्या कहा था गांगुली ने

एशिया कप 2025 का शेड्यूल जारी हो चुका है और इस टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। इसी मैच को लेकर जब सौरव गांगुली से पूछा गया, तो उन्होंने बात करते हुए कहा, मुझे इससे कोई समस्या नहीं है। खेल चलते रहना चाहिए। पहलगाम में जो हुआ, वो नहीं होना चाहिए लेकिन खेल जारी रहना चाहिए। आतंकवाद नहीं होना चाहिए, इसे रोका जाना चाहिए। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। गांगुली के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है और कई फैंस इसे संवेदनहीन बता रहे हैं। लोगों का मानना है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ऐसे बयान से बचना चाहिए था।

शादी से पहले इस एक्ट्रेस को डेट कर रहे थे सचिन तेंदुलकर! अब हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को अक्सर तश्स्र श्द्ध ष्टह्लद्बष्द्गह्ल के

रूप में जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर में न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों के दिलों में जगह बनाई। जहां उनकी प्रोफेशनल लाइफ की चर्चा अक्सर होती रहती है, वहीं उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर कम ही बातें सामने आती हैं। हाल ही में एक पुराने किस्से ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरीं, जब बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर ने एक इंटरव्यू में सचिन तेंदुलकर से जुड़ी अफवाहों पर खुलकर बात की।

शिल्पा शिरोडकर ने क्या कहा?

शिल्पा शिरोडकर ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि जब वह एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तभी उन्होंने पहली बार सचिन तेंदुलकर से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, सचिन वहीं रहते थे, जहां मेरा भाई रहता था। दोनों साथ में बांद्रा ईस्ट में क्रिकेट खेला करते थे। उसी समय मैं सचिन से मिली थी। हम अच्छे दोस्त थे और मुझे पहले से पता था कि सचिन और अंजलि एक-दूसरे को पसंद करते हैं, लेकिन तब किसी को इस बारे में जानकारी नहीं थी।

अफेयर की अफवाहें कैसे उड़ीं?

शिल्पा ने यह भी बताया कि वे एक अभिनेत्री थीं और सचिन क्रिकेटर, इसलिए मीडिया और लोगों के लिए दोनों का नाम जोड़ना आसान हो गया। उन्होंने साफ किया कि वे सचिन से केवल एक बार मिली थीं और इसके बाद भी दोनों के बीच कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था। मुझे नहीं पता कि ऐसी अफवाहें क्यों फैलीं, लेकिन शायद इसलिए कि हम दोनों अपने-अपने फील्ड में पॉपुलर थे, उन्होंने हंसते हुए कहा।

25 गेंदों में अर्धशतक, फाइनल में ताबड़तोड़ पारी खेलकर इस खिलाड़ी ने अपनी टीम को बनाया चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वीमेन ब्लास्ट का फाइनल मैच सरे वूमेन और वारविकशायर वूमेन क्रिकेट टीम के बीच रविवार, 27 जुलाई को खेला गया. वारविकशायर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 153 रन बनाए. सरे वूमेन टीम ने लक्ष्य को 16.4 ओवरों में हासिल कर 5 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया. ग्रेस हैरिस ने मैच जिताऊ पारी खेली, उन्होंने 33 गेंदों में नाबाद 63 रन बनाए.सरे वूमेन टीम की कप्तान ब्रायोनी स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था. पहले ही ओवर में एलेक्सा केट स्टोनहाउस ने मेग ऑस्टिन (4) को आउट कर बड़ी सफलता दिलाई, इसके बाद अगले ही ओवर में दूसरी सलामी बल्लेबाज डेविना बिना खाता खोले आउट हो गई. वारविकशायर वूमेन टीम के लिए कोई प्लेयर बड़ी पारी नहीं खेल सका, टीम के लिए सबसे ज्यादा रन इस्सी वोंग ने बनाए. उन्होंने 19 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 31 रन बनाए.सरे टीम के लिए सबसे किफायती फोएबे फ्रेंक्लिन रहीं, उन्होंने अपने 4 ओवरों के स्पेल में सिर्फ 16 रन देकर 2 विकेट लिए. एलेक्सा केट स्टोनहाउस ने भी 2 विकेट चटकाए. एलिस कैप्सी, रियाना मैकडोनाल्ड-गे और डेनिएल लूसी ग्रेगरी को 1-1 विकेट मिला.लक्ष्य का पीछा करने उतरी सरे वूमेन टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं हुई थी, सलामी बल्लेबाज डेनियल व्याट-हॉज (5) दूसरे ही ओवर में आउट हो गई. एलिस कैप्सी के रूप में टीम का तीसरा विकेट 42 के स्कोर पर गिरने के बाद सरे टीम पर दबाव आ गया था लेकिन तब ग्रेस हैरिस ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर मैच को एकतरफा बना दिया.

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर, सीएसके का यह खिलाड़ी टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। चौथे टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय चोट लगने के बाद भारतीय उप कप्तान ऋषभ पंत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के पांचवे टेस्ट मैच से बाहर हो गए है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए उनकी जगह तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है।

इंग्लैंड खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया और बीसीसीआई की टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। मैच के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए पंत चोटिल हो गए जिससे कि विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को बीच में ही मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा। फिर रवींद्र जडेजा ने वाशिंगटन सुंदर के साथ पारी को आगे बड़ाया। हालांकि पंत दूसरे दिन फिर से बल्लेबाजी करने आए और भारत के कुल स्कोर में और रन जोड़े। दूसरे दिन उन्होंने 17 रन बनाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर जोफ्रा आर्चर की अच्छी गेंद पर आउट होकर वापिस ड्रेसिंग रूम जाना पड़ा।

बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए कहा, ऋषभ पंत, जिन्हें मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था, श्रृंखला के पांचवें और अंतिम टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नज़र रखेगी और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पुरुष चयन समिति ने पांचवें टेस्ट के लिए ऋषभ पंत के प्रतिस्थापन के रूप में नारायण जगदीशन का नाम लिया है, जो 31 जुलाई, 2025 को केनिंग्टन ओवल, लंदन में शुरू होगा। पंत इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजो में से थे, उन्होंने सात पारियों में 479 रन बनाए, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल है।

पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज, अर्शदीप सिंह, एन जगदीसन (विकेटकीपर)।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा, स्टार ऑलराउंडर टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने 28 जुलाई को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। ओवरटन को कप्तान बेन स्टोक्स के कवर के तौर पर शामिल किया गया है, जिन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या हो गई थी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ होने वाले पांचवें टेस्ट मैच के लिए एक ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टीम में वापसी की है। यह मैच सीरीज का निर्णायक मुकाबला होगा और दोनों ही टीमें जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी। भारतीय टीम इंग्लैंड को उनके घरेलू मैदान पर कड़ी टक्कर देगी। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। पांचवें और अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ करना चाहेगी। भले ही इंग्लैंड की टीम आक्रामक क्रिकेट खेल रही है लेकिन भारतीय टीम ने अब तक बेहतरीन जज्बा और संयम दिखाया है। इंग्लैंड पर दबाव बनाने के लिए पांचवें टेस्ट मैच में बल्लेबाजो को बड़ा स्कोर बनाना होगा वही गेंदबाजो को भी महत्वपूर्ण समय पर विकेट लेना होगा।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम–बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग, क्रिस वोक्स।

सुप्रीम कोर्ट से बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को राहत, फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में FIR रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी।

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शटलर लक्ष्य सेन पर साल 2022 में उम्र का गलत विवरण देने का आरोप लगा था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि यह अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है। सुप्रीम कोर्ट ने जन्म प्रमाण में जालसाजी मामले में भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य के खिलाफ एफआईआर रद्द कर दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि लक्ष्य सेन के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी रखना अनुचित है और यह अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

जानें क्या है पूरा मामला

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शटलर लक्ष्य सेन पर साल 2022 में उम्र का गलत विवरण देने का आरोप लगा था। बेंगलुरु पुलिस ने नागराजा एमजी नाम के शख्स की शिकायत के बाद लक्ष्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। लक्ष्य सेन पर जूनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हुए आयु-प्रतिबंधित टूर्नामेंटों में प्रवेश पाने के लिए अपनी उम्र में हेरफेर करने का आरोप लगा था। इसके बाद एक स्थानीय अदालत ने पुलिस को लक्ष्य के खिलाफ आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया था। लक्ष्य बेंगलुरु में प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन एकेडमी में प्रशिक्षण लेते हैं। एफआईआर में नामित लोगों में लक्ष्य, उनके कोच विमल कुमार, उनके पिता धीरेंद्र सेन, उनके भाई चिराग और मां निर्मला सेन के नाम शामिल थे। लक्ष्य और बाकी लोगों पर धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) और 471 (जाली रिकॉर्ड को वास्तविक के रूप में उपयोग करना) समेत विभिन्न आईपीसी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य को दी बड़ी राहत

याचिकाकर्ताओं ने 2022 में कर्नाटक हाई कोर्ट का रुख किया था। मामले पर सुनवाई करते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट ने लक्ष्य, उनके परिवार और कोच विमल कुमार की ओर से दाखिल याचिकाओं को खारिज करते हुए फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले की जांच आदेश दिए थे। हाईकोर्ट से याचिकाएं खारिज होने के बाद लक्ष्य और उनके परिवार ने तत्काल सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मुकाबला ड्रॉ, फिर भी टीम इंडिया के नाम दर्ज हुआ वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त किया। इसी के साथ टीम इंडिया के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। भारत एक ही टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा बार 350+ रनों का आंकड़ा छूने वाला देश बन गया है। इस मामले में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपने ही घर पर साल 1920-21 में इंग्लैंड के विरुद्ध एक ही टेस्ट सीरीज में छह बार 350+ रन बनाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने विदेशी सरजमीं पर इंग्लैंड के खिलाफ साल 1948 और 1989 में खेली गई सीरीज में इस कारनामे को दोहराया। दोनों बार ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में छह-छह दफा 350+ रन बनाए। भारत ने लीड्स में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में 471 और 364 रन बनाए थे। इसके बाद एजबेस्टन में टीम इंडिया ने पहली पारी में 587 रन बनाए, जबकि अगली इनिंग 427/6 के स्कोर पर घोषित की। टीम इंडिया ने तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 387 रन जोड़े, जबकि अगली पारी में 170 रन पर सिमट गई। चौथे टेस्ट की पहली पारी में 358 रन बनाने के बाद भारत ने दूसरी इनिंग में चार विकेट खोकर 425 रन बनाए। मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच की बात करें, तो टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाए। टीम इंडिया की ओर से यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक जमाए। विपक्षी टीम की ओर से बेन स्टोक्स ने सर्वाधिक पांच शिकार किए। इसके जवाब में इंग्लैंड ने पहली पारी में 669 रन बना दिए। मेजबान टीम की ओर से जो रूट ने 150, जबकि बेन स्टोक्स ने 141 रन टीम के खाते में जोड़े।

न्यूज बाइट्स

सड़क दुर्घटना में तीन घायल, रेफर

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि.सं.)। रफीगंज-शिवगंज पथ पर चातर मोड के पास सड़क दुर्घटना में चित्रसारी गांव निवासी 25 वर्षीय शैलेश कुमार, 36 वर्षीय अनू देवी एवं 11 वर्षीय अंकुश कुमार घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों द्वारा रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया। डॉक्टर धनंजय कुमार के द्वारा प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए गया मगध मेडिकल रेफर कर दिया गया। घायल अनु देवी ने बताया कि अपने गांव से रफीगंज अपुत्र अंकुश कुमार का इलाज कराने आए थे। तभी एक होटल के पास सामने से आ रही ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे तीनों लोग गिरकर घायल हो गए। डॉक्टर ने बताया कि तीनों का पैर टूट गया है। बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया।

भोला जागरण महोत्सव का भव्य आयोजन

गोह (औरंगाबाद) (नि.सं.)। गोह की देवकुंड नगरी में रविवार की रात भोला जागरण महोत्सव का भव्य आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। रात्रिभर चले इस जागरण में हजारों श्रद्धालु उमड़े और बाबा दूधेश्वरनाथ के जयकारों से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे डॉ. विनोद बिहारी ने कहा कि इस तरह के आयोजन धार्मिक आस्था को तो मजबूत करते ही हैं, साथ ही सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत करते हैं। उन्होंने आयोजक मो. एकलाख खान की समर्पित भूमिका की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मो. एकलाख खान ने की, जबकि मंच संचालन समुन्दर सिंह ने कुशलता से निभाया। रात्रि जागरण के दौरान भक्ति गीतों की गूंज से पंडाल गूंजता रहा। सुप्रसिद्ध भजन गायिका इशरत जहाँ ने 'हर हर सम्भो देवा महादेवा जैसे भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया, वहीं गायक राजा मंडल ने 'बिना माई के काम अधूरा बा' जैसे गीतों से समां बांध दिया।

जिले में बढ़ती जा रही एचआईवी संक्रमितों की संख्या

छह महीने में 66 एचआईवी संक्रमित

» युवाओं और गर्भवती महिलाओं में बढ़ती चिंता » साल 2023 से अब तक 1771 केस आए सामने

- 18 से 25 साल के युवा, प्रवासी मजदूर और ट्रक चालक सबसे अधिक प्रभावित हैं। कई मामलों में गर्भवती महिलाएं भी संक्रमित पाई गई हैं।
- असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई व ब्लेड का प्रयोग और संक्रमित खून के संपर्क में आने को मुख्य कारण माना गया है।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद जिले में एचआईवी संक्रमितों की संख्या चिंताजनक गति से बढ़ती जा रही है। वर्ष 2025 के शुरुआती छह महीनों में ही 66 नए संक्रमित मरीजों की पहचान हुई है, जिनमें पुरुषों और महिलाओं की संख्या समान है। यह आंकड़ा स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक संगठनों द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों के बावजूद सामने आया है, जिससे जिले में एचआईवी संक्रमण की भयावहता को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न हो गई है। जिला आईसीटीसी सुपरवाइजर राकेश कुमार राय ने जानकारी देते हुए बताया कि हालात चिंताजनक हैं क्योंकि लोग अभी भी जांच कराने से बच रहे हैं, जिसके कारण संक्रमण और भी फैलने की आशंका बनी हुई है। इस वर्ष मिले संक्रमितों में 38 पुरुष और 38 महिलाएं शामिल हैं, जिनमें कई गर्भवती महिलाएं भी हैं। 18 से 25 साल के युवा, प्रवासी मजदूर और ट्रक चालक सबसे अधिक प्रभावित वर्ग में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, संक्रमण के पीछे असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई या ब्लेड का इस्तेमाल और एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के खून के संपर्क में आना प्रमुख कारण हैं। 2003 से अब तक जिले में 1771 एचआईवी संक्रमित मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। इसमें लगभग 40 प्रतिशत संक्रमित 25 से 35 वर्ष की उम्र के युवा हैं, जो यह दर्शाता है कि एड्स का वायरस युवाओं के बीच तेजी से फैल रहा है। संक्रमितों में लगभग 5 प्रतिशत छोटे बच्चे भी शामिल हैं, जो स्थिति की गंभीरता को और अधिक गहरा बनाता है। नोडल पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन ने बताया कि एचआईवी की पुष्टि के लिए तीन अलग-अलग टेस्ट किए जाते हैं। यदि संक्रमण की पुष्टि होती है, तो उक्त व्यक्ति की पहचान गुप्त रखते हुए नियमित इलाज की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है।

जिले में सदर अस्पताल स्थित आईसीटीसी (इंटीग्रेटेड काउंसिलिंग एंड टेस्टिंग सेंटर) 2003 से कार्यरत है, जो बिहार राज्य एड्स नियंत्रण विभाग के निर्देश पर संचालित हो रहा है। अब तक इस केंद्र के माध्यम से जून 2025 तक 67472 पुरुषों और 55759 महिलाओं की जांच की जा चुकी है। वहीं, कुल 120546 लोगों की काउंसलिंग भी की गई है। सरकार के निर्देशानुसार अब गर्भवती महिलाओं, सर्जरी से पहले आने वाले पुरुष-महिलाओं की एचआईवी जांच अनिवार्य कर दी गई है, जिससे संक्रमण के फैलाव को रोका जा सके। केंद्र से जुड़ी सबसे गंभीर स्थिति यह है कि एआरटी सेंटर में दो डॉक्टरों का पद स्वीकृत होने के बावजूद पिछले कई महीनों से एक भी डॉक्टर मौजूद नहीं है। इससे मरीजों के इलाज और परामर्श कार्य प्रभावित हो रहा है।

पर्यवेक्षक राकेश कुमार राय और परामर्शी अंजनी कुमारी ने बताया कि अधिकतर संक्रमित अन्य प्रदेशों में काम करने वाले मजदूर हैं, जो बाहर असुरक्षित यौन संबंध बनाकर लौटते हैं और जब लक्षण गंभीर हो जाते हैं, तब जांच के लिए अस्पताल पहुंचते हैं। काउंसलिंग के दौरान शुरू में वे संकोच करते हैं लेकिन बाद में धीरे-धीरे सच उजागर होता है।

हत्या के मामले में छह अभियुक्तों को उम्रकैद, दो को आर्म्स एक्ट में भी सजा

- संतोष सिंह और सुजीत सिंह को आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत 7 साल की अतिरिक्त सजा और 10,000 जुर्माना।
- इस जुर्माने के न देने पर एक साल की और सजा।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय के एडीजे-8 न्यायाधीश मनीष जायसवाल ने सोमवार को छह अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह सजा मुफस्सिल थाना कांड संख्या 42/21 से जुड़ी है। कोर्ट ने सुनवाई के बाद सभी अभियुक्तों को भादंवि की धारा 302 के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये जुर्माना की सजा दी है। जुर्माना नहीं देने की स्थिति में तीन साल की अतिरिक्त सजा भी भुगतनी होगी। अभियुक्तों में अजय सिंह, निर्मला देवी, रामप्रवेश सिंह, संतोष सिंह, संजीत सिंह और सुजीत सिंह शामिल हैं, जो सभी ग्राम कुंडा, थाना मुफस्सिल के निवासी हैं। एपीपी प्रदीप कुमार सिंह ने जानकारी दी कि मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 9 गवाहों की गवाही कराई गई थी, जिसके आधार पर अदालत ने 16 जुलाई 2025 को सभी को दोषी ठहराया था। कोर्ट ने संतोष सिंह और सुजीत सिंह को आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत 7 साल कारावास और 10 हजार रुपये जुर्माना की अतिरिक्त सजा भी सुनाई। जुर्माना नहीं देने पर उन्हें 1 साल का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक रिंकु कुमार ने 5 मार्च 2021 को मुफस्सिल थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में उन्होंने बताया कि उनके चाचा अजय सिंह और रामप्रवेश सिंह गांव के मरहटिया से शमीम बगीचे के बीच खेत में आलू खोद रहे थे। इसी दौरान रिंकु कुमार और उनका भाई मिंकु कुमार वहां पहुंचे और चाचा से सवाल किया कि उन्होंने बटाईदार को खेत में काम करने से क्यों रोका। इस सवाल पर विवाद इतना बढ़ गया कि चाचा, चाची और उनके पुत्रों सहित अन्य ने हमला कर दिया। इस दौरान सुजीत सिंह और संतोष सिंह ने गोली चला दी, जिसमें मिंकु कुमार को गोली लग गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

करीब चार साल चली सुनवाई के बाद अदालत ने इस जघन्य अपराध में शामिल सभी छह अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए उन्हें कठोर सजा सुनाई। कोर्ट के फैसले से मृतक के परिजनों में न्याय मिलने की भावना है, वहीं गांव में भी इस फैसले की चर्चा है।

किसानों की तरक्की को सहकारिता विभाग दे रहा मजबूती

हर प्रखंड में बनेगा कोल्ड स्टोरेज और गोदाम : प्रेम कुमार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान राज्य सरकार की कृषि आधारित सहकारिता योजनाओं का विस्तृत ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार किसानों के आर्थिक उत्थान के लिए ठोस पहल कर रही है और इसी क्रम में जिले के हर प्रखंड में एक-एक कोल्ड स्टोरेज और एक-एक गोदाम का निर्माण कराया जाएगा।

प्रेसवार्ता में मंत्री ने बताया कि कोल्ड स्टोरेज की क्षमता 10 हजार किलोग्राम तथा गोदाम की क्षमता 20 हजार किलोग्राम होगी। यह सुविधाएं विशेष रूप से सब्जी उत्पादक किसानों के लिए बनाई जाएंगी ताकि उन्हें फसल की बर्बादी से बचाया जा सके और बाजार में उचित मूल्य मिल सके। प्रेम कुमार ने जानकारी दी कि इस वर्ष बिहार सरकार ने सहकारिता के माध्यम से 40 लाख मैट्रिक टन धान की खरीद की है और सभी किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अब न केवल धान बल्कि गेहूं, दलहन और तिलहन की भी खरीद सहकारिता विभाग के माध्यम से हो रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता विभाग को भरपूर फंड दिया जा रहा है, जिससे किसानों को किसी तरह की आर्थिक परेशानी नहीं हो रही है। सब्जी उत्पादकों के लिए विशेष रूप से सब्जी फेडरेशन का गठन किया गया है, जो अब राज्य भर में क्रियाशील है और किसानों से सीधे सब्जी खरीद कर रही है।

मंत्री ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 लागू की है, जिसका उद्देश्य सहकारिता को भारत की सकल घरेलू उत्पाद में महत्त्वपूर्ण भूमिका में लाना है। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, नीली क्रांति के बाद अब 'स्वीट क्रांति' की ओर भारत अग्रसर है, जिसमें मधुमक्खी पालन के माध्यम से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रेम कुमार ने जोर देकर कहा कि सहकारिता के माध्यम से गांव, किसान और कृषि तीनों को सशक्त बनाकर समृद्ध बिहार की नींव रखी जा रही है।

सिंहा कॉलेज परिसर में आयोजित 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर

एनसीसी के प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को मिल रहा अनुशासन, देशभक्ति और तकनीकी प्रशिक्षण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में एनसीसी की 13 बिहार बटालियन द्वारा सच्चिदानंद सिंहा कॉलेज परिसर में आयोजित 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-12) का तीसरा दिन सोमवार को पूरी ऊर्जा और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण शिविर में शामिल सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स को विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सोमवार को दिन की शुरुआत सुबह ड्रिल अभ्यास से हुई, जिसमें सभी कैडेट्स ने अनुशासन और समर्पण के साथ भाग लिया। शिविर में कैडेट्स को देशभक्ति, शारीरिक दक्षता और सैन्य अनुशासन की गहराई से जानकारी दी जा रही है। कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल प्रदीप कुमार तक्षक की पहल पर औरंगाबाद के जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री भी शिविर में पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद सभी कैडेट्स को देश सेवा की भावना, आत्मअनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर प्रेरक संबोधन दिया। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण शिविर के विभिन्न पहलुओं की जानकारी भी कैडेट्स से ली और उनके उत्साह की सराहना की। शिविर में मौजूद एएनओ लेफ्टिनेंट सच्चिदानंद सिंह ने कैडेट्स को नैतिकता और प्रेरणा (मोरल एंड मोटिवेशन) पर गहन जानकारी दी, जिससे युवाओं में सकारात्मक दृष्टिकोण और जिम्मेदारी की भावना विकसित हो सके। इसके अलावा, पीआई स्टाफ ने कैडेट्स को मैप रीडिंग, दिशा निर्धारण और प्रिजमेटिक कंपास के उपयोग का भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया, जो भविष्य में सेना या किसी सेवा क्षेत्र में बेहद उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

इस शिविर में ब्रह्मकुमारी संस्था की टीम भी विशेष रूप से पहुंची और उन्होंने कैडेट्स को मानसिक स्वास्थ्य, आत्मबल और संयम के महत्व को लेकर कई प्रेरणादायक बातें साझा कीं। संस्था की ओर से ध्यान एवं सकारात्मक सोच को जीवन में अपनाने की अपील की गई। शिविर के दौरान बटालियन और कॉलेज के सैन्य तथा असैन्य सभी कर्मी सक्रिय रूप से सहयोग में लगे रहे।

दो अलग-अलग पोक्सो मामलों में दो अभियुक्त दोषी करार

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। दो अहम फैसले औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय से सामने आए हैं, जहां विशेष पोक्सो न्यायाधीश लक्ष्मीकांत मिश्रा ने दो अलग-अलग मामलों में दो अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। दोनों ही मामलों में नाबालिग पीड़िताओं के साथ यौन उत्पीड़न और बहलाकर संबंध बनाने के गंभीर आरोप साबित हुए हैं। पहला मामला रफीगंज थाना क्षेत्र से जुड़ा है, जहां कांड संख्या 405/23 और पोक्सो केस संख्या 120/23 के तहत चंदन कुमार, निवासी अतरौली ओबरा को दोषी ठहराया गया है। स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता ने जानकारी दी कि अभियुक्त को भारतीय दंड संहिता की धारा 323 (मारपीट), 342 (अवैध बंदी), 376 (बलात्कार) और पोक्सो एक्ट की धारा 04 में दोषी ठहराया गया है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही के अनुसार पीड़िता ने 09 सितंबर 2023 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उसने बताया कि पढ़ाई के दौरान आरोपी ने शादी का झांसा देकर 30 महीनों तक शारीरिक शोषण किया और डराकर चुप कराने की कोशिश की।

देवकुंड में सावन की तीसरी सोमवारी पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा शिवधाम

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

सावन की तीसरी सोमवारी पर ऐतिहासिक देवकुंड धाम में शिवभक्तों की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही रिमझिम फुहारों के बीच हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाबा दूधेश्वरनाथ के दर्शन-पूजन के लिए जुटे और पूरा वातावरण हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। अमृत बेला से ही शिवलिंग पर जलार्पण के लिए भक्तों की लंबी कतारें लग गई थीं। यह दृश्य न केवल भक्ति से परिपूर्ण रहा, बल्कि अद्भुत और अलौकिक अनुभूति देने वाला भी बना रहा। इस बार की सोमवारी में खास बात यह रही कि बड़ी संख्या में कांवरिए पटना के गाय घाट से जल लेकर देवकुंड पहुंचे। पैदल यात्रा कर पहुंचे इन श्रद्धालुओं के लिए मठ परिसर में विशेष ठहराव, भोजन और विश्राम की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी खुद मठाधीश कन्हैया नंद पुरी ने संभाली और उन्होंने श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत करते हुए सेवा को शिवसेवा बताया। महिलाओं की भागीदारी इस बार खास रही। देवकुंड की ओर आने वाले हसपुरा रोड, बनतारा रोड और तेलपा रोड से सुबह से ही महिलाओं का जत्था पहुंचता रहा।

गोलीकांड में फरार अभियुक्त राजस्थान से गिरफ्तार

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

नवीनगर थाना अंतर्गत खाप मोड़ के पास 24 जून को मोटरसाइकिल सवार युवक प्रियांशु सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में नवीनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद औरंगाबाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे कांड की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। पुलिस ने घटना में शामिल कुल तीन अभियुक्तों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसी कड़ी में मामले के मुख्य अभियुक्त जीवन प्रसाद सिंह को राजस्थान के मानटाउन थाना क्षेत्र से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जीवन प्रसाद को पकड़ने के लिए एसआईटी टीम ने तकनीकी निगरानी, सीसीटीएनएस डाटा विश्लेषण और गोपनीय सूचना के आधार पर राजस्थान में छापेमारी की थी। गिरफ्तार अभियुक्त जीवन प्रसाद सिंह ने पुलिस के समक्ष अपने अपराध को स्वीकार करते हुए खुलासा किया कि उसका प्रेम-प्रसंग अपनी भाभी गुंजन सिंह से था। लेकिन कुछ दिनों पहले गुंजन की शादी मृतक प्रियभूषण कुमार से हो गई, जिससे वह नाराज था। जीवन प्रसाद ने बताया कि वह नहीं चाहता था कि गुंजन और प्रियभूषण साथ रहें। इसी वजह से वह अपनी भाभी के साथ मिलकर प्रियभूषण की हत्या की योजना बनाई। फिर 24 जून को खाप मोड़ के पास प्रियभूषण की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं कांड में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की भी पहचान की जा रही है और शीघ्र ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस द्वारा विधि सम्मत कार्रवाई जारी है।

विद्यालय में बाल संसद के सहयोग से पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न

- बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और पर्यावरण की रक्षा का वादा किया।
- छात्रों ने अपने लगाए गए पौधों को जीवनभर संरक्षित करने का संकल्प लिया।

निज संवाददाता | देव(औरंगाबाद)

देव प्रखंड के अंतर्गत मध्य विद्यालय हैदरचक में सोमवार को पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक रामशीष सिंह के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में बाल संसद के नन्हे मंत्रियों और शिक्षकों ने मिलकर परिसर को हरियाली से सजाया।

इस अवसर पर छात्रों ने विभिन्न औषधीय एवं फूलों वाले पौधों को खुद अपने हाथों से लगाया और उन्हें संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों में जागरूकता फैलाना और प्रकृति से लगाव को मजबूत करना था। प्रधानाध्यापक रामशीष सिंह ने कहा, हर बच्चा एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे, यही हमारा संकल्प है। यह प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का एक छोटा लेकिन असरदार कदम है। सहायक शिक्षक संजीत कुमार ने भी इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा, 'पर्यावरण संरक्षण कोई एक दिन का कार्य नहीं बल्कि यह एक निरंतर प्रक्रिया है। बाल संसद के माध्यम से बच्चों में जो जिम्मेदारी की भावना जागृत हुई है, वह भविष्य के लिए शुभ संकेत है। हम चाहते हैं कि हर बच्चा अपने लगाए पौधे को अपने परिवार की तरह सींचे। बाल संसद के बच्चों ने बड़े उत्साह से हिस्सा लिया और पौधे लगाते हुए पर्यावरण की रक्षा का वादा किया। कार्यक्रम में शिक्षक संदीप मिश्रा, राकेश कुमार, विकास दुबे, तनवीर अली, हुलास प्रसाद और मजहर अली भी मौजूद रहे। विद्यालय परिसर में हरियाली फैलाने की यह पहल न केवल वातावरण को स्वच्छ बनाने में मददगार होगी, बल्कि छात्रों को जीवनभर प्रकृति के प्रति स्नेह और जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा भी देगी।

बिहार सरकार
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

पशुपालन ज्ञान
पशुपालक कल्याण

आपदा प्रभावित पशुओं के जीवन रक्षण हेतु
पशु चारा वितरण कार्यक्रम

आपदा से प्रभावित पशुओं के जीवन रक्षा हेतु समय–समय पर पशु चारा वितरण कराने का कार्य जिला प्रशासन के सहयोग से जिला पशुपालन पदाधिकारी के द्वारा सम्पन्न किया जाता है।

चारा मात्रा/अनुमान्यता :

- निर्धारित सहाय्य मानदर के अनुरूप बड़े जानवरों के लिए 80 रूपये तथा छोटे जानवर के लिए 45 रूपये प्रतिदिन अनुमान्य है।
- आपदाग्रस्त पशुओं के जीवन रक्षण के लिये सामान्यतः बड़े जानवरों के लिये 06 कि.ग्रा., छोटे जानवरों के लिए 03 कि.ग्रा. तथा भेड़–बकरियों के लिये 01 कि.ग्रा. चारा की आवश्यकता होती है।
- पशु शिविरों/अस्थायी शिविरों में एक बार में तीन दिन/एक सप्ताह हेतु चारा वितरण कराया जाता है तथा बाढ़ की स्थिति के अनुसार शिविर संचालन तक पुनः वितरण कराया जाता है।

वितरण प्रक्रिया :

- जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवं सहयोग से शिविरों/अस्थाई शिविरों में पशुओं की संख्या के अनुसार चारा वितरण किया जायेगा।
- चारा वितरण के पूर्व सभी प्रभावित पशुओं की प्रकार/संख्या के आधार पर गणना कर पशुपालकवार टोकन वितरण किया जाता है तथा उक्त टोकन के आधार पर क्रमानुसार चारा का प्रबंध कर वितरित किया जाता है।
- कोविड–19 की परिस्थितियों के आलोक में आवश्यक सावधानी बरतते हुये चारा वितरण सोशल डिस्टेसिंग के साथ किया जाएगा।

विशेष जानकारी पशुपालन निदेशालय, बिहार, पटना स्थित आपदा कोषांग (दूरभाष संख्या 0612-2230942) या पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, बिहार, पटना (दूरभाष संख्या 0612-2226049) से प्राप्त की जा सकती है।

PR No.- 009815 (Animal)D. 2025-26